कांग्रेस तो 20 साल में भी एसआईआर के लिए तैयार नहीं हुई - 12

एफटीए वार्ता में केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- कुछ मुद्दे पर सहमति बननी बाकी- 12

नोबल पुरस्कार के लिए ट्रंप ने भारत से शत्रुता ठान ली यह हास्यास्पद - 13

टी-20 विश्व कप 2026 के टिकट की बिक्री शुरू - 14

आज का मौसम

24.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.47

सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी, 02:57 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 112, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

डीसीएम ने बाइक में मारी टक्कर, दो सगी बहनों और चचेरे भाई की मौत

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

- मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में नबीगंज रोड पर हुआ हादसा
- डीसीएम छोड़कर भागा चालक हंगामे के साथ ढाई घंटे जाम

अमृत विचार: मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में नबीगंज रोड पर गुरुवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में सीधी टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो सगी बहनों और उनके चचेरे भाई की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डीसीएम छोड़कर भाग निकला।

एक साथ तीन मौतों से परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। हंगामा करते हुए लोगों ने पुलिस को शव नहीं उठाने दिया। पुलिस अधिकारियों के पहुंचने और कार्रवाई के पुख्ता आश्वासन पर ढाई घंटे बाद जाम खुल सका। मोहम्मदाबाद क्षेत्र के नगला भूड़ गांव का रहने वाले केशव का पुत्र राजन (19) गुरुवार की सुबह करीब साढ़े 8 बजे अपनी चचेरी बहनों सेजल (12) और काजल (15) को बाइक से स्कूल छोड़ने जा रहा था। धीरपुर के रूप सिंह इंटर कॉलेज पंचमनगला में सेजल कक्षा 6 और काजल कक्षा 10 की छात्रा थी। नबीगंज रोड पर अनुपम दुबे के भट्ठे के पास सामने से तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे राजन और काजल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सेजल ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक, डीसीएम के पहियों में फंसकर कई मीटर तक घिसटती चली गई। राजन परिवार का इकलौता पुत्र था, जबकि काजल व सेजल का एक 11 वर्षीय भाई दुर्गेश है। हादसे के बाद राजन की मां बड़ी बेटी और काजल-सेजल की मां उमा देवी रोते-बिलखते पहुंचीं। हादसे के बाद भीड़ ने जाम लगा दिया। सूचना पर एसडीएम सदर रजनीकांत, अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह व अन्य मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का पुख्ता भरोसा देकर जाम खुलवाया।

यूपी समेत छह राज्यों में बढ़ी एसआईआर की समयसीमा

नई दिल्ली, एजेंसी

- निर्वाचन आयोग ने जारी किए आदेश, उप्र में अब 26 दिसंबर तक चलगी प्रक्रिया
- तमिलनाडु व गुजरात में 14 और मप्र, छत्तीसगढ़ और अंडमान में 18 तक

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को यूपी समेत छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समयसीमा बढ़ा दी है। संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर यह कदम उठाया गया है।

निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और उत्तर प्रदेश में एसआईआर के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया। इन छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए गणना प्रपत्र की अवधि गुरुवार को समाप्त होनी थी और मतदाता सूचियों का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था।

तमिलनाडु और गुजरात के लिए एसआईआर प्रक्रिया की अवधि 14 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 19 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए ये अवधि 18 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के लिए एसआईआर की अवधि 26 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एसआईआर गुरुवार को समाप्त हो जाएगी और मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। केरल के लिए कार्यक्रम में पहले संशोधन किया गया था। राज्य में एसआईआर 18 दिसंबर को समाप्त होगी और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

यूपी में मृतक, शिफ्टेड व अनुपस्थित वोटर्स के पुन: सत्यापन के लिए समय बढ़ाने का किया था अनुरोध

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने तथा शुद्ध मतदाता सूची को बनाने के लिए निर्वाचन आयोग से दो सप्ताह का समय और बढ़ाने का अनुरोध किया गया था ताकि जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा मृतक, अन्यत्र चले गए तथा अनुपस्थित मतदाताओं का पुन: सत्यापन कराया जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधित तिथि के अनुसार 26 दिसम्बर, 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि अंतरिम मसौदा सूची अब 31 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित होगी। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 31 दिसम्बर, 2025 से 30 जनवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

ब्रीफ न्यूज

आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई को पर्सन ऑफ द ईयर किया नामित

न्यूयॉर्क। टाइम पत्रिका ने गुरुवार को आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई को 2025 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर नामित किया। पत्रिका ने 2025 को वह वर्ष बताया जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमता तेजी से सामने आई और अब पीछे मुड़ने का सवाल ही नहीं है। टाइम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सोचने वाली मशीनों का युग लाने, मानवता को विस्मित और चिंतित करने, वर्तमान को रूपांतरित करने और संभावनाओं से परे जाने के लिए, आर्किटेक्ट्स ऑफ एआई को टाइम पत्रिका द्वारा 2025 का पर्सन ऑफ द ईयर चुना गया है। पत्रिका ने चर्चा कर उन लोगों का चयन किया वह व्यक्ति जिन्होंने एआई की कल्पना की, डिजाइन किया और बनाया न कि तकनीक को, हालांकि इसके लिए कुछ पूर्व उदाहरण भी थे।

दो कुख्यात नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बालाघाट। मध्यप्रदेश में बालाघाट जिले के बिरसा थानाक्षेत्र में कोरका के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर में गुरुवार को दो कुख्यात नक्सलियों दीपक और रोहित ने आत्मसमर्पण कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दीपक पर 29 लाख रुपये और रोहित पर 14 लाख रुपये का इनाम घोषित था तथा दोनों ने मुख्य धारा में लौटने की इच्छा जताते हुए आत्मसमर्पण किया है।

गायब मतदाताओं के सत्यापन को फील्ड में निकलें जनप्रतिनिधि : योगी

एसआईआर समीक्षा के दौरान अनुपस्थित मतदाताओं के आंकड़ों पर जताई चिंता

- मुख्यमंत्री बोले, विपक्षी दल आपका वोट डेथ या अनुपस्थित में डलवा दें, मॉनीटरिंग करें
- सरकार के विरोधी दल वोट बनवाने का काम मदरसों और मस्जिदों से करवा रहे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली में जनप्रतिनिधियों के साथ मंडलीय समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को सर्किट हाउस में बरेली मंडल में किए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की समीक्षा की। मतदाता सूचियों के सत्यापन के दौरान अनुपस्थित मतदाताओं के आंकड़ों पर चिंता जताते हुए योगी ने जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि जो वोटर अनुपस्थित हैं, जिनकी मैपिंग नहीं हो पा रही है, उनके सत्यापन के लिए स्थानीय कार्यकर्ताओं को लगाएं और जनप्रतिनिधि खुद भी फील्ड में निकलें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार प्रत्येक विधानसभा में आठ से 10 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित हैं, ऐसे में भाजपा के लोगों के ज्यादा से ज्यादा वोट बनवाएं। यह हो सकता है कि विपक्षी दल आपका वोट डेथ या अनुपस्थित में डलवा दें, जब हम बूथ जीतते हैं तभी हम जीतते हैं। इसकी बूथ वार मॉनीटरिंग करें। योगी ने समीक्षा में यह भी कहा कि कहीं ऐसा न हो जाए कि एसआईआर में लाभ की जगह हमें नुकसान हो। यह मौका है कि बोगस वोटों के नाम मतदाता सूचियों से कटवाएं। ऐसा न हो कि विपक्ष अपने लोगों के वोट ज्यादा बनवा ले और हमारे ओरिजनल लोगों के वोट कट जाएं। इससे आने वाले चुनावों में हमारी चुनौती बढ़ जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो सरकार के विरोधी लोग हैं, वे लोगों के वोट बनवाने का काम मदरसों और मस्जिदों से करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मंडल की एक-एक विधानसभा में एसआईआर के कार्य की समीक्षा की। बरेली जनपद में कैंट और शहर विधानसभा में अनुपस्थित मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। मुख्यमंत्री ने भाजपा के अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों को लगकर वोटरों को खोजने और उनके फार्म जमा करवाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान सीएम के साथ वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, जिला प्रभारी जेपीएस राठौर, कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, वनमंत्री डॉ अरुण कुमार, गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार, भाजपा ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य आदि उपस्थित रहे।

घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में घुसपैठ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।आजमगढ़ और वाराणसी में आयोजित एसआईआर की मंडलीय समीक्षा बैठकों में उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करने और घुसपैठियों तथा फर्जी मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना लोकतंत्र की मूलभूत शर्त है, जबकि अपात्र और संदिग्ध नामों को हटाना चुनावी पारदर्शिता की अनिवार्यता है। उन्होंने बूथ टीमों को सक्रिय करने, मृतक, अनुपस्थित और शिफ्टेड मतदाताओं की विशेष श्रेणी में पहचान के लिए दो-दो टीमों के गठन और बीएलओ को समय पर प्रपत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सही मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव और भाजपा की सुनिश्चित जीत की आधारशिला बनेगी।

रामगोपाल को गोली मारने वाले सरफराज को फांसी की सजा

बहराइच, एजेंसी

बहराइच सांप्रदायिक हिंसा मामला

- एडीजे (प्रथम) कोर्ट ने 13 माह 26 दिन में सुनाया फैसला, नौ को आजीवन कारावास साक्ष्य के अभाव में तीन आरोपी बरी

रामगोपाल मिश्रा

हत्यारोपी सरफराज

बहराइच सांप्रदायिक हिंसा मामले में कोर्ट ने गुरुवार को बड़ा फैसला दिया है। पिछले साल दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मारे गए रामगोपाल मिश्रा की हत्या के दोषी सरफराज को एडीजे (प्रथम) कोर्ट ने फांसी की सजा तथा नौ दोषियों को सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इन सभी दोषियों पर एक -एक लाख रुपये का अर्थ दंड भी लगाया गया है। कोर्ट ने तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। यह सजा अपर सत्र न्यायाधीश(एडीजे) पवन कुमार शर्मा ने सुनाया है। बहराइच हिंसा मामले का फैसला 13 माह 26 दिन में आया है। फैसले को लेकर कोर्ट परिसर छावनी में तब्दील रहा।

बहराइच जिला स्थित थाना हरदी क्षेत्र के महाराजगंज बाजार में 13 अक्टूबर 2024 को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। पहले डीजे पर गाने बजाने को लेकर विवाद हुआ। दरअसल, विसर्जन के जुलूस के दौरान समुदाय विशेष के इलाके से गुजरते समय डीजे पर बजाए जा रहे गानों को लेकर विवाद गहराया। इस दौरान मुस्लिम पक्ष ने डीजे बंद करने की मांग की। इस पर हिंदू पक्ष की ओर से आपत्ति जताई गई और विवाद बढ़ता गया। विवाद उस समय और गहरा गया जब मुस्लिम पक्ष की ओर से डीजे का तार निकाल दिया गया। डीजे का तार निकालने के बाद भीड़ अनियंत्रित हो गई और भगदड़ मच गई। इस दौरान रामगोपाल मिश्रा एक छत पर चढ़ गया, जहां उसे गोली मार दी गई। गोली लगने से रेहुआ मंसूर गांव के 22 वर्षीय रामगोपाल की मौके पर ही मौत हो गई थी। जिसके बाद जिले में हिंसा भड़क गई थी। आक्रोशित भीड़ ने कई दुकानों, घरों और वाहनों में आगजनी और तोड़फोड़ की थी। स्थिति को काबू में करने के लिए प्रशासन ने कई दिनों तक इंटरनेट सेवा बंद रखी और भारी पुलिस बल तैनात किया था। हालांकि, बहराइच पुलिस ने मामले में एक्शन शुरू किया। 87 लोगों को गिरफ्तार किया गया था । 100 से अधिक पर केस दर्ज किया गया। मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद के घर पर बुलडोजर चलाने की नोटिस जारी की गई थी।

नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

सरकारी वकील प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट ने जिन नौ दोषियों को उम्रकैद की सजा दी है, उनमें फहीम, सैफ अली, जावेद खान, अब्दुल हमीद, तालिब उर्फ सबलू, ईसान, सुएब खान, ननकऊ और मारूफ हैं। कोर्ट ने तीन आरोपियों अर्थात शकील अहमद, बबलू अफजल उर्फ कल्लू और खुर्शीद को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

वंदे मातरम् को नहीं मिला उचित सम्मान : नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी

- राज्यसभा में भाजपा अध्यक्ष ने कहा- देश संकल्प ले कि इसे वही दर्जा मिले जो राष्ट्रगान को मिला

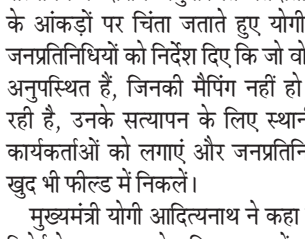

राज्यसभा में गुरुवार को सदन के नेता एवं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दावा किया कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए तथा देश को संकल्प लेना चाहिए कि इसे वही दर्जा मिले जो राष्ट्रगान या राष्ट्रीय ध्वज को मिला है। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष होने पर उच्च सदन में हुई चर्चा के अंत में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि पिछले दो दिन में 80 से अधिक सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया, जो बताता है कि यह विषय कितना सम-सामायिक है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् देश की आत्मा को जगाने का मंत्र है।

उन्होंने कहा कि यह गीत आजादी के आंदोलन के दौरान बहुत सी घटनाओं का गवाह रहा है। यह गीत मां भारती की आराधना है। ब्रिटिश शासक जब देश में अपना राष्ट्रगीत थोपना चाहते थे, उस समय बंकिम चंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् गीत लिखकर पूरे भारत को जागृत कर दिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह गीत रूपी मंत्र इतना कारगर साबित हुआ कि ब्रिटिश शासकों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और जो कोई इसे गाता था उसे जेल के सीखचों के पीछे भेज दिया जाता था। उन्होंने कहा कि वीडी सावरकर को जिन आरोपों में दो उम्रकैद की सजा पर काला पानी भेजा गया, उनमें वंदे मातरम् के नारे लगाना शामिल था। महर्षि अरविन्द को भी वंदे मातरम् के कारण जेल जाना पड़ा था। जब खुदीराम बोस फांसी के फंदे पर चढ़े तो उनके मुख पर अंतिम शब्द वंदे मातरम् ही थे।

कहा- चर्चा का मकसद इतिहास के तथ्यों को सही प्रकार से सामने लाना

नड्डा ने कांग्रेस के जयराम रमेश द्वारा चर्चा में भाग लेते समय लगाए गए इस आरोप का जिक्र किया कि इस चर्चा का एक ही मकसद है, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना। सदन के नेता ने कहा, हमारा उद्देश्य भारत के पूर्व प्रधानमंत्री को बदनाम करना नहीं है, पर हमारा मकसद भारत के इतिहास के तथ्यों को सही प्रकार से रखने का है। उन्होंने याद दिलाया कि जब भी कोई घटना होती है तो जिम्मेदार सरदार ही होता है। उन्होंने कहा कि सरकार और कांग्रेस के सरदार जवाहरलाल नेहरू ही थे।

अमेरिका में पढ़ाई के बाद छात्रों का वापस भारत और चीन जाना शर्मनाक : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने दस लाख डॉलर की ट्रंप गोल्ड कार्ड योजना शुरू करने की घोषणा की

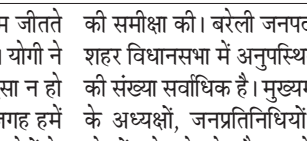

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत और चीन जैसे देशों के छात्रों को अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद गृह देशों में वापस जाना शर्मनाक है।

ट्रंप ने दावा किया कि ट्रंप गोल्ड कार्ड योजना कंपनियों को देश में इस तरह की प्रतिभाओं को नियुक्त करने और बनाए रखने में सक्षम बनाएगी। उन्होंने बुधवार को दस लाख डॉलर की ट्रंप गोल्ड कार्ड योजना शुरू करने की घोषणा की। यह एक वीजा कार्यक्रम है, जो अप्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने का मार्ग प्रदान करेगा। ट्रंप गोल्ड कार्ड एक ऐसा वीजा है जो अमेरिका को पर्याप्त लाभ प्रदान करने की किसी व्यक्ति की क्षमता पर आधारित है।

व्हाइट हाउस में एक बैठक में ट्रंप ने कहा, किसी महान व्यक्ति का हमारे देश में आना एक उपहार के समान है, क्योंकि हमें लगता है कि ये कुछ ऐसे असाधारण लोग होंगे जिन्हें यहां रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कॉलेज से स्नातक करने के बाद, उन्हें भारत वापस जाना पड़ता है, उन्हें चीन वापस जाना पड़ता है, उन्हें फ्रांस वापस जाना पड़ता है।

जौनपुर में चाइनीज मांझे से टीचर की गर्दन कटी

जौनपुर। यहां चीनी मांझे से गर्दन कटने के कारण निजी स्कूल में शिक्षक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष ने बताया कि घटना गुरुवार सुबह आठ बजे शास्त्री ब्रिज पर कोतवाली क्षेत्र में हुई, जब संजीव तिवारी अपनी बेटी को स्कूल छोड़कर वापस जा रहे थे। बताया कि उमरपुर हरिबंधनपुर के निवासी तिवारी ने जैसे ही ब्रिज पार किया, सड़क के ऊपर लटक रहा धारदार मांझा उनकी गर्दन में फंस गया और उन्हें गहरी चोट लग गई। इससे वह मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो बैठे और घटनास्थल पर ही गिर पड़े। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अरुणाचल में खाई में गिरा ट्रक, 18 की मौत

तिनसुकिया/डिब्रूगढ़ (असम), एजेंसी

- 22 लोग थे सवार, तीन अभी भी लापता, जिंदा बचे एक श्रमिक ने खाई से निकलकर दी जानकारी

अरुणाचल प्रदेश के एक सुदूर इलाके में एक ट्रक के खाई में गिरने से उसमें सवार असम के तिनसुकिया जिले के कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग लापता हैं।

रक्षा मंत्रालय के लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति से प्राप्त सूचना के आधार पर बताया कि राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित अंजॉ जिले के हयूलियांग-चागलागम रोड पर यह दुर्घटना आठ दिसंबर को हुई। इस ट्रक पर तिनसुकिया जिले के 22 मजदूर सवार थे। रावत ने कहा कि यह दुर्गम इलाका चागलागम से लगभग 12 किलोमीटर दूर है और वहां संपर्क सीमित है तथा दुर्घटना की जानकारी किसी भी स्थानीय एजेंसी, ठेकेदार या नागरिक को नहीं थी। एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति ने जब आपबीती सुनाई तभी इसकी जानकारी मिली। उन्होंने कहा, 18 शव देखे गए हैं और उन्हें निकाला जा रहा है। रावत ने कहा कि 'चिपरा जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स' शिविर तक पहुंचने में कामयाब रहने वाले मजदूर से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तिनसुकिया से 22 मजदूरों को ले जा रहा एक ट्रक आठ दिसंबर की रात खाई में गिर गया। पीआरओ ने बताया कि यह इलाका घने वृक्षों वाला है इसलिए वाहन न तो सड़क दिखाई दे रहा था और न ही हेलीकॉप्टर से। वे एक डंपर में यात्रा कर रहे थे जो सड़क से लगभग 1,000 फुट गहरी खाई में गिर गया। बचाव अभियान जारी है।

राहत — डीजीसीए के अधिकारियों ने विमानन कंपनी के परिचालन और पैसा लौटाने की निगरानी की शुरू

इंडिगो प्रभावित यात्रियों को देगी 10,000 मूल्य का यात्रा वाउचर

नई दिल्ली, एजेंसी

परिचालन संबंधी व्यवधानों से जूझ रही विमानन कंपनी इंडिगो उड़ानें रद्द होने या विलंब के कारण प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपये के यात्रा वाउचर देगी। यह वाउचर तीन से पांच दिसंबर के दौरान उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को दिया जाएगा।

यह डीजीसीए के मानदंडों के तहत उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को प्रदान की जाने वाली राशि के अतिरिक्त होगा। वहीं, डीजीसीए के अधिकारियों ने गुरुवार से इंडिगो के मुख्यालय से विमानन कंपनी के संचालन, रिफंड और अन्य प्रक्रियाओं की निगरानी शुरू कर दी।

इंडिगो ने बयान में खेद जताते हुए कहा कि तीन, चार और पांच दिसंबर को यात्रा करने वाले उसके कुछ ग्राहक कई घंटों तक कुछ हवाई अड्डों पर फंसे रहे और उनमें से कई भीड़भाड़ से बुरी तरह प्रभावित हुए। हम ऐसे गंभीर रूप से प्रभावित ग्राहकों को 10,000 रुपये मूल्य के यात्रा वाउचर प्रदान करेंगे। इन यात्रा वाउचर का उपयोग अगले 12 महीनों के दौरान इंडिगो की किसी भी यात्रा के लिए किया जा सकता है। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी को नियामकीय दबाव का भी सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने परिचालन को स्थिर करने के लिए इसे शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती करने का निर्देश दिया है।

डीजीसीए ने सीईओ पीटर एल्बर्स को किया तलब

डीजीसीए से जुड़े सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों से विमानन कंपनी की स्थिति पर दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अपेक्षा की गई है। इंडिगो पायलट एवं चालक दल के नए ड्यूटी मानदंडों के कार्यान्वयन से संबंधित योजनागत विफलताओं के कारण महत्वपूर्ण परिचालन बाधाओं से जूझ रही है। डीजीसीए ने बुधवार को इंडिगो के गुरुग्राम मुख्यालय में एक निगरानी समिति के दो सदस्यों को तैनात करने का फैसला किया था ताकि रद्द उड़ानों की स्थिति, कर्मचारियों की तैनाती, अनियोजित अवकाश एवं कर्मचारियों की कमी से प्रभावित मार्गों की निगरानी की जा सके।

बेंगलुरु से 60 उड़ानें रद्द

मुंबई। इंडिगो ने गुरुवार को भी बेंगलुरु हवाई अड्डे से 60 उड़ानें रद्द कर दीं। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब डीजीसीए ने ड्यूटी के मानदंडों के कार्यान्वयन से संबंधित योजनागत विफलताओं से सेवाओं में बड़े पैमाने पर व्यवधान के बाद जांच कड़ी कर दी है।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

दो वरिष्ठ आईएएस के कार्यक्षेत्र में बदलाव

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में उप्र. शासन ने अहम बदलाव किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नियुक्ति और कार्मिक विभाग ने गुरुवार को कार्यक्षेत्र में इस फेरबदल का आदेश जारी किया। नियुक्ति विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अखंड प्रताप सिंह को उप्र. राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है। अखंड प्रताप इससे पूर्व विशेष सचिव, निर्वाचन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन और अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वहीं, आईएएस दीपा रंजन को उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ उप्र. राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण को मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सुबह-शाम कोहरा छाने का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ : सुबह-शाम के समय उत्तरी पश्चिमी हवाएं ठंडक बढ़ा रही हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के 13 जिलों, कुशीनगर, महाराजगंज, बहराइच, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में घना कोहरा छाने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शुक्रवार को सुबह-शाम के समय हल्की धुंध और कोहरा छाया रहेगा। दिन में आसमान साफ रहेगा, धूप खिलेगी। अधिकतम तापमान 25 व न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

बीडीएस काउंसिलिंग में पंजीकरण का अंतिम मौका

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सरकारी व निजी डेंटल कॉलेजों में स्नातक (बीडीएस) की रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए पांचवें चरण की काउंसिलिंग में पंजीकरण कराने की अंतिम दिन 12 दिसंबर शुक्रवार है, इसी दिन देर शाम पंजीकृत अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी कर दी जाएगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने गुरुवार को बताया कि मेरिट सूची के क्रम में अभ्यर्थियों को 15 दिसंबर तक प्राथमिकताएं देनी होगी। तत्पश्चात 16 को सीट आवंटन के परिणाम घोषित होंगे और 20 दिसम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

व्यावसायिक प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 से

अमृत विचार, लखनऊ : व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश ने अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा, दिसम्बर-2025 की तैयारियों को गति देते हुए सभी जिलाधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि लेफ्टओवर/सप्लीमेंटरी श्रेणी की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 दिसंबर से 19 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। इसके लिए प्रैक्टिकल एक्जामनर मैपिंग की अनिवार्य समय-सीमा 9 से 26 दिसंबर निर्धारित की गई है, जिसे परीक्षा से पूर्व पूरा किया जाना है। प्रमुख सचिव ने बताया कि डीजीटी, केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रैक्टिकल एक्जामनर मैपिंग केवल उन परीक्षकों की की जाएगी जो www.skillindiadigital.gov.in पर पंजीकृत हों। अगर किसी जिले में पंजीकृत परीक्षकों की संख्या पर्याप्त नहीं है, तो नोडल राजकीय आईटीआई की अध्यक्षता में गठित समिति ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करेगी तथा अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेख, योग्यता तथा अनुभव की जांच कर अनुमोदन सुनिश्चित करेगी।

मतदाता सूची की कमियां दूर करें, ताकि चुनाव के समय कम हों चुनौतियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने एसआईआर को लेकर आजमगढ़ और वाराणसी में की मंडलीय समीक्षा, दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी सर्किट हाउस और आजमगढ़ कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को आयोजित एसआईआर समीक्षा बैठकों में स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार और संगठन घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी समय रहते मतदाता सूची की कमियों को दूर कर लिया जाए ताकि चुनाव के समय मेहनत और चुनौतियां कम हों।

वाराणसी में आयोजित समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने अफसरों को अलग से ब्रीफ किया। एसआईआर अभियान में अनमैपिंग, मृतक, अनुपस्थित और शिफ्टेड मतदाताओं को विशेष श्रेणी में लेकर छानबीन करने के निर्देश दिए। बाद में काशी क्षेत्र के छह संगठनात्मक जिलों के मंत्री समेत सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष, मंडल प्रभारी और एसआईआर संयोजक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा है कि चुनाव बूथ पर लड़ा जाता है, इसलिए बूथ प्रबंधन को मजबूत बनाना सबसे आवश्यक है। हर बूथ पर दो टीमों द्वारा घर-घर संपर्क कर पात्र मतदाताओं का सत्यापन कराने और प्रपत्र बीएलओ को सौंपने को कहा। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक तालमेल, तकनीकी दक्षता और सतत मॉनीटरिंग इस अभियान की सफलता के मूल सूत्र हैं। बीएलए-1, बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष और बूथ प्रवासी को मिलकर व्यापक रणनीति बनाने को कहा गया।

वाराणसी के डाक बंगले में एसआईआर को लेकर मंडलीय समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्रीगण।

पूरी ईमानदारी से सत्यापन कार्य में जुटें : योगी

आजमगढ़ में आयोजित मंडलीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के साथ कई कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। बैठक के अंत में उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को पूरी ईमानदारी से सत्यापन कार्य में जुटने को कहा ताकि कोई भी वास्तविक मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। बैठक में सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर भी शामिल हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा दिए निर्देशों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मृतक, लापता और फर्जी मतदाताओं की संख्या चिंताजनक है और इसे दुरुस्त करना अनिवार्य है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि कंप्यूजन ही कंप्यूजन है, सॉल्यूशन का पता नहीं।

योगी ने जनता दर्शन में सुनीं समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि जरूरतमंदों को आवास और गंभीर बीमारों के इलाज के लिए सरकार किसी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ और हर पीड़ित को समयबद्ध एवं सन्तुष्टिपरक समाधान उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं।

दो तस्कर गिरफ्तार, फर्जी फर्मों के जरिए देशभर में कर रहे थे तस्करी

कफ सिरप तस्करी मामले में एसटीएफ ने लखनऊ से आरोपियों को किया गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फर्जी फर्म से जुड़े 31 दस्तावेज बरामद, सात वर्ष से कर रहे थे आपूर्ति

अमृत विचार: यूपी एसटीएफ ने कोडीन युक्त फेंसेडिल कफ सिरप की तस्करी में लिप्त गिरोह पर बड़ा शिकंजा कसते हुए दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने सहारनपुर के आरोपियों में अभिषेक शर्मा और शुभम शर्मा को गुरुवार की सुबह आलमबाग मवैया स्थित टेढ़ी पुलिया से दबोच लिया। दोनों भाई फर्जी फर्मों के जरिए भारी मात्रा में कफ सिरप की अवैध खरीद-फरोख्त कर उसे देश के विभिन्न राज्यों होते हुए बांग्लादेश तक सप्लाई करा रहे थे।

एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी सहारनपुर के सदर बाजार स्थित कपिल बिहार के रहने वाले हैं। दोनों सगे भाई हैं। आरोपियों के पास से दो मोबाइल व फर्जी फर्म से जुड़े 31 दस्तावेज बरामद किया है।

कफ सिरप तस्करी में पकड़े गए आरोपी दोनों भाई अभिषेक और शुभम।

फर्जी फर्मों का जाल और कोडीन सिरप की तस्करी : पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह 2019 से फर्जी फर्में बनाकर एबॉट कंपनी के फेन्सेडिल कफ सिरप को कागजों में एक राज्य से दूसरे राज्य बेचता दिखाता था, जबकि असली माल को तस्करों को सौंप दिया जाता था। यह माल बिहार-झारखंड-पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजा जाता था। चार्टर्ड अकाउंटेंट अरुण सिंघल गिरोह के लिए बोगस फर्में तैयार करता था। सहारनपुर, रुड़की और उत्तराखंड में दर्जनों फर्जी फर्मों के नाम सामने आए हैं। गिरोह ने करीब 65 फर्मों के जरिये फर्जी बिलिंग दर्शाई।

मारुति मेडिकोज से एवी फार्मास्यूटिकल्स तक : पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि वह जीआर ट्रेडिंग से लेकर मारुति मेडिकोज और एवी फार्मास्यूटिकल्स तक कई फर्मों के संचालन और बैंकिंग का जिम्मेदार था। विशाल सिंह, विभोर राणा, सौरभ त्यागी और अन्य सहयोगियों से मिलीभगत कर वह तस्करी का पूरा नेटवर्क संचालित करता था। 2024 में लखनऊ में एसटीएफ द्वारा पकड़ी गई फेंसेडिल खेप भी इसी गिरोह से जुड़ी पाई गई थी। एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप सिंह के मुताबिक पूछताछ में शुभम ने कुबूल किया कि दुबई में नौकरी छोड़कर भारत लौटा था। बड़े भाई और गिरोह के सदस्यों ने उसके नाम पर फर्म बना कर उसे तस्करी के खेल में शामिल कर लिया। उसे हर महीने करीब एक लाख रुपये दिए जाते थे।

पश्चिम बंगाल कनेक्शन की खोज जारी : पूछताछ में दोनों ने पश्चिम बंगाल में सक्रिय दो तस्करों के नाम भी बताए हैं। एसटीएफ उनकी भूमिका की जांच कर रही है। दोनों के खिलाफ थाना सुशांत गोल्फ सिटी में दर्ज मामले में कार्रवाई की गई है। अभिषेक शर्मा के खिलाफ गाजियाबाद में एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में भी मामले दर्ज हैं। एसटीएफ के मुताबिक यह नेटवर्क व्यापक था और कई अधिकारियों व दवा डिस्ट्रीब्यूशन चैन में गहरी जड़ें जमाए बैठा था। आगे की कार्रवाई तेजी से जारी है।

एमपीएसपी के शताब्दी वर्ष तक 100 संस्थाओं का संचालन : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- मुख्यमंत्री ने सौंपा एक लाख विद्यार्थियों को स्किल से जोड़ने का लक्ष्य
- शताब्दी वर्ष में वर्षभर विविध कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाने का निर्देश

अमृत विचार: महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद (एमपीएसपी) को शताब्दी वर्ष 2032 तक नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यापक रोडमैप जारी किया है। परिषद की संस्थाओं के प्रमुखों के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि शताब्दी वर्ष तक परिषद के अंतर्गत 100 संस्थाओं का संचालन और इनमें 1 लाख विद्यार्थियों को शिक्षा एवं स्किल से जोड़ना लक्ष्य होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शताब्दी वर्ष (10 दिसंबर 2031 से 10 दिसंबर 2032) पूरे वर्ष चलने वाला उत्सव होगा, जिसका हर आयोजन परिषद की गौरवशाली परंपरा, आध्यात्मिकता, आधुनिकता और प्रगति का प्रतीक बने। इसके लिए अभी से विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने परिषद संस्थाओं को शिक्षा, चिकित्सा, योग, सेवा और सामाजिक उत्थान से जुड़े नए प्रकल्पों को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी संस्थाएं अपनी विशिष्ट पहचान विकसित करें और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप अपनी शिक्षा व्यवस्था को तैयार करें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को इस दिशा में प्रमुख भूमिका निभाने पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने सभी संस्थाओं के प्रमुखों से नशा मुक्त परिसर का संकल्प पूरा कराने को कहा। उन्होंने कहा कि नशा चाहे ड्रग का हो या स्मार्टफोन के अत्यधिक दुरुपयोग का- दोनों विद्यार्थियों के भविष्य के लिए हानिकारक हैं। योगी ने परिषद की सभी संस्थाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्ष्य 'विकसित भारत 2047' से खुद को और विद्यार्थियों को जोड़ने की अपील की।

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने का शासनादेश जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मंडल मुख्यालय के जनपदों में 'जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र' खोलने का शासनादेश जारी हो गया है। राज्य सरकार द्वारा संचालित यह केंद्र दिव्यांगों के लिए मददगार बनेंगे। केंद्रों पर दिव्यांगों की खराब ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड साइकिल, कान की मशीन, कृत्रिम अंग आदि उपकरणों की मरम्मत करके दिए जाएंगे।

इसके अलावा एक छत के नीचे दिव्यांगता का परीक्षण, कान की बेरा जांच व आंख की विशेष जांच, कार्यशाला ऑडियोलॉजी, स्पीचथेरेपी, फिजियोथेरेपी, कॉउंसलिंग भी की जाएगी। कृत्रिम अंग व तरह-तरह के उपकरण भी बनाकर वितरित किए जाएंगे। पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा। इससे दिव्यांगों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा और खराब हो चुके उपकरण इस्तेमाल में लाए जा सकेंगे।

18 जिलों में खुलेंगे केंद्र

लखनऊ, बरेली, कानपुर, अयोध्या, मुरादाबाद, आगरा, अलीगढ़, आजमगढ़, बस्ती, बांदा, गोंडा, गोरखपुर, झांसी, मेरठ, मिर्जापुर, प्रयागराज, सहारनपुर व वाराणसी।

मंडलीय जिलों में पुनर्वास केंद्र सीएमओ कार्यालय परिसर या फिर आसपास बनेंगे। मंडल से जुड़े जिलों के दिव्यांग भी इसका लाभ उठाएंगे। केंद्र में सेवाप्रदाता के माध्यम से आठ कार्मिक जैसे प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट, ऑडियोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, पुनर्वास परामर्शदाता, प्रोस्थेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट तकनीशियन, लिपिक सह लेखाकार, चपरासी व सुरक्षा कर्मी रखे जाएंगे। डीएम व सीडीओ की अध्यक्षता में कमेटी चयन करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 13-14 को, औपचारिकताएं पूरी

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के संगठन चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 13 और 14 दिसंबर को पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक पार्टी के राज्य मुख्यालय पर नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया की निगरानी राष्ट्रीय महामंत्री एवं केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े की उपस्थिति में होगी। डॉ. पांडेय ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया 14 दिसंबर को केंद्रीय चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के द्वारा संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि संगठन चुनाव की सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और निर्धारित समय-सारणी के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष के नाम का औपचारिक ऐलान 14 दिसंबर को हो जाएगा।

मुख्तार गैंग के सदस्य की संपत्तियां कुर्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शादाब अहमद की अवैध कमाई का खुला कच्चा चिट्ठा
- सरकारी जमीनों पर कब्जा कर हड़पने का मामला

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की प्रयागराज टीम ने माफिया मुख्तार अंसारी के अवैध साम्राज्य पर एक और कार्रवाई करते हुए 2.03 करोड़ रुपये मूल्य की छह अचल संपत्तियों को कुर्क कर लिया है। ये सारी संपत्तियां मुख्तार के करीबी सहयोगी शादाब अहमद और उसकी पत्नी के नाम पर होने की पुष्टि हुई है। कार्रवाई पीएमएलए 2002 के तहत की गई है। यह पूरा मामला मऊ और गाजीपुर में सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध गोदाम खड़े कर उन्हें एफसीआई को किराये पर देकर करोड़ों कमाने के खेल से जुड़ा है।

ईडी की जांच में सामने आया कि मुख्तार के संरक्षण में चल रही मेसर्स विकास कंस्ट्रक्शन ने मऊ के रैनी गांव में सरकारी जमीन पर अवैध गोदाम बनाकर करोड़ों की कमाई की। इतना ही नहीं, गाजीपुर में भी इसी तरीके से अवैध निर्माण कराया गया। इन गोदामों को बाद में एफसीआई को लीज पर देकर भारी भरकम किराये और नाबार्ड सब्सिडी के जरिए 27.72 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई।

अक्टूबर 2025 में ईडी के लुकआउट नोटिस पर शादाब अहमद को शारजाह से लखनऊ एयरपोर्ट पर ही हिरासत में ले लिया गया था। उस पर अदालत की ओर से गैर-जमानती वारंट जारी था। बाद में उसे विशेष पीएमएलए अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच में खुलासा हुआ कि शादाब ने करीब 10 करोड़ रुपये की अवैध कमाई को छिपाने में अहम भूमिका निभाई। वह आगाज प्रोजेक्ट एंड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड और इनिजियो नेटवर्क सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक और वित्तीय संचालक था। दोनों कंपनियों के बैंक खातों का वह अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता भी था। इन्हीं कंपनियों के जरिए मुख्तार के अवैध धन को वैध कारोबार का रूप देने की कोशिश की गई।

गोंडा में फर्जी बैनामा गिरोह का फरार सदस्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आरोपी राम कैलाश

अमृत विचार: आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) उप्र. की टीम ने 'ऑपरेशन शिकंजा' के तहत गोंडा में बड़ी कार्रवाई की। फर्जी बैनामों के जरिए जमीनों पर कब्जा करने वाले गिरोह के वांछित आरोपी राम कैलाश पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, जांच में खुलासा हुआ कि गोंडा के भू-माफिया ने निबन्धन कार्यालय सदर गोंडा के कर्मचारियों से मिलीभगत कर सरकारी और आम जनता की जमीनों के फर्जी विलेख तैयार किए। अभिलेखागार में रखे मूल दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर उनकी जगह फर्जी विलेख रखे गए, जिसके आधार पर बैनामे कराकर जमीनों पर कब्जा जमा लिया जाता था। शासन के आदेश पर इन मामलों की विवेचना थाना एसआईटी, लखनऊ को सौंपी गई, जहां अब तक 50 मुकदमे पंजीकृत किए जा चुके हैं। ईओडब्लयू टीम ने वांछित आरोपी राम कैलाश पाण्डेय, निवासी छितौनी, थाना कौड़िया (गोंडा) को बीते 10 दिसंबर की शाम करीब 8:15 बजे गिरफ्तार किया।

परियोजनाओं की धीमी गति पर जताई नाराजगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में मुख्य सचिव ने कार्यदायी संस्थाओं को दी हिदायत
- कहा- अगली बैठक में सभी परियोजनाओं में दिखनी चाहिए अपेक्षित प्रगति

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आगरा, वाराणसी और लखनऊ में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री एकता मॉल तथा लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में बन रहे श्रमजीवी महिलाओं के छात्रावास परियोजनाओं के निर्माण की धीमी रफ्तार पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि अगली पीएमजी बैठक में सभी परियोजनाओं में अपेक्षित वित्तीय एवं भौतिक प्रगति स्पष्ट रूप से दिखनी चाहिए। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसपी गोयल

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पीएम मित्र पार्क परियोजना के सम्बन्ध में मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि बाउंड्री वॉल, गेट कॉम्प्लेक्स तथा ऑफिस बिल्डिंग के नवीनीकरण का कार्य मार्च 2026 से पूर्व हर हाल में पूरा कराया जाए।

बैठक में राज्य की प्रमुख विकास परियोजनाओं जिसमें प्रधानमंत्री एकता मॉल, पीएम मित्र पार्क, श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास, संत कबीर टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पार्क, श्रावस्ती में इंटरप्रिटेशन सेंटर, बटेश्वर में पर्यटन विकास कार्य तथा आगरा, कानपुर व लखनऊ की मेट्रो रेल परियोजनाएं, डिजिटल लाइब्रेरी शामिल हैं, की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

आगरा व कानपुर में मेट्रो ट्रेन टेस्टिंग ट्रायल रन जनवरी से

आगरा मेट्रो परियोजना में चार स्टेशनों के लिए सभी सुरंगों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है तथा फिनिशिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। परियोजना पर ट्रेन टेस्टिंग एवं ट्रायल रन जनवरी 2026 से प्रारंभ होने की योजना है। वहीं कानपुर मेट्रो परियोजना के तहत कानपुर सेंट्रल से ट्रांसपोर्ट नगर तक भूमिगत खण्ड (दो स्टेशन) की प्रगति 82 प्रतिशत है और इसे 15 अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यहां भी ट्रेन टेस्टिंग एवं ट्रायल रन जनवरी 2026 से मई 2026 के बीच प्रस्तावित है। वहीं लखनऊ मेट्रो के कॉरिडोर-1बी (चारबाग से बसंत कुंज) के लिए लोक निर्माण विभाग से आवश्यक एनओसी प्राप्त हो चुकी है।

पहल ब्रेन स्ट्रोक हब एंड स्पोक प्रोग्राम के तहत मरीजों को गोल्डन ऑवर में मिल रहा इलाज

जिला अस्पतालों की इमरजेंसी में मिलेगा ब्रेन स्ट्रोक मरीजों को इलाज

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- जिला अस्पताल में सीटी स्कैन कराने के बाद मिलेगा परामर्श जरूरत पड़ने पर दिया जाएगा महंगा इंजेक्शन

अमृत विचार : हार्ट अटैक के मरीजों की तरह अब ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों को जिला स्तरीय सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी में निःशुल्क इलाज मिलेगा। गोल्डेन ऑवर में इलाज मिलने से न केवल मरीज का जीवन बच सकेगा, बल्कि मरीज को दिव्यांग होने से बचाया जा सकेगा। इसके लिए राज्य सरकार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने हब एंड स्पोक मॉडल लागू किया है, शुरुआती चार माह में अच्छे परिणाम मिले हैं, राजधानी के डॉ.राम मनोहर लोहिया संस्थान के न्यूरो विशेषज्ञों की सलाह से कई मरीजों को टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन देकर उपचारित किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने न्यूरोलॉजी विशेषज्ञों की कमी को दूर करने के लिए पूरे प्रदेश में ब्रेन स्ट्रोक हब एंड स्पोक नेटवर्क की शुरुआत की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य हृदय रोगियों को त्वरित उपचार प्रदान करना है। इसके तहत, दूरदराज के मरीजों को टेली-सीटी स्कैन तकनीक का उपयोग करके ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों को बचाया जा सकेगा। इस संबन्ध में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों के लिए शुरुआती चार घंटे अहम होते हैं। अभी तक दूरदराज के मरीज, इलाज के लिए उच्च चिकित्सा संस्थान नहीं पहुंच पाते हैं, जिससे उन्हें समय पर इलाज मिलने में दिक्कत आ रही है। मरीजों की इस समस्या से बचाव के लिए हब एंड स्पोक कार्यक्रम तैयार किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश में उच्च चिकित्सा संस्थान वाले 10 हब एंड स्पोक सेंटर बनाए गए हैं, इनमें सबसे ज्यादा राजधानी के तीन संस्थान, डॉ.राम मनोहर लोहिया चिकित्सा संस्थान, एसजीपीजीआई और केजीएमयू शामिल हैं, इसके अलावा सैफई मेडिकल कॉलेज, जीएमवीएम कानपुर,एसएम मेडिकल कॉलेज आगरा, मोतीलाल मेडिकल कॉलेज प्रयागराज, लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज मेरठ, झांसी मेडिकल कॉलेज और बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर को सेंटर बनाया गया है। हर एक सेंटर से कई जिलों को संबद्ध किया गया है।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि शुरुआती चरण में डॉ.राम मनोहर लोहिया से सात जिलों के 12 अस्पतालों को जोड़कर कार्यक्रम लागू किया गया है।

प्रशिक्षण देने की तैयारी शुरू

कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए जिला व मंडलीय अस्पताल में तैनात डॉक्टर, नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। लोहिया संस्थान के न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ .अजय कुमार सिंह ने बताया कि जिला अस्पतालों के स्टाफ को ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण पहचानने के तरीके बताए जाएंगे। इलाज की बारीकियां बताई जाएंगी। उन्होंने बताया कि मरीज के चेहरे का झुकाव, हाथ की कमजोरी, बोलने में कठिनाई हो तो तुरंत सीटी स्कैन कराना चाहिए।

ग्राम पंचायतों को मिलेंगे नए वाद्य यंत्र

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने निर्देश दिए कि वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायतों में वितरण के लिए नए वाद्य यंत्र उच्चस्तरीय समिति की देखरेख में खरीदे जाएं और उनकी गुणवत्ता व टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की राय भी ली जाए। साथ ही कहा कि विभाग द्वारा स्वीकृत 19 परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

पर्यटन मंत्री गुरुवार को गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन में परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अवशेष 26 सेट वाद्य यंत्र भातखंडे संगीत संस्थान तथा आजमगढ़ के हरिहरपुर स्थित संगीत विद्यालय को उपलब्ध करा दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रक की टक्कर से मोपेड सवार सब्जी विक्रेता की मौत

घाटमपुर। सब्जी लेने जा रहे मोपेड सवार सब्जी विक्रेता को ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से मोपेड सवार सब्जी विक्रेता की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घाटमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव निवासी प्रदीप पुत्र रामदास उम्र 32 वर्ष जो की सब्जी बेचने का काम करता था। वह गुरुवार को सुबह 6:00 बजे सब्जी मंडी घाटमपुर सब्जी लेने जा रहा था पुरानी पुलिस चौकी के सामने पीछे से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से सब्जी विक्रेता प्रदीप की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं प्रदीप के दो छोटे-छोटे बच्चे व पत्नी सहित अन्य परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था।

युवक पर युवती को भगाने का आरोप

हमीरपुर। घर से शादी में देने के लिए गिफ्ट खरीदने की बात कहकर निकली युवती रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। जिस पर पुलिस ने पहले से परिचित युवक पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पिता ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते आठ दिसंबर को उसकी लड़की एक शादी में देने के लिए गिफ्ट लेने की बात कहकर कस्बे गई थी। लेकिन वहां से गायब हो गई। पीड़ित ने बताया कि जानकारी करने पर पता चला कि उसकी पुत्री को पहले से परिचित भमौरा निवासी अलीम खां पुत्र हबीब खां जिसका अक्सर उनके घर आना जाना था, बहला फुसला कर कहीं ले गया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक खाई में गिरी दो छात्र घायल

हमीरपुर। मौदहा के मकरावं से परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों की तेज रफ्तार बाइक हाईवे में चंदपुरवा गेट के समीप अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी इस घटना में दो छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों छात्रों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर दोनों को हमीरपुर रेफर किया गया है। कस्बा निवासी अभय सिंह एवं अर्पित बीए की परीक्षा देने मौदहा के मकरांव में सुंदरलाल डिग्री कॉलेज गए थे। दोपहर में दोनों बाइक से वापस कस्बे में आ रहे थे। तेज रफ्तार बाइक चंदपुरवा गेट के समीप अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। इस घटना में दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। उसकी हालत गंभीर बताईजा रही है।

15 परिवारों के नाम मतदाता सूची से गायब

हमीरपुर। ग्राम पंचायत विदोखर पुरई के डेढ़ दर्जन परिवारों के नाम मतदाता सूची में गायब होने से ग्रामीण परेशान है। साथ ही बीएलओ हलाकान हो रहे हैं। विदोखर पुरई निवासी शिवनाथ सविता, उदयभान यादव, उस्मान खान, गनी खान, चंद्रपाल सविता आदि ने बताया कि हम सभी 2003 में मतदाता थे और प्रत्येक चुनाव में मतदान करते रहें हैं एसआईआर के लिए बीएलओ को दी गई मतदाता सूची में उनके परिवार के सभी नाम गायब है। इस वजह से वह लोग मतदाता फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं। बीएल ओ वीरपाल ने बताया कि डेढ़ दर्जन परिवारों के नाम मतदाता सूची में नहीं मिल रहे है।

चोरों ने तीन दुकानों को बनाया निशाना

जीटी रोड स्थित दुकानों पर बोला धावा, कैफे में चोरी की वारदात के दौरान एक चोर कैमरे में कैद

संवाददाता,चौबेपुर

अमृत विचार। कस्बे में बीती रात चोरों ने जीटी रोड स्थित तीन दुकानों को अपना निशाना बनाया। एक दुकान में नकब व दो दुकानों के ताले तोड़कर अंदर घुसे चोर गोलक में रखी नकदी समेत करीब पंद्रह हजार का सामान उठा ले गए। सुबह सूचना पर पहुंचे एसीपी समेत थाना पुलिस को छानबीन के दौरान सीसीटीवी फुटेज में चोर वारदात को अंजाम देता नजर आया। पुलिस ने घटनाओं की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

क्षेत्र के भाऊपुर गांव निवासी अभिषेक कुमार की कस्बे में जिला सहकारी बैंक के सामने जीटी रोड किनारे मां इंटरनेट के नाम से कैफे है। रोजाना कर तरह बुधवार रात कैफे संचालक दुकान बंद कर घर चला गया। तभी देर रात मौका पाकर दुकान की दीवार में नकब लगा अंदर घुसे चोरों ने गोलक में रखी नकदी पार कर दी। **दूसरी घटना** ठीक बगल स्थित कस्बा निवासी मोहम्मद जुनैद की जनरल स्टोर में हुई। यहां भी दुकान के ताले तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने गोलक में पड़ी रेजगारी व कुछ अन्य कीमती सामान उठा ले गये।

कैमरे में कैद हुआ चोर।

● घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस ने शुरू की जांच -पड़ताल

एक अन्य घटना निकट के ही शांती नगर मोहल्ला निवासी सोनू गुप्ता की बीज व कीटनाशक दवाओं की दुकान में हुई। यहां भी शटर के ताले तोड़कर अंदर पहुंचे चोरों ने दुकान की गोलक में रखी रेजगारी व कीमती कीटनाशक दवाएं पार कर दीं। सुबह घटनाओं की जानकारी पर थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे मौके पर पहुंचे। वहीं जीटी रोड स्थित तीन दुकानों में एक साथ हुई चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत फैल गई। चोरी की सूचना पर ए सीपी बिल्हौर मंजय सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर जांच- पड़ताल की। जहां सीसीटीवी फुटेज में कैफे के अंदर चोर घटना को अंजाम देता नजर आ रहा है। वहीं कैफे संचालक अभिषेक ने बताया गोलक में रखे 10 हजार रुपये चोर ले गया है। वहीं अन्य दोनों दुकानदारों ने करीब 5 हजार रुपये का नुकसान बताया है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच साक्ष्य एकत्र किए। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि घटनाओं के खुलासे के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं ,जल्द ही चोरों का पता लग जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि रात्रि गश्त और तेज की जायेगी।

एक दिन पहले ही पुलिस ने की थी बैठक

■ **चौबेपुर।** चोरी की घटनाओं पर अंकुश के लिए बुधवार को ही थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने व्यापारियों संग बैठक की थी। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के साथ उन्होंने व्यापारियों से प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरा लगवाए जाने व चौकीदार की व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने की बात कही थी। इसके अलावा पेट्रोल पंप संचालकों व बड़े प्रतिष्ठानों पर जहां पैसों का लेनदेन अधिक रहता है और रकम बैंक अथवा घर पहुंचाने में खतरा रहता है, उनसे भी पुलिस का सहयोग लेने की बात कही थी। बुधवार रात कस्बे में हुई चोरी की घटनाओं को देखते हुए एसीपी मंजय सिंह ने व्यापारियों से सीसीटीवी कैमरा लगवाने व चौकीदार की व्यवस्था की बात एक बार पुन: दोहराई। साथ थाना पुलिस से रात्रि गश्त में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए।

आशा बहुओं व एएनएम के साथ बैठक करते अधिकारी। अमृत विचार

14 दिसंबर से शुरू होगा पोलियो अभियान,तैयारियों पर हुई बैठक

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। ककवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में 14 दिसंबर से राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन अभियान की शुरुआत की जाएगी। अभियान के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, सीएचसी अधीक्षक अनुज दीक्षित ,अभियान प्रभारी डॉ विकास यादव ने आज सभी क्षेत्र की आशा बहुओं , एएनएम , और कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के साथ एक बैठक का आयोजन किया।

बैठक के दौरान, सीएचसी अधीक्षक अनुज दीक्षित ने उपस्थित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को पोलियो अभियान के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत 14 दिसंबर को होगी, जिसे बूथ दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन, निर्धारित पोलियो बूथों पर जीरो से पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। बूथ दिवस के बाद, 15 दिसंबर से 20 दिसंबर तक, छह दिवसीय सघन अभियान चलाया जाएगा। इस चरण में, आशा बहुएं और एएनएम घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करेंगी कि क्षेत्र में कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित न रहे। सीएचसी अधीक्षक अनुज दीक्षित ने सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को गंभीरता से लेने और शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए काम करने को कहा।

जमालपुर और परास गौशाला का किया निरीक्षण

घाटमपुर। गुरुवार को घाटमपुर विधायक सरोज कुरील विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित परास एवं जमालपुर गौशाला पहुंची और निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला कर्मियों को दिशा- निर्देश देते हुए गौशाला 150 क्विंटल भूसा दान किया गया।

विधायक सरोज कुरील ने गौशाला में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा गौ-सेवा को राष्ट्र और संस्कृति की मूल भावना बताते हुए कहा कि गौ माताओं के संरक्षण हेतु हर संभव सहयोग देना हम सभी का कर्तव्य है। उन्लोंने गौशाला कर्मियों से कहा कि गायों को ठंड बचाने के लिये उचित व्यवस्था की जाये। साथ ही उन्होंने गौशाला को 150 क्विंटल भूसा दान में दिया। गौशाला प्रबंधन ने इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए विधायक सरोज कुरील का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दान गौ माताओं के पोषण और देखभाल में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। इस मौके पर मनीष तिवारी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट: 20 से ककवन में होगी शुरुआत

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। नव वर्ष पर 'सीज़न-10' के अंतर्गत ककवन में क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-2026 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। ककवन के सरकारी अस्पताल के सामने वाले मैदान में बीते दस वर्षों से लगातार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है।

इस बार टूर्नामेंट का आगाज 20 दिसंबर से किया जा रहा है जिसमें क्षेत्र की कई टीमों ने भाग लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। टूर्नामेंट के मुख्य आयोजन के तौर पर मोहम्मद इरफान ने बताया कि इस बार टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीम को 1300 रुपये की फीस देनी होगी, जबकि विजेता टीम को 25000 नकद का इनाम दिया जायेगा। वहीं उपविजेता को 12500 रुपये का पुरस्कार में दिया जायेगा। मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज आने वाले खिलाड़ियों को भी विशेष प्रकार के उपहार दिए जाएंगे। आयोजन कमेटी में मोनू, रामजी, नन्हे, निसार, आशीष गुप्ता, शिवम बाबा, दीपू गुप्ता गाँधी, इकराम , मुबारक, परवेज़, कमलेश भाई, हाशिम अमला, मुन्ना मिंटू, टीटू (राहुल), मो सिराज प्रमुख रूप से शामिल है।

आरएसएस कार्यकर्ताओं ने बच्चों में जगाई राष्ट्रभक्ति की भावना

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत शारदा विद्या मंदिर बिच्छीपुर में गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को भारत माता का चित्र एवं एक-एक पत्रांक विद्यालय के सभी छात्र एवं छात्रों को प्रदान किया।

शारदा विद्या मंदिर के प्रबंधक वेद व्रत सचान ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला व्यवस्थापक प्रमुख रोहित एवं अधिवक्ता परिषद के जिला संयोजक जितेंद्र सहित प्रचार प्रमुख आशीष शुक्ला ने गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम तय किया था। इसके अंतर्गत विद्यालय के सभी छात्र एवं छात्राओं को भारत माता का चित्र व एक-एक पत्रांक दिया गया। इस दौरान वक्ताओं ने बच्चों को देशभक्ति की भावना जागृत की।इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य सुप्रिया सचान सहित अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे।

भारत माता के चित्र के साथ मौजूद बच्चे। अमृत विचार

अधिवक्ता संघों ने की हड़ताल की घोषणा

संवाददाता, बिल्हौर

● उप-निबंधक दफ्तर के नए भवन निर्माण स्थल के चयन पर बैठक

अमृत विचार। कानपुर नगर की तहसील बिल्हौर से संबंधित समस्त संगठनों के अधिवक्ताओं ने उप-निबंधक कार्यालय के नए भवन निर्माण के स्थान के चयन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई।

उप-निबंधक कार्यालय के बाहर गुरुवार की शाम को बैठक में सर्वसम्मति से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस निर्णय के तहत, नए भवन स्थल के चयन के मुद्दे पर विरोध प्रकट करते हुए, शुक्रवार से सभी संबंधित संगठन एक संयुक्त आंदोलन प्रारंभ करेंगे। आंदोलन के अंतर्गत, सभी सदस्य अग्रिम आदेश तक कलम बंद हड़ताल पर रहेंगे, जिसमें समस्त अधिवक्तागण (वकील),दस्तावेज़ लेखक, टाईपिस्ट, सहायक, स्टाम्प वेंडर शामिल हैं।

अधिवक्ताओं की ओर से कलम बंद हड़ताल की घोषणा बिल्हौर बार एसोसिएशन, अध्यक्ष बृजेश कटियार और द लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव कुमार के द्वारा की गई है।

ई रिक्शा दुकानदार से लूट में मुकदमा दर्ज

शिवराजपुर। ई रिक्शा द्वारा दुकान का सामान लेकर घर जा रहे युवक से लुटेरों ने रात के समय ई-रिक्शा सहित सामान व नकदी लूट लिया था। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

थाना क्षेत्र के उत्तरीपुरा गांव निवासी रविकांत शुक्ला टोल प्लाजा के पास ई-रिक्शा में ही छोटी सी दुकान रखते हैं जिससे वह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं प्रतिदिन की तरह वह 8 दिसंबर दिन सोमवार को देर रात अपने ई रिक्शा से परचून का सामान लेकर घर जा रहे थे, तभी दरिया नेवादा गांव के पास अंधेरे का फायदा उठाते हुए चार अज्ञात नकाबपोश चोरों ने घेरकर मुझे जमकर मारा पीटा और ई-रिक्शा सहित व उसमें रखा दुकान का सारा सामान व जेब में रखे 1630 रुपये लेकर भाग गए। लूटने वाले सभी अपने मुंह को कपड़े से ढंके थे। इस मामले में थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि तहरीर के बाद जांच करके मामला दर्ज कर लिया गया है।

युवती ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का किया प्रयास

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के सजेती थाने में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवती कीटनाशक दवा पीकर और हाथ में शीशी लेकर कर थाने पहुंच गई। थाने पहुंच कर उसने पुलिस से कहा कि मेरे बाबू ने मुझे जहर पिला दिया। सजेती पुलिस ने युवती की हालत देकर तत्काल उसे सीएचसी घाटमपुर पहुंचाया। वहां पर युवती का उपचार चल रहा है। मामला लिव इन रिलेशनशिप का बताया जा रहा है।

सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुखापुर गांव निवासी जूली 19 वर्ष दोपहर 11:00 बजे कीटनाशक दवा की शीशी हाथ में लेकर थाने पहुंच गई। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। वह पुलिस से बोली कि मेरे बाबू ने मुझे जहर पिला दिया। यह नजारा देखकर सजेती पुलिस के हाथ पांव फूल गए और पुलिस तत्काल उसे सीएचसी घाटमपुर लेकर पहुंची। वहां पर मौजूद डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया गया। होश में आने पर जूली ने बताया कि सजेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी एक लड़के के साथ कुछ समय पूर्व वह लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी बाद में वह अपने घर और लड़का अपने घर चला गया। आज वह फिर से उस लड़के घर पहुंची थी। जानकारी के अनुसार लड़का नाबालिग है इसलिए उसके घर वाले इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे। उसके परिजनों द्वारा विरोध करने पर युवती जूली ने कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

युवक ने खाया जहर ,भर्ती

■ घाटमपुर थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर घाटमपुर निवासी रोचक पुत्र मटरु उम्र 21 वर्ष ने पारिवारिक कलह के चलते सल्फास खा लिया। जिसको परिजनों के द्वारा आनन फानन सीएचसी घाटमपुर ले जाया गया। जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर उसे कानपुर रेफर किया गया।

एसआईआर | **बैठक में राजनीतिक दलों ने भी बढ़चढ़ कर की भागीदारी**

पुनरीक्षण अभियान में डिजिटाइजेशन पर दिया जोर

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र संख्या-209 में निर्वाचक नामावलियों के सघन पुनरीक्षण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य डोर-टू-डोर सत्यापन के माध्यम से छूटे हुए समस्त मतदाताओं को सूची में शामिल करना और प्राप्त प्रपत्रों को डिजिटाइज्ड करना है। वर्तमान में चल रहे इस विशेष पुनरीक्षण कार्य की महत्ता, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 209-बिल्हौर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत 84 बूथों पर एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

लोगों के साथ बैठक करते तहसीलदार। अमृत विचार

बैठक में तहसीलदार अनुभव राजपूत ने शिवराजपुर ब्लॉक के एक बूथ पर बैठक आयोजित की जिसमें, तमाम विषय की चर्चा की गई और उपस्थित समस्त बीएलओ, समाज सेवी,जनप्रतिनिधि और संभ्रांत ग्रामवासियों से इस विशेष पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने का अनुरोध किया गया। विभिन्न बूथों पर किए गए उक्त कार्य की मॉनिटरिंग सुपरवाइजरों,एईआरओ,एआरओ और पर्यवेक्षकों द्वारा की गई। अंत में, उपस्थित राजनीतिक दलों ने प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्य को निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समयबद्ध तरीके से किए जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में बीएलओ द्वारा वितरित, एकत्रित और डिजिटाइज्ड किए गए गणना प्रपत्रों पर विस्तार से चर्चा की गई। बीएलओ को अप्राप्त गणना प्रपत्रों के संबंध में भी अवगत कराया गया। साथ ही बैठक में निर्वाचक की संख्या, स्थानान्तरित निर्वाचकों की संख्या, डुप्लीकेट निर्वाचक, अनुपस्थित निर्वाचक और उनकी सूची का तत्काल प्रपत्र द्वारा मिलान और डिजिटाइजेशन की त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

कल जन सुनवाई करेंगे रमेश चंद्र कुंडे

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे 13 दिसंबर को रसूलाबाद तहसील सभागार में जन सुनवाई करेंगे। वह दोपहर 11:15 बजे पहुंचेंगे और लोगों की समस्याएं सुनकर उनका निदान कराएंगे। इसके साथ केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवम अनुसूचित जनजाति के लिए चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा करेंगे। दोपहर 12 बजे नगर पंचायत कार्यालय रसूलाबाद का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद अपना दल एस के अल्पसंख्यक मंच के जिला अध्यक्ष मंजूर अली के आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं संग शिष्टाचार भेंट करेंगे।

छुट्टा पशु चारे-पानी के लिए परेशान

शिवली। मैथा ब्लाक में अन्ना पशुओं पर प्रतिबंध नही लग पा रहा है। अन्ना पशुओं से किसानों को फसल बचाने के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। अन्ना पशुओं से सड़क पर चलने वाले वाहनों को दुर्घटना का शिकार हो रहे है। शिवली कल्याणपुर, रसूलाबाद, रूरा, मैथा रनियां रोड पर अन्ना पशु घूमते दिखाई पड़ते है। शिवली, बैरी, मैथा आदि गांवों में बड़ी संख्या में अन्ना पशु घूम रहे है। साथ ही अन्ना पशुओं को भी चारे व पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। ब्लाक की नौ गौशाला में पर्याप्त अन्ना पशु रखे गए है। हालांकि वृहद गोशाला का अभी संचालन नहीं हो पा रहा है। बीडीओ संजू सिंह ने बताया कि अन्ना पशुओं पर लगाम लगाई जाएगी। इनको पकड़वाया भी जाएगा।

युवक के खिलाफ पुत्री को ले जाने का केस

रसूलाबाद। एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि गत 29 नवंबर को दिन में लगभग एक बजे उसकी 20 वर्षीय पुत्री को पड़ोसी युवक शाहरुख कहीं बहला फुसला कर भगा ले गया। काफी खोजबीन के बाद जब उसका पता नहीं चला तब वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आया। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। इसकी विवेचना कहिंजरी चौकी प्रभारी योगेंद्र कुमार शर्मा करेंगे।

बुरी नीयत से किशोरी को दबोचा

शिवली। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी कमलेश कुमार रात करीब एक बजे घर में घुस आया। सो रही 16 वर्षीय पुत्री को बुरी नीयत से दबोच लिया और उसे मुंह बंद करके छत के ऊपर ले गया। पुत्री ने छुड़ाने का प्रयास किया और शोर मचाया तो आरोपी पड़ोसी की छत से नीचे कूद कर भाग गया। शिवली थाना प्रभारी प्रवीण यादव ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

किसान महापंचायत के लिए किया संपर्क

कानपुर देहात। गुरुवार को भाकियू टिकैत गुट के जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह ने कई गांव का दौरा कर आगामी 17 दिसंबर को रनियां के चिरौरा गांव में प्रस्तावित महापंचायत को लेकर संपर्क किया। बताया गया कि महापंचायत में प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह, राष्ट्रीय महासचिव राजवीर जादौन, प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी रमेश सिंह यादव, कानपुर बुंदेलखंड जोनल अध्यक्ष बैजनाथ अवस्थी आदि रहेंगे।

ई-रिक्शा पलटने से 4 सवारियां घायल, लोगों ने चालक को धुना

संवाददाता, रसूलाबाद

- असालतगंज से बिरहुन जा रहा था रिक्शा

अमृत विचारः गुरुवार शाम असलतगंज से ई-रिक्शा द्वारा बिरहुन अपने गांव जा रहे चार लोग ई-रिक्शा पलट जाने के कारण घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को सीएचसी रसूलाबाद लाई। एक की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया। चालक की लापरवाही पर क्षेत्रीय ग्रामीणों ने उसकी पिटाई कर दी।

असालतगंज निवासी ई-रिक्शा चालक पप्पू पुत्र छोटे अली बिरहुन निवासी निधि 30 पत्नी विपिन कुमार, शालू 25 पुत्री मुलायम सिंह, शकुंतला 60 पत्नी मिहीलाल और शमीम 46 पुत्र मुस्ताक को उनके गांव बिरहुन ले जा रहा था। असालतगंज के निकट बालाजी अस्पताल के सामने ई-रिक्शा पलट गया।

रिक्शा पलटने से उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। इसकी सूचना पाकर पुलिस सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी रसूलाबाद लाई। यहां डॉक्टर बृजेश कुमार ने सभी का उपचार किया और शमीम की दशा गंभीर होने के चलते उसे जिला अस्पताल रेफर किया है। आसपास के ग्रामीणों ने चालक की लापरवाही पर उसकी पिटाई कर दी।

रंग लाया ग्रामीणों का मतदान बहिष्कार, सड़कों की मंजूरी

संवाददाता, रसूलाबाद

2.5 करोड़ से होगा दो मार्गों का निर्माण कार्य

- 2024 के लोस चुनाव में ग्रामीणों ने किया था मतदान का बहिष्कार

अमृत विचारः लोकसभा चुनाव के समय में रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र के दो गांवों की दुर्दशाग्रस्त पड़ी सड़कों के चलते क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा चुनाव का बहिष्कार किया गया था। तब क्षेत्रीय भाजपा विधायक द्वारा ग्रामीणों को सड़क बनवाने का आश्वासन दिया गया था। अब दोनों ही सड़कों का मरम्मतीकरण कार्य शासन द्वारा स्वीकृत हो गया है। इन सड़कों के मरम्मतीकरण में दो करोड़ 56 लाख रुपये लगभग खर्च होगा। शासन द्वारा दोनों ही मार्गों का मरम्मतीकरण स्वीकृत हो जाने से ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त कर विधायक का आभार जताया है।

बताते चलें कि रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र में भग्गा निवादा से भीटी कुर्सी होते हुए इंद्रमणि निवादा का मार्ग लगभग दो दशक पूर्व क्षेत्रीय सांसद श्याम बिहारी मिश्रा के प्रयास से ऊसर सुधार द्वारा बनवाया गया था। कालांतर में उक्त विभाग समाप्त हो जाने के कारण फिर उस सड़क का कोई मरम्मतीकरण कार्य ही नहीं हुआ जिससे सड़क का अस्तित्व लगभग कच्चे मार्ग में बदल गया। कानपुर देहात और नगर को जोड़ने वाले इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों किसान, श्रमिक युवक नगर आते जाते थे। कई बार क्षेत्रीय

भग्गा निवादा भीटी कुर्सी मार्ग की वर्तमान स्थिति।

जनप्रतिनिधियों ने चुनाव लड़ते समय इसको बनवाए जाने का वादा किया किंतु किसी ने पूरा नहीं किया। इससे गुस्साए मतदाताओं ने 2024 के लोकसभा के चुनावों में मतदान बहिष्कार कर दिया। इसकी सूचना पाकर क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार अधिकारियों सहित मौके पर पहुंची और उन्होंने जल से भरा पात्र लेकर ग्रामीणों को उक्त मार्ग बनवाने का पक्का आश्वासन दिया। इस पर मतदान शुरू हुआ।

कमोवेश यही स्थिति रसूलाबाद बेला मार्ग से जुड़े डूड़ा महुआ संपर्क मार्ग की भी थी। जिसे लगभग 20-25 वर्ष पूर्व तत्कालीन राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने लगभग ढाई किलोमीटर लंबे मार्ग को ऊसर सुधार विभाग द्वारा बनवाया था। यह मार्ग भी मरम्मतीकरण के अभाव में कच्चे मार्ग जैसा हो गया था। इस मार्ग को भी बनवाए जाने का आश्वासन क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार ने दिया था। यह दोनों मार्ग शासन द्वारा मरम्मतीकरण के लिए स्वीकृत हो गए हैं।

इसमें भग्गा निवादा भीटी कुर्सी होते हुए इंद्रमणि निवादा के 3.870 किलोमीटर मार्ग का एक करोड़ 33 लाख 56 हजार रुपये से एवं रसूलाबाद बेला मार्ग से डूड़ा महुआ के 2.200 किलोमीटर लंबे मार्ग का एक करोड़ 23 लाख 32 हजार रुपये से पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके लिए क्षेत्रीय भाजपा विधायक ने प्रदेश सरकार के संयुक्त सचिव राजेश प्रताप सिंह कार्यालय द्वारा जारी विवरण दिया है।

खेत जुताई के दौरान रोटावेटर में फंसा युवक, थम गईं सांसें

परिजनों ने चालक पर लापरवाही का आरोप लगाकर काटा हंगामा, चालक फरार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः जनपद के रूरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को युवक के साथ हादसा हुआ। गांव सलेमपुर में सुबह खेत पर गेहूं के लिए जुताई कराने गए युवक की रोटावेटर में फंस जाने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। युवक को रोटावेटर से काटा हुआ देख ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर वहां से भाग गया। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ कर जानकारी ली। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

ग्राम काशीपुर के मजरा सलेमपुर का रहने वाला 28 वर्षीय राम गोपाल सुबह गांव के ही शैलेंद्र सिंह के ट्रैक्टर से अपने खेत में गेहूं की बुआई कराने के लिए गया था। वह ट्रैक्टर पर बैठ कर रोटावेटर से खेत की जुताई करा रहा था। इसी बीच

हादसे के बाद मौके पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

खेत की मेड़ का झटका लगने से वह नीचे गिर गया, जिससे वह रोटावेटर की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत के बाद क्षेत्र में सनसनी मच गई। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर को वहीं पर छोड़कर चालक भाग निकला। परिजनों ने ट्रैक्टर चालक पर लापरवाही से हादसा होने का आरोप लगा हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पर पहुंची रूरा पुलिस ने जांच पड़ताल की। उपनिरीक्षक राम वीर सिंह ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। इसके साथ ही रोटावेटर में फंसे शव को निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अकबरपुर क्षेत्राधिकारी संजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जुताई के दौरान रोटावेटर में फंसने से युवक के साथ हादसा हुआ है। चालक की तलाश की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने व परिजनों की तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट

रसूलाबाद। 1 दिसंबर को दिन में लगभग 1:30 बजे कहिंजरी बनीपारा रूरा मार्ग पर एक ट्रैक्टर द्वारा बाइक में टक्कर मार दिए जाने के मामले में अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध घायल हुए बाइक सवर के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम मढ़ी बझेड़ी थाना सकरावा जनपद कन्नौज हाल मुकाम मकान नंबर 486 गली नंबर 13 प्रगति विहार खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद निवासी सुधाकर सिंह ने पुलिस को बताया कि गत 1 दिसंबर को उसका पुत्र मोहित कुमार, अपनी पत्नी अर्चना देवी, पुत्री सृष्टि एवं ललिता देवी पत्नी नीलेश कुमार के साथ लालपुर से नैला कटरा जा रहा था। रूरा बनीपारा कहिंजरी मार्ग पर कपराहट के समीप अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी इससे सभी लोग गिरकर घायल हो गए। उपचार के बाद वह इसकी रिपोर्ट दर्ज करने आया। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध दर्ज कर ली गई है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

माती पहुंचीं महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने और आवेदन करने की सुगमता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को विशेष महिला जनसुनवाई कार्यक्रम होगा। जनसुनवाई विकास भवन में होगी। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य डॉ अर्चना मजूमदार करेंगी।

जनसुनवाई कार्यक्रम में जनपद की कोई भी पीड़ित महिला व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर सदस्य के समक्ष अपना प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकती है। डीएम कपिल सिंह द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे महिलाओं की शिकायतों के प्रभावी निस्तारण हेतु आवश्यक अभिलेखों एवं सूचनाओं के साथ उपस्थित रहें। कल होने वाली महिला मामलों की सुनवाई के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य गुरूवार को यहां पहुंच गई हैं। वह सर्किट हाउस में ठहरी हुई हैं। सर्किट हाउस सभागार में जिलाधिकारी कपिल सिंह व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके सिंह ने उनका स्वागत किया। अधिकारियों के साथ अर्चना मजूमदार ने महिला सुरक्षा, उत्पीड़न निवारण, त्वरित न्याय प्रणाली, जनपद में संचालित संबंधित योजनाओं एवं महिलाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद प्रशासन महिला सुरक्षा व सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और यह जनसुनवाई पीड़ित महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उन्होंने अधिक से अधिक जरुरतमंद महिलाओं से कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की।

सर्किट हाउस पहुंचीं महिला आयोग की सदस्य। अमृत विचार

एसआईआर में बीएलओ का सहयोग करें भाजपा कार्यकर्ता

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः विधानसभा बिठूर से भाजपा विधायक अभिजीत सिंह सांगा गुरुवार को शिवली नगरपंचायत पहुंचे। यहां पर कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। विधायक ने लोगों की समस्याओं को सुना और कहा कि सभी लोग एसआईआर में अपने अपने बूथ पर बीएलओ का सहयोग करें।

विधायक ने भाजपा के नीतियों को समझाया इस मौके भाजपा के कार्यकर्ता और वरिष्ठ जन मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो सभी को साथ लेकर चलती है। हर छोटे छोटे कार्यकर्ता की समस्याओं को सुनती है। कहा कि सरकार ने गांव से लेकर शहर तक आधारभूत सुविधाओं को

शिवली में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते विधायक अभिजीत सिंह सांगा।

मजबूत किया है। सड़क, आवास, शौचालय, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए कार्यों का सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है। सरकार की नीतियां गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं। नगर पंचायत शिवली में गुरुवार की बिठूर से भाजपा विधायक अभिजीत सिंह पहुंचे उनके साथ चौबेपुर से ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला भी मौजूद थे। समाजसेवी वतनराज अग्निहोत्री ने माला पहनाकर विधायक का स्वागत किया। इस मौके पर राकेश अग्निहोत्री, विमलेश अग्निहोत्री, मनीष सैनी, विशाल तिवारी, रमाकांत अग्निहोत्री, राजू शुक्ला, राजेश अवस्थी, आशीष तिवारी, जगत बाजपेई आदि रहे।

मंसुरा गांव में 19 को प्रारंभ होगा धार्मिक कार्यक्रम

कानपुर देहात। सदर तहसील क्षेत्र के गांव मंसुरा में 19 दिसंबर से भक्ति रस की धार बहेगी। जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेन्द्र पाल शर्मा के यहां बड़ा धार्मिक आयोजन होगा। देश के प्रसिद्ध कथा वाचक संतोष भाई के प्रवचन होंगे।

कार्यक्रमों की शुरुआत 19 दिसंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। ग्राम मंसुरा से बाबा सागर सरोवर तक होने वाली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। 20 दिसंबर से कथा प्रारंभ होगी। पहले दिन ध्रुव चरित्र की कथा का वृतांत सुनाया जाएगा। इसके बाद गोवर्धन पूजा और कृष्ण सुदामा चरित्र से जुड़ी कथा होगी। 26 को हवन और पूर्णाहुति का कार्यक्रम होगा। इसके बाद प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जानकारी आयोजक सुरेन्द्र पाल शर्मा ने दी।

सौ मीटर दौड़ः महिला वर्ग में लक्ष्मी और पुरुषों में कौशलेंद्र रहे अव्वल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः गुरुवार को ग्रामीण मिनी स्टेडियम, मंगोलपुर सरवनखेड़ा में 77वां पीआरडी स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसका आयोजन प्रांतीय रक्षक दल एवं युवा कल्याण विभाग, जनपद कानपुर देहात द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में राजेश कुमार, जिला कमांडेंट होमगार्ड ने परेड का निरीक्षण किया। कार्यक्रम में होमगार्ड के विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में पीआरडी स्वयंसेवकों ने आकर्षक एवं अनुशासित परेड प्रस्तुत की, जिसमें अकबरपुर विकास खण्ड के रामकेश की टोली ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जिला कमांडेंट होमगार्ड ने परेड की सराहना करते हुए स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा और समर्पण की भावना को निरंतर बनाए रखने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्वक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़ (महिला वर्ग) में लक्ष्मी (राजपुर विकास खंड) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जब कि 100 मीटर दौड़ (पुरुष वर्ग) में कौशलेंद्र (सरवनखेड़ा विकास खंड) प्रथम रहे। जिला युवा कल्याण अधिकारी के उद्बोधन ने प्रतिभागियों में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने पीआरडी स्वयंसेवकों की भूमिका को समाज की सुरक्षा, अनुशासन और शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता प्रारंभ होने से पहले परेड को तैयार पीआरडी जवान। अमृत विचार

लोक अदालत को लेकर निकाली रैली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः शनिवार को जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसके प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु गुरुवार को वाहन रैली निकाली गई। जिला जज ने माती कचहरी से हरी झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर लोक अदालत का आयोजन हो रहा। इसके सफल आयोजन तथा अधिक से अधिक लोगों को इसके लाभों से अवगत कराने के उद्देश्य से आज जनपद कानपुर देहात न्यायालय परिसर से जागरूकता वाहन रैली निकाली गई। जिला जज रवींद्र सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला जज ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण किया जाएगा।

वाहन रैली को रवाना करते जनपद न्यायाधीश रवींद्र सिंह। अमृत विचार

दीवानी, आपराधिक चालान, बैंक रिकवरी, बिजली बिल, पानी बिल, पारिवारिक मामले, मोटर दुर्घटना दावा वाद आदि समझौता योग्य वादों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण किया जाता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में निस्तारण होने पर निर्णय दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होता है तथा न्यायालय शुल्क में भी छूट दी जाती है। उन्होंने बताया कि जागरूकता वाहन रैली का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को राष्ट्रीय लोक अदालत की तिथि, प्रक्रियाओं तथा इसके लाभों की जानकारी उपलब्ध कराना है। इस दौरान न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और जनसामान्य से अपील की कि वह 13 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लेकर अपने लंबित मामलों का समाधान प्राथमिकता से कराएं। इस मौके पर अपर जिला जज व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हिमांशु कुमार सिंह, नोडल अधिकारी रजत सिंह, शैलेंद्र कुमार निगम आदि रहे।

जागरूकता | दिसंबर 2026 तक जनपद को बालश्रम से मुक्त कराने की मुहिम

शिक्षा से वंचित रह जाता कारखानों में श्रम करता बचपन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः सरकार द्वारा दिसंबर 2027 तक प्रदेश को बालश्रम से मुक्त करने का संकल्प लिया गया है। इसी कड़ी में प्रमुख सचिव, श्रम द्वारा प्रथम चरण में प्रदेश के आठ आकांक्षीय जनपदों के साथ कानपुर मंडल व देवीपाटन मंडल के सभी जनपदों को दिसंबर 2026 तक बालश्रम से मुक्त कराने की तैयारी है। इसके संबन्ध में बाल एवं किशोर श्रमिकों के चिह्नाकन, अवमुक्तीकरण एवं पुनर्वासन हेतु 15 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी परिप्रेक्ष्य में डीएम कपिल सिंह द्वारा जिला टास्क फोर्स का गठन करते हुए बालश्रम रोकने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को इसी क्रम में राम अशीष,

मिल्क डेयरी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि। अमृत विचार

सहायक श्रमायुक्त कानपुर देहात के सेवायोजक एसोसिएशन एवं कारखाना प्रबंधन के प्रतिनिधियों के मध्य बालश्रम उन्मूलन-समस्या एवं समाधान विषय, पर एक संगोष्ठी का आयोजन एक मिल्क डेयरी में किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हिमांशु सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजीव शर्मा, राष्ट्रीय महासचिव, आईआईए, सचिन गर्ग सचिव आईआईए, संजय गुप्ता आदि सहित विभिन्न कारखानों व प्रतिष्ठानों के सेवा योजक उपस्थित रहे।

सहायक श्रमायुक्त ने बाल श्रम विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित लोगों से बालश्रम को रोकने की दिशा में अपना योगदान देने की अपील की गई।

सहायक श्रमायुक्त, कानपुर देहात द्वारा बाल श्रम के दुष्प्रभाव के विषय में बताया गया कि बाल श्रम करने वाले श्रमिक शिक्षा से वंचित होते ही है, साथ ही बाल श्रमिक अपनी बाल अवस्था से सीधे प्रौढ़ावस्था पहुंच जाता है, जिससे राष्ट्र को युवाशक्ति नहीं मिल पाती है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए हिमांशु सिंह, अपर जिला जज द्वारा बालश्रम के विधिक पक्ष पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यह भी अपील की गई कि बालश्रम सिर्फ कानून का पालन कराकर ही नहीं रोका जा सकता बल्कि बालश्रम की रोकथाम के लिए समाज के सभी वर्गों में जागरूकता की आवश्यकता है।

सुविचार

एक जीवन एक सेकंड के दसवें हिस्से में बदल सकता है या कभी-कभी इसमें 70 साल लग सकते हैं।

-चार्ल्स बुकोवस्की

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- बेकाबू वाहनों की टक्कर से 4 लोगों की गई जान-II
- कपड़ा कमेटी के चुनाव में उधारी बड़ा मुद्दा-III
- जयमाला पहना एक दूजे के हुए 551 जोड़े-IV

कानपुर, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

आज का मौसम

रात दिन के तापमान में उतार चढ़ाव रहने के साथ रात ,सुबह शाम कड़ाके की ठंड जारी रहेगी ।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
24.0⁰	6.0⁰

सूर्योदय 06 : 47 | सूर्यास्त 05 : 18

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **जयंती :** सपा के प्रथम नगर अध्यक्ष श्याम लाल गुप्ता की जयंती, ग्रामीण कार्यालय नवीन मार्केट, दोपहर 2 .30 बजे।
- **उत्सव :** लड्डू बाज़ार उत्सव कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में प्रात : 10 बजे से आयोजित होगा।
- **महोत्सव :** श्री राणी सती दादी परिवार द्वारा 26वाँ मंगल महोत्सव, वृंदावन लान, माल रोड दोपहर 12 बजे।

सिटी ब्रीफ

अब 12 दिसंबर को लड्डू बाजार उत्सव

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ग्राउंड पर प्रस्तावित लड्डू बाजार उत्सव गुरुवार को होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। इसके संबंध में अपर जिला मजिस्ट्रेट सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम अब 12 दिसंबर को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पार्क में सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। उन्होंने जन सामान्य से इस उत्सव में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने का अनुरोध किया है।

ऑफिस नहीं पहुंचे डॉ.यूबी सिंह

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ .हरिदत्त ने आठ दिसंबर को आदेशानुसार एनयूएचएम के नोडल अधिकारी डॉ. यूबी सिंह को पद से मुक्त कर लेवल थ्री के अफसर कैलाश चंद्र को चार्ज दे दिया था, इसके बाद डॉ. यूबी सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी पर अपने व्यक्तिगत लाभ पूरे न होने पर पद से हटाने का जिक्र कर दिया। इस मामले के बाद सीएमओ गुरुवार को कार्यालय तो आए लेकिन डॉ .यूबी सिंह गुरुवार को खबर लिखे जाने तक कार्यालय नहीं पहुंचे थे और न ही उन्होंने कॉल रिसीव की।

ड्रेनेज सिस्टम सुधारने को सर्वे शुरू

नगर निगम के मुख्य अभियंता के साथ कंसलटेंट टीम ने सीसामऊ नाले और ग्वालटोली क्षेत्र का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अर्बन फ्लडिंग (शहरी बाढ़) को रोकने के लिए नगर निगम व चयनित कंसलटेंट टीम ने तकनीकि सर्वे शुरू कर दिया है। गुरुवार को टीम ने शहर के प्रमुख नाले सीसामऊ के साथ ही ग्वालटोली क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थिति को परखा। मुख्य अभियंता एसएफए जैदी के साथ पहुंची टीम ने क्षेत्र में बरसात के समय होने वाले जलभराव और सीसामऊ नाले में ओवर फ्लडिंग के कारणों का आकलन किया। इस दौरान फोटोग्राफी भी की गई। इसी तरह टीम शहर में अलग-अलग स्थानों पर चयनित हॉटस्पॉट की रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसके आधार पर ही मास्टर प्लान तैयार हो सकेगा।

शहरी बाढ़ (अर्बन फ्लड) नियंत्रण को लेकर नगर निगम ने नेशनल रिमोट सेंसिग सेंटर (इसरो) की मदद से मैपिंग शुरू की है। इसमें छोटे-बड़े नालों के डाटा को एकत्र किया जा रहा है। नगर निगम ने मैपिंग के जरिये 27 जलभराव क्षेत्र (कैचमेंट एरिया) भी चयनित किये हैं। नगर निगम के अधिकारी व चयनित कंसलटेंट केडीए की महायोजना का भी परीक्षण कर रहें है, ताकि भविष्य को ध्यान में रखकर ही कार्ययोजना तैयार किया जाए।

सीसामऊ नाले के पास तकनीकी सर्वे करते नगर निगम के अभियंता और कंसलटेंट टीम के सदस्य। अमृत विचार

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सामने पेश होगी सर्वे रिपोर्ट
- शहर के सभी हॉट स्पॉट की रिपोर्ट तैयार कर बनेगा मास्टर प्लान

27 जलभराव क्षेत्र चयनित किए गए शहरी क्षेत्र में

10 करोड़ रुपये सर्वे में खर्च कर बनेगा मास्टर प्लान

सीवेज और वर्षा जल की अलग होगी पाइप लाइन

मुख्य अभियंता ने बताया कि मास्टर ड्रेनेज प्लान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल और सीवेज के पानी को अलग-अलग करना है। इसके लिये पाइप लाइन डाली जाएगी। वर्षा जल को संचयन करना और शहर के भीतर जलभराव को रोकना भी उद्देश्य है। कानपुर के आसपास वाले क्षेत्रों को भी देखा जा रहा है, जहां से भारी मात्रा में शहर के अंदर फ्लड का पानी प्रवेश करता है। जलभराव के सभी कारणों और उसके निस्तारण को ध्यान में रखकर ही मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

हाई फ्लड लेवल की डिजाइन होगी तैयार

मुख्य अभियंता ने बताया कि हाई फ्लड लेवल (एचएफएल) को लेकर डिजाइन तैयार करेंगे। ड्रोन एरियल भूमि सर्वेक्षण (डीजीपीएस) सर्वे करेंगे। टोटल स्टेशन सर्वे से लेबल देखेंगे। उन्होंने बताया कि यह आधुनिक सर्वेक्षण उपकरण है जो इलेक्ट्रॉनिक थियोडोलाइट को इलेक्ट्रॉनिक दूरी मीटर के साथ एकीकृत करता है। इसके साथ ही लेदर क्लस्टर, आवासीय, व्यवसायिक का नेचर देखेंगे। पेयबेल रिचार्ज काउंट बनाना है। रन ऑफ एफिशिएंसी भी देखेंगे।

मकड़ीखेड़ा में बनेगा पक्का नाला

- मकड़ीखेड़ा में 7 किलो मीटर में पक्के सीवर व बरसाती नाले का निर्माण जल्द शुरू होगा। इससे नई बस्ती, एनआरआई सिटी, गंगापुर, पहलवानपुरवा समेत कई क्षेत्रों में बरसात में होने वाले भीषण जलभराव से निजात मिल जाएगी। अब इसी तरह पूरे शहर में फ्लड का डाटा कलेक्ट कर मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

फ्लडिंग शहर के लिए बड़ी चुनौती है। शहर में ऐसे हॉट स्पॉट चिह्नित किए गए हैं, जहां तकनीकी समस्याओं की वजह से जलभराव की समस्या होती है। इसका तकनीकी अध्ययन कर रहे हैं। जलभराव से निपटने के लिए मास्टर प्लान तैयार हो रहा है। मास्टर प्लान तैयार करने में कुछ कंसलटेंट, विभागीय इंजीनियर लगाए गए हैं। इस पूरे प्रोजेक्ट को नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

– अर्पित उपाध्याय, नगर आयुक्त

मास्टर प्लान के लिए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से 30 वर्ष का रेन फॉल डाटा और पिछले 5 वर्ष में बारिश की इनटेनसिटी का डाटा भी मांगा गया है। मास्टर प्लान बनाने में सर्वे के लिए करीब 10 करोड़ खर्च होंगे। यूपी को फ्लड से बचाने के लिए सरकार ने हाल में ही यूपी के बजट में 1 हजार करोड़ का प्रावधान किया है। इसके तहत ही शासन की ओर से शहरों को बाढ़ से बचाने के लिए मास्टर ड्रेनेज प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इसी के तहत कानपुर नगर निगम ने ने तकनीकि सर्वे शुरू किया है। नगर निगम मुख्य अभियंता एसएएफ जैदी ने बताया कि अभी शहर में नालों, नालियों की लेबलिंग न होने की वजह से जो कार्य होता है, उसका फायदा शहर वासियों को नहीं मिल पाता है। अब एक लेबलिंग में ही निर्माण होगा, ताकि कहीं भी जलभराव की स्थिति न बन पाए। मेन नाला व कैचमेंट एरिया में लेबलिंग करना पड़ेगा।

शताब्दी नगर में खाली पड़े केडीए के टू बीएचके फ्लैट। अमृत विचार

25 फीसदी जमा करें केडीए का फ्लैट पाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केडीए बोर्ड बैठक 18 को, प्रस्तावों पर चर्चा के लिए हुआ मंथन

अमृत विचार। केडीए खाली पड़े 6.5 हजार फ्लेट को बेंचने की तैयारी में है। अब ईडब्लूएस, 2 व 3 बीएचके फ्लैट 25 फीसदी धनराशि जमा करके ही लोग कब्जा ले सकेंगे। 18 दिसंबर को होने वाली केडीए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। केडीए इसके साथ ही पहली बार नीलामी में मिले भूखंड विवादित होने पर वैकल्पिक भूखंड देने की तैयारी की जा रही है। अभी तक ऐसी स्थिति में विभाग आवंटी को पैसा वापस कर देता था। गुरुवार को बोर्ड बैठक को लेकर केडीए में अधिकारियों ने चर्चा की।

केडीए ने अपने फ्लैट की बिक्री के लिए 31 मार्च 2025 तक योजना लाई थी जिसमें ईडब्ल्यूएस के फ्लैट लेने पर उनकी कीमत का 25 फीसद और अन्य इससे बड़े फ्लैट लेने के लिए कीमत का 50 फीसदी रकम जमा करने पर कब्जा मिल जाता था। बाकी रकम किस्त के रूप में आवंटी दे सकता था। इस चालू वित्तीय वर्ष में योजना नहीं आने के कारण फ्लैट की बिक्री पर असर पड़ा, लोगों ने बड़ी संख्या में फ्लैट लिए, लेकिन योजना का लाभ न मिलने पर सरेंडर करने की पेशकश कर दी। इस समस्या की वजह से एक बार फिर से केडीए बोर्ड बैठक में फ्लैट की बिक्री के लिए नई योजना ला रहा है। इस बार सभी तरह के फ्लैटों में कीमत का 25 फीसदी जमा करने पर ही कब्जा देने की तैयारी है। आवंटी बाकी रकम किस्तों में जमा कर सकता है। दूसरी ओर अभी लाटरी से आवंटित भूखंडों में विवाद होने पर वैकल्पिक भूखंड देने की व्यवस्था है। ई-नीलामी के भूखंड विवादित होने पर रकम वापसी होती है। अब वैकल्पिक भूखंड देने की तैयारी है।

दलाल, माफिया पर कसेगा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार का तबादला होने के बाद दलाल, माफिया और सट्टेबाज व अपराधी फिर अपने ढर्रे पर आने लगे हैं। इस पर नए पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने फिर शिकंजा कसने की तैयारी की है। जिसके तहत गुरुवार को उन्होंने एक व्हाट्सएप नंबर जारी किया है। व्हाट्सएप नंबर पर आने वाली शिकायतों की जांच के अलग से एक सेल बनाई है।

पुलिस कमिश्नर ने शहरवासियों से अपील की है कि अगर उन्हें परेशान किया जा रहा है तो वह 7839863274 पर व्हाट्सएप कर अपनी शिकायत बता सकते हैं। शिकायतों के लिए अलग से बनाई गई सेल उन्हें राहत देने में जुट जाएगी। जांच के बाद कार्रवाई और शिकायतकर्ता को कुछ घंटों में ही राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि अगर थाना व चौकी स्तर उनकी सुनवाई नहीं होती है तो ऑफिस टाइम में उनके कार्यालय आकर अपनी समस्या बता सकते हैं। तत्काल कार्रवाई के आदेश जारी होंगे।

पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल।

- पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने शिकायत के लिए जारी किया व्हाट्सएप नंबर 7839863274 नंबर पर सूचना दें, जांच के लिए बनी सेल करेगी कार्रवाई

किसी भी तरह का अपराध करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके खिलाफ साक्ष्य एकत्र कर कार्रवाई की जाएगी। लोग फर्जी और द्वेष भावना से शिकायत न करें।

-रघुबीर लाल, पुलिस कमिश्नर

इन मामलों में करें शिकायत

- थानों में पुलिस की दलाली करने वाले, आपराधिक गतिविधि और संलिप्तता, फेक यू-टूबर्स जो ब्लैकमेलिंग व दलाली करते हैं। गलत प्रवृत्ति के पुलिस कर्मियों के संबंध में भी सूचना दे सकते हैं। समाज में चल रहीं अवैध गतिविधियां नकली दवाएं, खाद्य पदार्थ, अवैध शराब व अन्य नशे की बिक्री, चोरी व लूट का समान खरीदने और बेचने वाले। जुआं व सट्टेबाजी का रैकेट चलाने वाले, किसी संदिग्ध व्यक्ति के मोहल्ले में आकर बसने और अवैध असलहा बनाने व रखने-बेचने, शोहदे, अवैध खनन से संबंधित गोपनीय जानकारी दे सकते हैं।

पुलिस कमिश्नर ने लोगों से यह भी अपील की है कि सुरक्षित, पारदर्शी और व्यवस्थित समाज के लिए अवैध, आपराधिक गतिविधि, भ्रष्टाचार की भी जानकारी मिले तो तत्काल व्हाट्सएप पर साझा करें। अपनी शिकायत पुलिस तक पहुंचाए। विश्वसनीय तथ्यों के आधार पर सूचना दें, पहचान गोपनीय रहेगी। गलत सूचना देने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा रहा कानपुर

कानपुर। पूरे प्रदेश में कानपुर में सबसे अधिक ठंडा रहा। शहर का न्यूनतम पारा 6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया। कानपुर के बाद बरेली व इटावा का तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह अयोध्या का न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस व शाहजहांपुर का तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों ने रविवार तक शहर में सर्द हवाएं बढ़ने की आशंका जताई है।

कानपुर में मौसम ने करवट लेते हुए ठंड ने गलन का एहसास कराया। एक दिन में न्यूनतम तापमान में 2.7 डिग्री की कमी दर्ज की गई है। सीएसए की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 3.7 डिग्री कम है। देर शाम चली तेज हवाओं ने लोगों को गलन का एहसास कराया। शहर में दिन में निकली तेज धूप ने मौसम को गर्म रखा। अधिकतम तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 0.1 डिग्री कम रहा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि ठंड जारी रहेगी।

यूपीपीसीएल स्मार्ट एप से मिलेगी स्मार्ट उपभोक्ता की पूरी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में स्मार्ट मीटर धारक उपभोक्ता एक क्लिक में ही बिजली खपत की रियल-टाइम जानकारी, स्वचालित बिलिंग व प्री-पेड रिचार्ज की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही शिकायत दर्ज करने के लिए बार-बार सबस्टेशन व मुख्यालय जाने की जरूरत भी नहीं होगी, एप पर ही शिकायत दर्ज करा सकते है। वहीं, ऊर्जा बचत के लिए सुझाव भी एप के माध्यम से लिया जा सकता है। इसके लिए उपभोक्ता मोबाइल पर यूपीपीसीएल स्मार्ट एप डाउनलोड कर सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी के अंतर्गत वर्तमान में साढ़े सात लाख उपभोक्ता है, जिनमे से 2.27 लाख उपभोक्ता स्मार्ट मीटर धारक है। स्मार्ट मीटर धारकों को भविष्य में बिजली संबंधित समस्या का सामना न करना पड़े, इसलिए उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने यूपीपीसीएल स्मार्ट एप की सुविधा शुरू की है, जिसके तहत उपभोक्ताओं को बिजली बिल देखने, खुद जनरेट करने व भुगतान करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

यह ऐप उपभोक्ताओं को बिजली खाते का प्रबंधन करने, बिजली कटने की सूचना पाने और भाषा चुनने की सुविधा उपभोक्ताओं को देता है, जिससे बिजली प्रबंधन आसान होगा। केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन के मुताबिक एप के माध्यम से उपभोक्ता दैनिक, साप्ताहिक और मासिक आधार पर अपनी बिजली खपत देख सकते हैं, यह जानकारी कर सकते हैं कि कहां और कितनी बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं।

मीटर रीडिंग अपने आप सर्वर पर जाएगी, जिससे सटीक बिल बनता है। ऐप से ही बिल का भुगतान किया जा सकता है या प्रीपेड बैलेंस रिचार्ज कर सकते हैं। वहीं, मोबाइल की तरह बिजली का रिचार्ज कर उपयोग भी कर सकते हैं। एक ही ऐप में कई बिजली कनेक्शनों का प्रबंधन भी कर सकते हैं।

गलत बिलिंग से मिलेगा छूटकारा

- केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक यह गलत बिलिंग और मीटर रीडिंग की समस्याओं को खत्म करने का काम करेगा। क्योंकि एप पर सब कुछ ऑनलाइन और सटीक है। ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं और एआई चैटबॉट या लाइव एजेंट से 24 घंटे सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ऐप से पैसे बचाने और कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए व्यक्तिगत सुझाव भी मिलेंगे। बिजली कटने या अन्य महत्वपूर्ण अपडेट के लिए पुश नोटिफिकेशन, ईमेल और एसएमएस अलर्ट भी मिलेंगे। ऐप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे सभी उपभोक्ता इसे आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। बताया कि गूगल प्ले से एप डाउनलोड करें, खोलें, रजिस्टर्ड मोबाइल व ईमेल दर्ज करें। ओटीपी से साइन अप करें और पासवर्ड बनाकर लॉगिन करें।

अनदेखी | बॉयोरेमिडिएशन के लिए चयनित कंपनी ने एक महीने बाद भी नहीं शुरू किया काम

माघ मेला करीब, मगर गंगा नदी में बह रहा नालों का दूषित पानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। माघ मेले की शुरुआत 3 जनवरी से हो रही है। लेकिन, अभी भी गंगा नदी में नालों का दूषित पानी बह रहा है। गंगा में मिल रहे 6 अनटेप नालों के पानी को बायोरेमिडिएशन (जैविक शोधन) के बाद छोड़ने के सख्त निर्देश हैं, इसको लेकर नगर निगम ने कंपनी ऑर्गेनिक साइंटिफिक प्राइवेट लि. का चयन एक माह पहले ही कर लिया था, लेकिन कंपनी ने अभी तक नालों के मुंहाने पर बायोरेमिडिएशन का कार्य (डोजिंग प्लास्टिक टैंक और माइक्रोबियल कल्चर) की शुरुआत नहीं की है। यही वजह है कि रोज लाखों लीटर सीवेज सीधे गंगा नदी को दूषित कर रहा है

कानपुर नगर में गंगा नदी में 6 सीवेज नाले डब्का, सत्तीचौरा, गोलाघाट, रानीघाट, परमिया और भगवतदास गुप्तारघाट अपटेप हैं। इन्हें पूरी तरह से टेप करने के लिए जलनिगम टेंडर प्रक्रिया कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार इस कार्य में करीब 2 वर्ष लग सकते हैं। इसी के चलते नाले में फिलहाल जैविक शोधन (बायोरेमिडिएशन) का किया जाना है।

भगवतदास और गोलाघाट के पास गंगा में गिर रहे नालों को देखा तो यहां काला मटमैला पानी गंगा नदी में जाता मिला। नालों के पास जैविक शोधन के लिये स्थापित किए जाने वाले यत्र ही गायब हैं। घाट के किनारे रहने वाले कुछ लोगों ने बताया कि नाले का पानी सीधा गंगा नदी में जा रहा है। डब्का नाले का भी बुरा हाल है। यह नाला टेनरी क्षेत्र से होकर गुजरता हुआ आता है। जिसमें चोरी छिपे चमड़ा शोधन का

गंगा में पहुंच रहा दूषित पानी। अमृत विचार

इन नालों को अभी तक टैप्ड नहीं किया गया। अमृत विचार

- नगर आयुक्त ने बॉयोरेमिडिएशन करने के दिए सख्त निर्देश
- प्रोजेक्ट अधिकारी बोले, एक हफ्ते में दुरुस्त होंगी व्यवस्थाएं

जानिए क्या है बॉयोरेमेडिएशन

- बायोरेमेडिएशन टेक्नोलॉजी में जैविक विधि से नाले के पानी को साफ किया जाता है। इस टेक्नोलॉजी में कुछ ऐसे घास और पौधे होते हैं, जिनकी जड़ों में बैक्टीरिया पैदा होते हैं। बायोरेमेडिएशन टेक्नोलॉजी में केना घास समेत अन्य घास को नालों में लगाया जाता है। इसमें पनपने वाले बैक्टीरिया नालों में बहने वाली गंदगी को खाते हैं, साथ ही सफाई में काफी सहायक हैं। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) में भी इस विधि का इस्तमाल किया जाता है।

बॉयोरेमिडिएशन के लिए कंपनी को निर्देश दिए गए हैं। जहां जैविक शोधन नहीं हो रहा है, उसकी जांच कराई जा रही है।

– मीनाक्षी अग्रवाल, सहायक अभियंता

गंदा केमिकल युक्त पानी भी छोड़ा जा रहा है।

फर्म ने इस संवेदनशील नाले पर मात्र एक डोजिंग पॉइंट बनाया है। वह भी गंगा जी से मात्र कुछ मीटर की दूरी पर। इसके अतिरिक्त नाले से प्रवाहित पानी को मापने के लिए कोई भी यंत्र अब तक नहीं लगाया गया है। एक अन्य जरूरी उपाय जाली लगाने की जहमत भी अब तक इस कंपनी ने नहीं उठाई है। ऑर्गेनिक साइंटिफिक प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट अधिकारी हेमंत गुप्ता ने बताया कि सबसे पहले डोजिंग शुरू करने के लिए कहा गया था। एक सप्ताह के अंदर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएंगी।

लखनऊ से आई टीम ने जुटाए आंकड़े : डब्का नाले के स्थानीय लोगों ने बताया कि लखनऊ से कुछ लोग जांच करने आए थे। जिन्होंने अव्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त की और कार्यरत फर्म के लोगों को हड़काया था। सूत्रों ने बताया कि कंपनी अनजाने में नाले पर डोजिंग पॉइंट बनाने की बजाय एक अन्य स्थान पर डोजिंग कर रही थी जहां पर कभी कभार वाटर लाइन का पानी रिसाव से आ जाता है। कंपनी ने कई और नालों की स्थिति भी जानी है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

तीन उर्वरक बिक्री केंद्रों को नोटिस

कानपुर। सरसौल के मेसर्स परिहार खाद भंडार में नर्वल एसडीएम विवेक मिश्रा ने छापा मारा, जहां 4.65 मीट्रिक टन डीएपी और 12 मीट्रिक टन एनपीकेएस उर्वरक का स्टॉक मिला, लेकिन बिक्री रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराया गया। कारण बताओ नोटिस जारी किया।

नर्वल स्थित मेसर्स श्रीराम खाद भंडार में 1600 बैग यूरिया का स्टॉक मिला। किसानों से फोन पर संपर्क करने पर पता चला कि यूरिया के साथ सल्फर का पैकेट देकर 450 रुपये वसूले गए। लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी दी गई। मेसर्स भगवती कृषि सेवा केंद्र में 210 बैग यूरिया मिले, जबकि पीओएस मशीन पर 380 बैग प्रदर्शित हो रहे थे। स्टॉक में अन्तर और बोर्ड अद्यतन न होने पर नोटिस जारी की। मेसर्स जय मां नन्दा देवी खाद भण्डार तिलसहरी बुजुर्ग मंग 64.58 मीट्रिक टन, कृषि रक्षा केन्द्र नर्वल में 10.98 मीट्रिक टन, रोहित खाद भण्डार पाली में 23.36 मीट्रिक टन और शुक्ला खाद भण्डार पूरनपुर में 12.42 मीट्रिक टन यूरिया मिली।

सिटी ब्रीफ

केस वापस न लेने पर हिस्ट्रीशीटर की धमकी

कानपुर। नवाबगंज में मुकदमा वापस न लेने पर हिस्ट्रीशीटर ने साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है। परमियापुरवा निवासी अंकित निषाद के अनुसार 2024 में उन्होंने थाने के हिस्ट्रीशीटर प्रियांशु गौड़ पर मुकदमा दर्ज कराया था। जिस मामले में वह आरोपी के खिलाफ पैरवी कर रहे हैं। बीती चार दिसंबर को वह केसा कॉलोनी में एक विवाह समारोह में गया था। जहां हिस्ट्रीशीटर प्रियांशु गौड़ ने साथियों को साथ उन्हें रोक लिया। गाली-गलौज करते हुए मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया। विरोध करने पर हिस्ट्रीशीटर ने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की। आरोपी चाकू से हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर इलाकाई लोग दौड़े तो आरोपी धमकी देकर भाग निकला। नवाबगंज थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दुकान में कब्जे के विरोध पर धमकाया

कल्याणपुर। कल्याणपुर में एक दबंग ने किराए पर दुकान लेकर उसपर कब्जा कर लिया। विरोध करने पर दबंग ने खुद को पत्रकार बताते हुए झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे डाली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। कल्याणपुर कला निवासी गौरव सिंह के अनुसार घर के पास ही उनकी एक दुकान है। जिसे बैरी अकबरपुर निवासी आशीष कुमार उर्फ वीरू ने कॉस्मेटिक के काम के लिए तीन हजार रुपये किराए पर लिया था। आरोप है कि किराए का एग्रीमेंट करने के नाम पर आशीष टालमटोल करने लगा। इतना ही नहीं दबाव बनाने पर दबंग ने खुद को पत्रकार बताते हुए दुष्कर्म जैसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

लापता किशोरी मिली युवक भेजा गया जेल

कानपुर। कल्यानपुर में 3 माह पहले बैंक जाने की बात कहकर निकली 14 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने तलाश लिया है। उसे जो युवक ले गया था, उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। 15 सितंबर को पिता ने तहरीर दी थी। पिता के अनुसार बैंक जाने की बात कहकर घर से निकलने के बाद वापस नहीं लौटी। उसका मोबाइल भी बंद था। छोटी बहन से पता चला कि वह ज्ञानेंद्र उर्फ राज लोधी से बातचीत करती थी। वह भी लापता है। पुलिस ने किशोरी को तलाशकर युवक को जेल भेजा है।

देहरादून में संपत्तियां खंगाल रही एसआईटी

महाठग का मायाजाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 1500 करोड़ के महाठग रवींद्र नाथ सोनी को लेकर देहरादून पहुंची एसआईटी ने उसकी संपत्तियों को खंगालना शुरू किया है। बुधवार शाम देहरादून पहुंचने के बाद एसआईटी ने टैगोर विला, शिमला बाइपास चौक, पलटन बाजार, डालनवाला, घंटाघर, पीएनबी एनक्लेव और वीवीआईपी कालोनियों में महाठग के संपर्क तलाशे। कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी भी रवींद्र के संपर्क में थे, लेकिन उनके मोबाइल बंद हैं। महाठग ने भी सपंर्क से मना किया है।

एसआईटी उसे मंसूरी रोड स्थित इलाकों में भी ले जाकर लोगों से पूछताछ की। पटेलनगर व जॉलीग्रांट एयरपोर्ट के पास रवींद्र के संपर्क में रहने वालों की जानकारी मिली, इसकी भी जांच चालू है। देहरादून पुलिस का अनुमान है ठगी की रकम से रवींद्र ने काफी प्रॉपर्टी बनाई है, लेकिन पूछताछ में महाठग ने इनकार किया है। वहीं एसआईटी को देहरादून में एक महिला की तलाश है, जो टैगोर विला की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार महिला रविंद्र के लिए ठगी का रास्ता तैयार करती थी। वह लोगों को ब्लू चिप कंपनी में रकम निवेश के लिए कहती थी। देहरादून में बैंक खातों की पड़ताल के लिए एसआईटी टीम बैंक भी गई और जानकारियां लीं। रवींद्र की गतिविधि वाले इलाकों में एसआईटी ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले। होटल में ठहरने के फुटेज भी एकत्र किए। एसआईटी ने प्रमुख चौराहों पर भी फुटेज देखा और साक्ष्य के लिए सुरक्षित किया। रविंद्र लोगों को होटलों में पार्टी और तोहफे देकर कंपनी से जोड़ता था।

1500

करोड़ के ठग रवींद्र को लेकर देहरादून पहुंची टीम

- एसआईटी ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले

दिल्ली व एनसीआर भी जाएगी एसआईटी

- रिमांड अवधि में एसआईटी महाठग रवींद्र को देहरादून के बाद दिल्ली व एनसीआर भी ले जाएगी। दिल्ली में भी निवेश और बैंक खातों की जानकारी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार रविंद्र के कनेक्शन की भी पड़ताल हो रही है, क्योंकि ज्यादातर फाइनेंस का काम देखने वाले उसके संपर्क में हैं। जिसमें महिलाएं भी हैं। जिन खातों में रकम जाती, वह अधिकांश महिलाओं के ही हैं। एसआईटी टीम के अनुसार काफी जानकारियां स्पष्ट होने लगी हैं। वहीं रविंद्र के खिलाफ प्रार्थना पत्रों की जांच भी चालू है।

45 लाख की ठगी 1500 करोड़ पहुंची

- महाठग रविंद्र को कोतवाली पुलिस ने 45 लाख रुपये की ठगी में देहरादून से गिरफ्तार किया। सोनी को जेल भेजने के बाद अकेले कोतवाली में छह मामले महाठग के खिलाफ दर्ज हुए। कुछ समय में ही 45 लाख की ठगी 1500 करोड़ तक पहुच गई और शिकायतों की संख्या 50 से अधिक है। अब पुलिस ने छह दिन की कस्टडी रिमांड ली है। इन दिनों एसआईटी उसे लेकर देहरादून में जांच कर रही है।

सचिवालय में नौकरी के नाम पर ठगी की

कानपुर। सचिवालय में नौकरी लगवाने का झांसा देकर आरोपियों ने दो लाख रुपये ठग लिए। नौकरी न लगने पर धोखाधड़ी का अहसास होने पर पीड़ित ने रकम मांगी तो आरोपियों ने धमकाया। इस पर पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर के आदेश पर चकेरी थाने में रिपोर्ट लिखाई है।

अहिरवां के चेतनगर निवासी नीरज कुमार अग्रहरि के अनुसार उनकी मुलाकात दो साल पहले एक कार्यक्रम में मूलरूप से औरैया के नुनारी निवासी शैलेंद्र गुप्ता से हुई थी। फिर दोनों में बातचीत होने लगी। जनवरी 2025 को शैलेंद्र अपने दो साथी वाराणसी के रविशंकर अंगारा और सुल्तानपुर के दिलीप गुप्ता के साथ उनके घर आया। बताया कि वह लोग सरकारी नौकरी लगवाते हैं। उनकी भी सचिवालय में नौकरी लगवा देंगे। पांच लाख की डिमांड की। पीड़ित के अनुसार वह झांसे में आ गए और उधार लेकर दो लाख रुपये दे दिए।

खेल हस्ती रवींद्र नाथ कुनार के निधन पर शोक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार के पिता थे रवींद्र नाथ

स्व. रवींद्र नाथ कुनार।

अमृत विचार: अमृत विचार समाचार पत्र के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) पार्थो कुनार के पिता एवं बिहार की खेल हस्ती रवींद्र नाथ कुनार (86) का बुधवार देर रात आकस्मिक निधन हो गया। कार्यालय में में गुरुवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान दिवंगत पुण्य आत्मा की शांति के लिए परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई।

वयोवृद्ध खेल हस्ती रवींद्र नाथ कुनार लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने अधिकांश समय टाटा स्टील के साथ बिताया लेकिन क्रिकेट, बैडमिंटन और फुटबॉल के प्रति जुनून ने उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाई। वह झारखंड और बिहार में खेल समुदाय में अत्यंत प्रिय व्यक्तित्व थे। वह अपने पीछे पत्नी सबिता, बेटे पार्थो कुनार एवं अरिंदम, बहू श्वेता और सुनीति, पोते आदित्य और आयुष को छोड़ गए हैं। अमृत विचार कार्यालय में शोक सभा में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने के साथ ही दो मिनट का मौन धारण कर प्रार्थना की गई। इस अवसर पर दिग्विजय सिंह, राजेश श्रीवास्तव, निशांत पाठक, बृजेश श्रीवास्तव, रोहित मिश्र आदि उपस्थित रहे।

बेकाबू वाहनों की टक्कर से 4 लोगों की गई जान

चकेरी में ट्रक ने बाइक सवार को 25 मीटर तक घसीटा, महाराजपुर में ट्रैक्टर, फजलगंज में महिला को कार ने मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से विभिन्न सड़क हादसों में चार लोगों की जान चली गई। चकेरी में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक 25 मीटर तक घसीटता गया, गंभीर घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं महाराजपुर में ऑटो सवार युवक की बेकाबू ट्रैक्टर की सीधी टक्कर लगने से जान गई। फजलगंज में तेज गति कार ने पैदल महिला को कुचल दिया। बिधनू में एक युवक की हादसे में मौत हो गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

चकेरी के सैनिक नगर महुआ वाली गली निवासी 20 वर्षीय विवेक कैटरिंग का काम करता था। पिता मदन सक्सेना व बड़े भाई विकास ने बताया कि काम के बाद बकाया लेने बुधवार रात करीब नौ बजे वह कृष्णानगर स्थित गेस्ट हाउस गया था। वह कृष्णानगर स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा था, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। विवेक की बाइक सड़क पर गिरकर ट्रक में फंस गई और बाइक के साथ वह भी करीब 25 मीटर तक घसीटता गया।

राहगीरों के शोर मचाने व पीछा करने पर ट्रक चालक ने वाहन रोका। इस पर लोगों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। वहीं गंभीर घायल विवेक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। वहीं महाराजपुर में ऑटो में सवार 33 वर्षीय युवक रोचक को बेकाबू ट्रैक्टर ने सीधी टक्कर मार दी। जिससे उसकी अस्पताल पहुंचने पर मौत हो गई। मूलरूप से फतेहपुर के सैदपुर पचमई निवासी शिव लोचक का बेटा रोचक पिता के साथ खेती-किसानी में हाथ बंटाता और दूसरे काम भी करता था। पिता के अनुसार परिवार में पत्नी कुसुमदेवी, छोटा बेटा छोटू व एक बेटी है। रोचक बुधवार शाम काम के सिलसिले में महाराजपुर आया था। रूमा स्थित कुलगांव मोड़ के पास वह ऑटो से जा रहा था, तभी सामने से आए अनियंत्रित ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। ऑटो पलटने से दबकर रोचक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे कांशीराम ट्रामा भेजा, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे की जानकारी देते विवेक के परिजन। अमृत विचार

संदीप सिंह। अमृत विचार

हादसे के बारे में जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

चकेरी का विवेक श्रीवास्तव।

महाराजपुर का रोचक।

परचून दुकान जा रही महिला को कार ने रौंदा

- **कानपुर।** फजलगंज में परचून दुकान जा रही 30 वर्षीय महिला शानो को तेज गति कार ने रौंद दिया। मूलरूप से घाटमपुर के मखौली निवासी मनोज पत्नी शानो व बेटी दिशा के साथ कोयलानगर में किराए पर रहते थे। मनोज के अनुसार शानो पांच दिन पहले अपने मायके फजलगंज कच्ची मड़ैया आई थी। उसकी मां प्रेमा देवी की तबियत खराब थी। बुधवार शाम को वह परचून दुकान पर सामान लेने जा रही थी, तभी पीछे से आई तेज गति कार ने रौंद दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं बिधनू में तेज गति ट्रक ने युवक को कुचल दिया। चंद्र हंसपुर निवासी 35 वर्षीय संदीप सिंह यादव ट्रक चालक था। परिवार में मां ममता हैं। चाचा राजू ने बताया कि बुधवार शाम को संदीप अपने रिश्तेदार के घर पतारा बाइक से गया था। वह बिधनू में कनोडिया में पेट्रोल पंप के पास पहुंचा था, तभी सामने से आ रहे तेज गति ट्रक ने उसे रौंद दिया। हादसे में संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

मानसिक कमजोर को शराब पिलाकर कुकर्म, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। फजलगंज में मानसिक कमजोर को शराब पिलाकर दोस्त ने कुकर्म किया। पीड़ित की हालत बिगड़ने पर आरोपी से शिकायत की तो उसने धमकाया। पीड़ित की मां ने पुलिस से शिकायत कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्शनपुरवा निवासी एक महिला के अनुसार उनका 18 वर्षीय बेटा मानसिक कमजोर है। बीती नौ दिसंबर की रात पड़ोस में रहने वाला उसका दोस्त बुलाकर ले गया था।

आरोप है कि उसने बेटे को जबरन शराब पिलाई। नशे में होने के बाद बेटे को छत पर ले जाकर कुकर्म किया। बेटे की हालत बिगड़ने पर आरोपी ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। वहां से बेटा घर पहुंचा, पूछने पर उसने आपबीती बताई। इस पर तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस से शिकायत करने पर आरोपी भाग निकला। फजलगंज कार्यवाहक थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है। जांच में पता चला आरोपी नाबालिग है।

फौजी से 6 लाख ठगे, डेढ़ लाख रंगदारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सरकारी जमीन फौजी को बेच रहा था शातिर, चकेरी में पीड़ित ने दर्ज कराई रिपोर्ट
- -रंगदारी लेने के बाद भी आरोपी ने पीड़ित पर लगवा दिया एनआई एक्ट का मुकदमा

अमृत विचार। चकेरी में शातिर ने फौजी को सरकारी जमीन दिखाई और बेचने के नाम पर छह लाख रुपये ठग लिए। जब सरकारी भूमि का पता चला तो फौजी ने आरोपी से अपनी रकम मांगी। इस पर उसने दी चेक बाउंस कराने की धमकी देकर डेढ़ लाख रुपये की रंगदारी वसूली।

उसके बाद भी आरोपी ने एनआई एक्ट का मामला दर्ज करा दिया। पीड़ित ने डीसीपी पूर्वी से शिकायत की। उनके आदेश पर चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी के खिलाफ पहले भी ऑपरेशन महाकाल के तहत चकेरी में धोखाधड़ी, ठगी व रंगदारी की रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है।

मवैया गांव निवासी शैलेंद्र सिंह के अनुसार वह सेना में सूबेदार हैं। उन्होंने बताया कि कई साल पहले उन्होंने विमाननगर के हरिपाल सिंह से महाराजपुर में 600 वर्गगज जमीन 24 लाख में खरीदी थी। उन्होंने पूरी रकम उनकी एयरफोर्स से अधिकृत जमीन से मुआवजा मिलने पर देने को कहा था। इस पर हरिपाल सिंह ने रजिस्ट्री में 24 लाख की चेक मेंशन करवाई थी। रकम मिलने पर चेक देने को कहा था। उनका मुआवजा मिलने पर उन्होंने 24 लाख रुपये पत्नी के खाते से आरटीजीएस व नेट बैंकिंग से भेज दी थी। इसके बाद उन्होंने छतमरा में 200 वर्गगज जमीन के लिए आरोपी को फिर से छह लाख रुपये दिए, लेकिन कुछ समय बाद पता चला कि जमीन सरकारी है। उन्होंने जमीन लेने के मना कर दिया और छह लाख रुपये और चेक वापस मांगे। आरोपी ने रकम देने से मना कर दिया। साथ ही एनआई एक्ट में जेल भिजवाने की धमकी देकर डेढ़ लाख की रंगदारी भी वसूली। नौकरी जाने के डर में उन्होंने रंगदारी की रकम भी दी।

फिर भी आरोपी धमकाता रहा और पांच लाख रुपये और मांगे। विरोध पर चेक बाउंस कराकर नोटिस भिजवा दिया। एनआई एक्ट का मुकदमा लगवाकर धमकाने लगा। तंग आकर उन्होंने डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता से शिकायत की। चकेरी के कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

ओटीपी हासिल कर 1.34 लाख उड़ाए

कानपुर। गुजैनी में साइबर शातिरों ने फ्रीजर रिपेयरिंग के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का झांसा देकर ओटीपी ली और दुकानदार के खाते से 1.34 लाख पार कर दिए।

जरौली फेस-टू निवासी परचून दुकानदार प्रदीप गुप्ता के अनुसार उनका फ्रीजर खराब था। रिपेयरिंग के लिए गूगल पर फ्रीजर कंपनी के कस्टमर केयर का नंबर लेकर कॉल की। कालर ने कर समस्या सुनीं और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का झांसा देकर ओटीपी नंबर ले लिया। कुछ देर बाद ही यूनियन बैंक खाते से 5 बार में 1.34 लाख रुपये ट्रांसफर हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर हुई है।

कार में महिला का तमंचे से खिलवाड़

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पड़ताल में बर्रा निवासी मनीषा अरोड़ा का नाम सामने आया
- डीसीबी बोले, जांच-पड़ताल पूरी होने के बाद होगी कार्रवाई

अमृत विचार। सोशल मीडिया पर गुरुवार को एक महिला का वीडियो वायरल हुआ, जो कार में आगे की सीट पर बैठकर तमंचे से खिलवाड़ करते दिख रही है। महिला तमंचे को अपनी कनपटी पर लगाती है, जोरों से हंस रही है। कार में दो युवक भी हैं, जो महिला को तमंचा पकड़ने और चलाने की भी जानकारी दे रहे हैं।

यह वीडिया 25 सेकेंड का है। चलती कार से एक युवक तमंचा खिड़की से तानकर भी दिखाता है। वायरल वीडियो बर्रा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। कार हाईवे पर दौड़ रही है और महिला ड्राइविंग सीट के बगल में बैठी है। वायरल वीडियो देखने के बाद पुलिस महिला के बारे में जानकारी एकत्र करने में जुटी है।

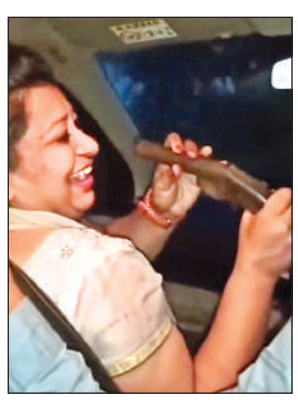

कार में तमंचा लिए महिला।

पुलिस का कहना है कि महिला की तलाश की जा रही है। पीछे सीट पर बैठा युवक तमंचा लोड करने का तरीका बता रहा है। इस मामले में डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने कहा कि वीडियो हाईवे पर चलती कार में बनाया गया है। वीडियो में महिला और दो युवकों के सिर्फ हाथ दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो के बारे में पड़ताल करने पर पता चला कि बर्रा निवासी मनीषा अरोड़ा का है। जांच की जा रही है।

तलवार लटकी केडीए की प्रवर्तन टीम को देखते ही झुग्गी-झोपड़ियों से बाहर निकली बस्ती की भीड़, ऑफर पर बोले-कहां से लाएंगे रुपये

चौथी बार केशव नगर पहुंचा दस्ता, अवैध बस्ती की बिजली काटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के डब्ल्यू ब्लॉक, केशवनगर में बसी अवैध बस्ती को खाली कराने के लिए केडीए की टीम भारी पुलिस बल के साथ गुरुवार को पहुंची। प्रवर्तन टीम को देख बस्तियों की भीड़ बाहर निकल आई। केडीए ने मुहाने पर बसे एक अवैध झोपड़े को ढहा दिया। बाकी लगभग 79 अवैध बस्तियों के वासियों को नोटिस दे रिसीविंग ली। सभी को अवैध झोपड़े खाली करने का 5 दिनों का अल्टीमेटम देकर टीम लौट गई। बस्ती की बिजली काट दी गई।

डब्ल्यू ब्लाक, केशव नगर में प्लाट संख्या 439, 439बी और 440 पर सालों से अवैध बस्ती बनाकर लोग रहे हैं, जिसके खिलाफ लगातार इलाकाई लोगों की शिकायतों पर केडीए ने कब्जा खाली करने के लिए बुधवार को नोटिस चस्पा की थी। इस पर कार्रवाई के लिए केडीए के विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला, बृजेंद्र उपाध्याय, अजय कुमार व रवि प्रताप सिंह के साथ ही अधिशांसी अभियंता अतुल राय, माधवी कुशवाहा, संदीप मोदनवाल और दिनेश कुमार गुप्ता समेत हनुमंत विहार थाना पुलिस व पीएसी बल मौके पर पहुंचा।

बस्ती में कोई दो हजार की आबादी रहती है। अधिकतर झोपड़ों में बिजली सप्लाई के लिए तार भी पड़े है। कई झोपड़ों के कोने में टॉयलेट भी अस्थायी लोगों ने बना रखे हैं। टीम ने अवैध निर्माण गिराने के लिए लोगों से सामान हटाने के लिए कहा तो बस्ती वालों ने विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने केडीए के अधिकारियों से प्रधानमंत्री आवास दिलाने की मांग की, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें 11 लाख रुपये फ्लैट मुहैया कराए जाने का आफर रखा। इस पर असमर्थता जता दी।

बोले, इतना रुपये कहां से लाएंगे। इस पर उन्हें किश्तों में रकम अदा करने के लिए कहा तो भी वह राजी नहीं हुए। लोगों ने टीम से सामान हटाने के लिए पांच दिन का समय मांगा। इस पर केडीए उन्हें चार दिन का समय देते हुए बिजली के कनेक्शन कटवा दिए। साथ ही बैकहो लोडर से किनारे पर बनी टीनशेड के कमरे का सामान खाली करवाकर उसे गिरवा दिया।

- एक झोपड़ी गिराई, 79 को 15 दिसंबर तक का अल्टीमेटम
- कब्जेदारों को नोटिस थमाने के साथ ही ली गई रिसीविंग

केडीए की टीम ने अवैध रूप से बनी झोपड़ी गिराई। अमृत विचार

भारी पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने बस्ती वालों को अल्टीमेटम दिया। अमृत विचार

> अवैध कब्जेदारों को 15 दिसंबर तक का आखिरी मौका दिया गया है। 16 दिसंबर को निर्माण गिराकर केडीए जमीन पर कब्जा कर लेगी।
>
> – माधवी कुशवाहा, अधिशांसी अभियंता

संदिग्ध हालात में कमरे में मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

18 साल से पत्नी अलग होकर मायके में रह रही थी

- चकेरी पुलिस ने दरवाजा तोड़ कर शव कमरे से निकाला

अमृत विचार। चकेरी में संदिग्ध हालात में युवक कमरे में मृत मिला। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंचे भाइयों ने पुलिस को खबर दी। दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो युवक का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक अकेले रहता था। पत्नी 18 साल से मायके में रह रही है। पुलिस के अनुसार परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

शिव कटरा निवासी 45 वर्षीय सुरेश कुमार प्राइवेट नौकरी करते थे। बड़े भाई संतोष ने बताया कि वह तीन भाइयों में बीच का था और अकेले रहता था। सुरेश के तीन बेटियां थी, जो शादीशुदा हैं। उसकी पत्नी 18 साल से उसके साथ नहीं रह रही है। वह बाबूपुरवा स्थित मायके में रहती है। भाई के अनुसार मोहल्ले के लोगों ने बुधवार को दिनभर उसे नहीं देखा था, मकान का दरवाजा भी नहीं खुला, इस पर सूचना दी।

भाइयों ने पहुंचकर दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, इस पर पुलिस को खबर दी। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मी दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंचे तो सुरेश का शव बिस्तर पर पड़ा पाया।

पुलिस के अनुसार सुरेश शराब पीता था, आशंका है कि नशे की हालत में ही उसकी जान गई है। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी। परिजनों को कोई आरोप नहीं है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

यूपी टीम में कानपुर की तीन बेटियों को जगह

कानपुर। बड़ोदरा में अंडर-19 वुमंस वनडे सुपर लीग एलीट ग्रुप-ए के मुकाबले 13 दिसंबर से खेले जाएंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश टीम की घोषणा गुरुवार को हुई। इसमें टीम की कप्तान गाजियाबाद की खुशी त्यागी को और उपकप्तान लखनऊ की शशि बालन को सौंपी गई है। जबकि टीम में कानपुर की तीन खिलाड़ियों शिबू सिंह पाल, सिद्धि मिश्रा, विदुषी मिश्रा को स्थान मिला है। उत्तर प्रदेश का पहला मैच 13 दिसंबर को तमिलनाडु के खिलाफ खेला जाएगा।

केसीए को मिली खिताबी जीत

कानपुर। सेना कप राज्य स्तरीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को फाइनल मैच कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए एकादश) और वाराणसी मंडल के बीच खेला गया। इसमें केसीए ने वाराणसी मंडल को पांच विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। कुशीनगर स्थित लीलावती स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में वाराणसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 225 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए केसीए एकादश ने 17 .4 ओवर में पांच विकेट पर 227 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

कपड़ा कमेटी के चुनाव में उधारी बड़ा मुद्दा

अब 23 पदों के लिए 28 प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे, किसी भी गुट को बहुमत के लिए 12 सदस्य जरूरी

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। 102 साल पुरानी कानपुर कपड़ा कमेटी के चुनाव में नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब प्रचार ने तेजी पकड़ ली है। दो साल के लिए चुनी जाने वाली 23 सदस्यीय कार्यकारणी के लिए 17 दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। इस चुनाव में एक हजार रुपये की उधारी सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है।

कानपुर कपड़ा कमेटी का यह चुनाव बेहद प्रतिष्ठित माना जाता है। इसके लिए दावेदार बहुत पहले से माहौल बनाना शुरू कर देते हैं। इस चुनाव में पिछले कई साल से सागरी और काशी गुट में टक्कर होती आई है। जिसे बहुमत मिलता है, वह दो साल कमेटी का संचालन करता है। सागरी की उम्र बढ़ी तो अब उनके पुत्र रुमित सागरी ने खेमे की जिम्मेदारी संभाल ली है। रुमित खेमे की पहचान अब युवा गुट की है।

इस चुनाव की खास बात यह है कि यहां कमेटी संचालन के लिए बहुमत जरूरी है 1 23 में से 12 सदस्य जिसके पक्ष में होंगे, वही कमेटी संचालित करेगा और

चुनाव प्रचार करते कपड़ा कारोबारी। अमृत विचार

- **चुनाव में बहुमत के लिए युवा और काशी गुट ने बनाई रणनीति, तीन उम्मीदवारों ने वापस लिया नाम**

अपनी तरह से अपनी कैबिनेट (पदाधिकारी) भी तय करेगा। दोनों गुटों के पैनल हैं और चुनाव प्रचार में जुटे हैं। 9 दिसंबर को दोनों गुटों से 33 नामांकन हुए थे, जिसमें युवा गुट से 18 और काशी खेमे से 13 नामांकन हुए। दो ख़ारिज हो गए। फिर कुल 31 बचे थे।

गुरुवार को नंदलाल, विवेक गुप्ता और अमित रुईया ने नाम वापस ले लिया है। अब कुल 28 प्रत्याशी बचे हैं। इसमें एक गुट के 11 प्रत्याशी ही हैं, जिससे सभी जीत भी जाते हैं तो बहुमत से दूर रहेंगे। यदि एक निर्दलीय जीत जाए और इनका समर्थन कर दे तो बात बन सकती है। युवा गुट के सभी प्रत्याशी मैदान में हैं। इस बार बड़ा मुद्दा कारोबारियों की अन्य राज्यों और शहरों में फंसी कोई एक हज़ार करोड़ की उधारी की रकम है। चुनाव अधिकारी सत्य नारायण सिंघानिया ने बताया कि कार्यकारिणी के 23 सदस्यों के लिए 28 प्रत्याशी मैदान में हैं।

कपड़ा कमेटी की अपनी अदालत

- यह शहर की एकमात्र ऐसे कमेटी है, जिसकी अपनी अदालत (अर्बीटेशन बोर्ड) है। इसमें पांच सदस्य होते हैं, जिसके निर्णय को अदालत में भी चुनौती नहीं दी जा सकती। ये पंच कमेटी से ही लिए जाते हैं। एक या दो सदस्य कपड़ा बाजार से किसी वरिष्ठ कारोबारी को सबसे सलाह के बाद बना लिया जाता है। वाद दाखिल होने के बाद यह बोर्ड नोटिस जारी कर संबंधित व्यापारी को तलब करता है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुनाता है। इस साल उधारी के 38 मामलों में फंसी रकम वापस दिलवाई गई।

पहले कमेटी में प्रधानमंत्री भी होता था

- कोई 20 साल पहले तक कपड़ा कमेटी में प्रधानमंत्री पद होता था, जिसे संशोधित कर प्रधान सचिव कर दिया गया। वर्तमान में अध्यक्ष हैं अमित दोसर और प्रधान सचिव हैं नवीन नेवटिया। बाकी निदेशक कहे जाते हैं। इस कमेटी का गठन 1923 में हुआ और 1925 में पंजीकरण हुआ था। अभी कुल 1548 वोटर हैं।

3 हजार दुकानें, कई करोड़ का कारोबार

- अंग्रेजों के जमाने में जनरलगंज में कपड़े की दुकाने खुलीं और फिर इसका विस्तार नौघड़ा, नयागंज, बादशाहीनाका, हटिया और आसपास तक हो गया। अब यहां तीन हजार से अधिक दुकानें हैं। एक जमाने में यहां से देश के सभी राज्यों में ही नहीं, विदेश तक कपड़े जाते थे। साड़ी, लहंगे, पैंट, शर्ट, सूट, लेडीज और जेंट्स के सिले और बिना सिले कपड़ों की हर वैरायटी और ब्रांड उपलब्ध है। नेपाल तक मॉल जाता है। अनुमान के मुताबिक सालाना 10 हजार करोड़ से अधिक का कारोबार होता है। कानपुर की कपड़ा मिलें बंद होने के बाद कपड़ा बाजार को तगड़ा झटका लगा है।

सर्किट हाउस में महिलाओं की पीड़ा सुनतीं आयोग की सदस्य। अमृत विचार

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ने सुने 68 मामले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **अधिकारियों को सभी मामले निस्तारित करने के निर्देश**

अमृत विचार। सर्किट हाउस सभागार में गुरुवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य डॉ. अर्चना मजूमदार ने महिला सुनवाई की। साथ में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ. चन्द्रशेखर, अपर पुलिस उपायुक्त डॉ. अर्चना सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह, संबंधित विभागों के अधिकारी, विभिन्न थानों के थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारी रहे। जनसुनवाई में 68 मामले सामने आए, सभी को सदस्य ने गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ित महिलाएं शीघ्र राहत प्राप्त कर सकें। सदस्य ने सभी महिलाओं से अपील की है कि वह अपने अधिकारों और उपलब्ध कानूनी सहायता के प्रति जागरूक रहें। और किसी समस्या की स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त करें। अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिलाओं से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए।

लेबर कोड से मजबूत होगी श्रम शक्ति

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **आरोग्य मंथन में पहुंचे श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर**
- **बोले, ईएसआई योजना श्रमिक और परिवारों के लिए सुरक्षित**

अमृत विचार। ईएसआई योजना श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए सुरक्षित, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नई पहलों से सेवा प्रदायगी में पारदर्शिता व उत्तरदायित्व और मजबूत होगा। उत्तर प्रदेश में नया लेबर कोड लागू हो चुका है, जिससे श्रमशक्ति को मजबूती मिलेगी। देश की श्रम व्यवस्था सरल, पारदर्शी और आधुनिक बनेगी। साथ ही श्रमिकों को सुरक्षा, सम्मान और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध होंगी। यह जानकारी गुरुवार को शहर आए श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने दी।

एचबीटीयू के शताब्दी भवन में गुरुवार को कर्मचारी राज्य बीमा योजना उत्तर प्रदेश की ओर से आरोग्य मंथन-2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने बीमित श्रमिकों के लिए क्यूआर-आधारित माइक्रोसाइट व आरोग्य शक्ति अभियान की शुरुआत की और आरोग्य संकल्प पत्रिका का शुभारम्भ किया। प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और जिस दौरान वह उत्साहित नजर आए। उन्होंने चार नए श्रम कानून के लाभ बताए। कर्मचारी राज्य बीमा योजना उत्तर प्रदेश की निदेशक सौम्या पाण्डेय ने आरोग्य मंथन-2025 को तकनीक-सक्षम और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने कहा कि माइक्रोसाइट, आरोग्य शक्ति अभियान और आरोग्य संकल्प पत्रिका श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण को नई गति देंगी और राज्य सरकार के दीर्घकालिक विजन के अनुरूप सेवा स्तर को बेहतर बनाएंगी। अशोका यूनिवर्सिटी के सीएसबीसी के सहयोग से विकसित यह माइक्रोसाइट बीमितों को डिजिटल माध्यम से सरल, तेज और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है। महिला बीमितों के स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए शुरू किए गए आरोग्य शक्ति अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण व जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

वहीं, आरोग्य संकल्प पत्रिका में ईएसआई योजना की उपलब्धियों और सेवा-सुधार को व्यापक रूप में दर्ज किया गया है। प्रमुख सचिव डॉ. एमके शन्मुगा सुन्दरम ने कहा कि यह माइक्रोसाइट योजनाओं की जानकारी को अधिक सुगम बनाएगी, जबकि आरोग्य शक्ति अभियान महिला स्वास्थ्य सुरक्षा को नई दिशा देगा। इस दौरान विशेष सचिव नीलेश कुमार सिंह, निदेशक सौम्या पाण्डेय, ईएसआई निगम, ईपीएफओ, क्षेत्रीय श्रम संस्थान, श्रम विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ, श्रमिक संगठनों और सेवायोजक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। समारोह में बीमित कामगार भी शामिल हुए।

प्रदर्शन देखते मंत्री अनिल राजभर, साथ में निदेशक सौम्या पाण्डेय। अमृत विचार

वेतन भुगतान की समय सीमा तय ओवरटाइम में मिलेगा दोगुना वेतन

- मंत्री अनिल राजभर के मुताबिक चार नए श्रम कानून लागू होने से श्रमिकों को काफी लाभ मिलेगा। सभी संगठित व असंगठित क्षेत्रों में न्यूनतम मजदूरी की व्यवस्था लागू होगी। साथ ही वेतन भुगतान की समय-सीमा को अनिवार्य किया गया है। ओवरटाइम के लिए दोगुना वेतन का प्रविधान, वेतन से कटौती की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत और सभी कर्मचारियों को वेज-स्लिप देना अब अनिवार्य किया गया है। सभी प्रतिष्ठानों को अपने श्रमिकों का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण करा कर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। कार्यक्रम में पेंशनर्स पीएस बाजपेयी, उमेश शुक्ला, एचएन तिवारी, आशुतोष व चंदन सिंह ने मंत्री से मुलाकात की और मांग की है कि योजना में भवन निर्माण और मनरेगा के लोगों को भी शामिल किया जाए।

ट्रांसफॉर्मर फुंका तो एक्सईएन होंगे जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **यूपीपीसीएल के अध्यक्ष आशीष गोयल ने दी सख्त हिदायत**
- **ट्रिपिंग रोकें और शटडाउन की सूचना उपभोक्ताओं को दें**

अमृत विचार। शहरवासियों को बिजली आपूर्ति गुणवत्तापूर्वक की जाए। बेवजह शटडाउन न लिया जाए और अगर किसी वजह से शटडाउन लिया जाना है तो उसकी जानकारी संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं को होनी चाहिए। समय-समय पर ट्रांसफार्मर की चेंकिग करें और ओवरलोड ट्रांसफार्मरों का बैलेंस मेनटेन करने का प्रबंध किया जाए। इस वर्ष करीब 150 ट्रांसफार्मर फुंके हैं, अगर अब एक भी ट्रांसफार्मर फुंका तो एक्सईएन पर कार्रवाई की जाएगी। यह हिदायत गुरुवार को यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ.आशीष गोयल ने केस्को अभियंताओं को दी।

सिविल लाइंस स्थित केस्को मुख्यालय में गुरुवार को उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ.आशीष गोयल ने

केस्को मुख्यालय में बैठक कर यूपीपीसीएल के चेयरमैन। अमृत विचार

समीक्षा बैठक की। पत्रों की पड़ताल करने के बाद अध्यक्ष ने शहर में लाइन लॉस अधिक होने पर इसकी संख्या कम करने व राजस्व वसूली बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए। भविष्य में इन-हाउस क्षमता विकसित करते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करे। साथ में पावर ट्रांसफार्मर और वितरण ट्रांसफार्मर की क्षतिग्रस्तता और ट्रिपिंग को शून्य किया जाए। ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने और ट्रिपिंग होने की जानकारी पर संबंधित एक्सईएन पर कार्रवाई तय की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बिजली बिल राहत योजना 2025-26 में पात्र उपभोक्ताओं से संपर्क करे और शत-प्रतिशत पंजीकरण कराते हुये योजना का बेहतर ढ़ग से संचालन किया जाए। नेवर पेड उपभोक्ताओं का फिजिकल वेरीफिकेशन कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। एलएमवी- 10 श्रेणी के उपभोक्ताओं पर शत-प्रतिशत मीटर स्थापना का कार्य जल्द से जल्द पूरा करे। बता दें कि वर्तमान में सर्दी के मौसम में भी कई क्षेत्रों में ट्रिपिंग की समस्या हो रही है, जिसकी वजह से उपभोक्ता और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ जाता है।

बैठक के बाद अध्यक्ष ने बिल रिवीजन सेंटर व केंद्रीय भंडार कार्यालय का निरीक्षण किया, जिस दौरान उन्होंने संबंधित को प्रत्येक बिल रिवीजन प्रकरण में साइट इंस्पेक्शन रिपोर्ट को अपलोड किया जाना सुनिश्चित करने और भंडार में संग्रहित सामग्री को स्टैक करते हुये रखने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन, केस्को निदेशक (तकनीक) के साथ सहायक अभियंता स्तर तक के अधिकारी रहे।

आरडीएसएस योजना के कार्यों में तेजी लाएं

- अध्यक्ष डॉ.आशीष गोयल ने केस्को के अन्तर्गत चल रही आरडीएसएस लूस रिडक्शन योजना के कार्यों की भी समीक्षा की। कार्यों की गुणवत्ता को परखा और योजना के तहत कार्य किस स्तर पर चल रहा है, यह मुख्य रूप से देखा। उन्होंने योजना के तहत चल रहे कार्यों को प्राथमिकता पर पूरा करने के साथ ही आरडीएसएस आधुनिकीकरण योजना के कार्यों को जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। इसके अलावा स्काडा योजना के कार्यों को देखा और गुणवत्ता पूर्व कार्य संपादन करने व योजना जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश संबंधित को दिए।

भारोत्तोलन प्रतियोगिता में भाग लेगी शहर की टीम

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्यस्तरीय जूनियर, सब-जूनियर, सीनियर पुरुष व महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन मोदीनगर में 8 से 14 जनवरी के बीच किया गया जा रहा है। इसमें कानपुर टीम भी हिस्सा लेगी।

कानपुर जिला भारोत्तोलन संघ के सचिव कौशलेंद्र सिंह ने बताया कि टीम के चयन के लिए 13 दिसंबर को बिरहाना रोड स्थित बंगाल जिमनाजियम में खिलाड़ियों का ट्रायल होगा। इच्छुक खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं। उनके लिए सुनहरा मौका है।

टैरिफ के बाद टूटे ऑर्डर पर गहराया संकट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **निर्यातकों का काम घटने से ट्रांसपोर्टर्स का 10 से 15 फीसदी नुकसान**
- **रेग्युलर ऑर्डर घटे, बड़े ट्रकों के बजाए अब छोटे ट्रकों की बढ़ी मांग**

अमृत विचार। टैरिफ का असर अभी भी शहर के उद्योग में दिख रहा है। खासतौर पर ट्रांसपोर्टर्स निर्यातकों को लगे इस झटके की सबसे अधिक मार झेल रहे हैं। ट्रांसपोर्ट सेक्टर में टैरिफ के बाद निर्यातकों के टूटे ऑर्डर अभी भी 'रेग्युलेर' नहीं हो पा रहे हैं। ट्रांसपोर्टर्स का मानना है कि इससे निर्यातकों से जुड़े उनके कारोबार में 10 से 15 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। निर्यातकों की ओर से रेग्युलर ऑर्डर घटे, बड़े ट्रकों के बजाए अब छोटे ट्रकों की मांग निर्यातक अपनी युनिट्स में अधिक कर रहे हैं।

निर्यात कारोबार में अमेरिका के टैरिफ के झटके का असर शहर के ट्रांसपोर्ट पर भी पड़ा है। शहर में चमड़ा, मशीनरी, टेक्सटाइल सहित अन्य उत्पादों का निर्यात अमेरिका के खरीदारों को होता था। माना जा रहा है कि टैरिफ के बाद इस कारोबार में लगभग 60 फीसदी की कमी दर्ज हुई है। उधर नए वैश्विक बाजार में निर्यात का बढ़ना विशेषज्ञ मान रहे हैं बावजूद इसके अमेरिका के टूटे कारोबार की बराबरी फिलहाल निर्यातक नहीं कर पा रहे हैं। उधर अमेरिका के निर्यात कारोबार मे कमी का असर ट्रांसपोर्ट सेक्टर में भी दिख रहा है। ट्रांसपोर्ट सेक्टर से जुड़े कारोबारियों का यह कहना है कि निर्यातक युनिट्स में कच्चे माल की आवक से लेकर उत्पाद के जाने तक ट्रकों की मांग कम हुई है। निर्यात कारोबार से जुड़ी युनिट्स की बात की जाए तो 'रेग्युलर' ट्रक ऑर्डर कम हुए हैं। इससे ट्रक भरने के लिए रोजाना मशक्कत करनी पड़ रही है।

> ट्रेरिफ लगने के बाद से निर्यातकों की ओर से ट्रकों की बुकिंग ऑर्डर घटे हैं। पहले यह लगातार आने वाले ऑर्डर थे। अब ऐसी युनिट्स से कम हुए ट्रकों को दूसरे स्थानों पर लोड कराना पड़ रहा है।

निर्यातकों की ओर से 'रेग्युलर' ऑर्डर टूटने से कई बार ट्रांसपोर्टर्स के ट्रक एक या दो दिन खाली भी रहते हैं।

–श्याम शुक्ला संरक्षक यू0पी0युवा ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन

> ऐसे ट्रांसपोर्टर जो निर्यात युनिट्स के ऑर्डर के भरोसे ट्रक को फाइनेंस कराए हुए थे। उन्हें सबसे अधिक नुकसान हो रहा है। उनकी लगातार आने वाली इनकम अब अब ब्रेक लगा हुआ है। हम लोग मान रहे हैं कि जल्द ही शहर का निर्यात बढ़ेगा और उसका असर ट्रांसपोर्ट सेक्टर में भी पड़ेगा।

–सौरभ सक्सेना

> शहर की बड़ी एक्सपोर्ट युनिट और ट्रांसपोर्टर एक दूसरे के पूरक थे। जिस वक्त निर्यातकों का काम तेज था उस वक्त ट्रकों की भी मांग इस सेक्टर में अधिक थी। अब शहर की बड़ी निर्यात युनिट में काम कम हैं तो ट्रक भी पहले के मुकाबले कम बुक कराए जा रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द निर्यात बढ़ेगा और उसका सकारात्मक असर ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर भी पड़ेगा।

–केएल पारिख

> ट्रांसपोर्टर इस समय कई तरह की परेशानियों से जूझ रहे हैं। उनमें एक परेशानी अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ के बाद शहर के निर्यातकों का काम कम होने की भी है। कच्चा माल और तैयार उत्पाद दोनो की ही ढुलाई कम हुई है। इससे सीधे ट्रांसपोर्ट घाटे में हैं। अब धीरे-धीरे स्थिति में सुधार माना जा रहा है।

–विमल कुमार शुक्ला

चर्चा लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ .विवेक गुप्ता ने लिवर के बचाव के बारे में दी जानकारी

आंख पीली होना लिवर में दिक्कत का संकेत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भूख कम लगना, थकान, आंखों का पीला पड़ना व यूरिन पीली होने के संकेत को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह लिवर के गड़बड़ होने व ठीक से काम न करने के बहुत ही स्पष्ट और गंभीर संकेत हो सकते हैं, जो शरीर में बिलीरुबिन जमा होने और मेटाबॉलिज्म बिगड़ने के कारण होते हैं। इसके अलावा यह संकेत फैटी लिवर, सिरोसिस या लिवर फेलियर जैसी समस्याओं के भी उत्पन्न हो सकते हैं। यह जानकारी लखनऊ से लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ.विवेक गुप्ता ने दी।

रावतपुर क्रासिंग के पास स्थित एक होटल में गुरुवार को लखनऊ के मेदांता अस्पताल से आए सीनियर कंसल्टेंट व लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. विवेक गुप्ता ने लिवर की बढ़ती बीमारियों के निदान पर चर्चा की। बताया कि जीवनशैली में बदलाव और गलत खानपान की वजह से लोगों में लिवर संबंधित समस्या बढ़ रही है। प्रदूषण भी इसमे सहायक हो सकता है।

जानकारी देते डॉ .विवेक गुप्ता। अमृत विचार

वहीं, मेटाबॉलिक एसोसिएटेड लिवर डिजीज की समस्या भी लोगों में देखी जा रही है। इस डिजीज में लिवर में वसा जमा हो जाती है और यह मोटापे, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण होता है। प्राथमिक स्टेज में इसके कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर लिवर में सूजन, सिरोसिस या कैंसर की समस्या भी हो सकती है। बाद में थकान, पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में असुविधा महसूस हो सकती है।

हेपेटाइटिस संक्रमण के कारण भी लिवर की दिक्कतें बढ़ जाती हैं। लिवर शरीर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है, जो मेटाबोलिज्म को ठीक रखने, विषैले पदार्थों को बाहर निकालने, पाचन और कई अन्य कार्यों में अहम भूमिका निभाता है। अगर कम उम्र से ही लिवर की सेहत पर ध्यान दिया जाए तो इसकी बीमारियों के खतरे से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि वह हर माह के दूसरे गुरुवार को मेडीहेल्प हॉस्पिटल में ओपीडी में मरीजों को परामर्श देते हैं। छह माह में वह दो सौ से अधिक मरीज देख चुके हैं और दो मरीजों का लिवर ट्रांसप्लांट कर चुके हैं।

ऐसे करे बचाव

- शरीर का वजन नियंत्रित रखें, मोटापा न बढ़ने दें।
- फल, सब्जी, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा से भरपूर आहार लें।
- शराब, चीनी और नमक का सेवन कम से कम करें।
- सोडा, स्पोर्ट्स ड्रिंक, पैक्ड जूस और अन्य मीठे पेय पदार्थों से परहेज करें।
- लिवर को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन 30 मिनट व्यायाम जरूर करें।
- अधिक समय तक एक ही जगह पर बैठना नहीं चाहिए।

कम रोशनी में चल रहा इलाज

कानपुर। सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार रात को सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी पहुंचे, यहां पर उनको स्टाफ को मौजूद मिला, लेकिन परिसर में लाइट की सुविधा कम होने पर नाराजगी जताई। प्रसव कक्ष में भी लाइट कम थी, जबकि अंदर दो गर्भवती महिलाएं भर्ती थी। सीएमओ ने परिसर में लाइटिंग की सुविधा सुधारने और व्यवस्था दुरस्त रखने के निर्देश दिए।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

फ्लैटेड फैक्ट्री में बनेगा नेशनल टेस्टिंग हाउस, मिलेगी सहूलियत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की हो सकेगी जांच**
- **उद्यमियों, निर्यातकों को टेस्टिंग के लिए बाहर नहीं जाना होगा**

अमृत विचार। शहर में स्थापित होने वाली फ्लैटेड फैक्ट्री में नेशनल टेस्टिंग हाउस भी स्थापित हो सकेगा। इस सुविधा के शुरू होने से उत्पादों मे प्रयोग होने वाली सामग्रियों की जांच कर रिपोर्ट प्रदान करता है। एनटीएच के स्थापित होने के बाद शहर के उद्यमियों व निर्यातकों को उत्पादों की जांच रिपोर्ट के लिए शहर से बाहर नहीं जाना होगा।

एनटीएच की स्थापना के लिए गुरुवार को शहर के उत्पादों की जानकारी के लिए एक ऑनलाइन बैठक हुई। इस बैठक में औद्योगिक संगठनों, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम व उद्योग विभाग से जुड़े अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान एनटीएच के अधिकारियों ने इस तथ्य को समझा कि शहर में किस सेक्टर के उत्पादों का कार्य अधिक हैं। इनमें प्रमुखता से लेदर व टेक्सटाइल की टेस्टिंग के लिए प्रमुखता से बात की गई। इस सर्वे के आधार पर ही शहर में जल्द शुरू होने वाली फ्लैटेड फैक्ट्री में मशीनों को स्थापित किया जाएगा। एनटीएच के लिए फैक्ट्री में स्थान उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम को देना है। निगम की ओर से स्थान का चयन भी कर लिया गया है। नेशनल टेस्टिंग हाउस के लिए नवंबर महीने में नेशनल टेस्टिंग हाउस की टीम की ओर से फ्लैटेड फैक्ट्री का निरीक्षण भी किया जा चुका है।

सिटी ब्रीफ

सीएसए विवि में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा नवीन सत्र के छात्र छात्राओं के लिए दीक्षारम्भ सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सीएल मौर्य अधिष्ठाता कालेज ऑफ़ एग्रीकल्चर द्वारा की गई। उन्होंने छात्रों को नैतिक गुणों अनुशासन व्यक्तित्व विकास तथा सर्वांगीण विकास के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही डॉ मौर्या ने यह भी समझाया कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास कर अपने भविष्य को अधिक सशक्त बना सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ नौशाद खान ने विश्वविद्यालय की संरचना, नियमों एवं सुविधाओं के बारे में छात्रों को विस्तृत रूप से अवगत कराया।

बच्चों ने निकाली रैली

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा गांव जैतीपुर कुंतलिया, किशोरा के श्री ज्वाला देवी जनता इंटर कॉलेज में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में स्कूल के बच्चों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कहा कि धान की पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है इसलिए कोई भी किसान पराली को न जलाए। उन्होंने कहा कि जनपद में फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए हैं।

खेल प्रतियोगिता हुई

कानपुर। राजकीय आईटीआई पांडु नगर में मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस आयोजन में निजी और सरकारी आईटीआई के प्रशिक्षार्थियों ने कानपुर मंडल के अलग-अलग जिलों से आकर प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सुरेंद्र मैथानी मौजूद रहे। इस दौरान कलम एक स्वैच्छिक संस्था के द्वारा एक हेल्थ कैंप भी लगाया गया। नोडल प्रधानाचार्य व मुख्य अतिथियों के द्वारा सफल प्रशिक्षार्थियों को मेडल, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट का वितरण भी किया गया। इस दौरान विभव शुक्ला, हिमांशु तिवारी, पवन कुमार, एसबी सिंह, प्रमोद पाण्डेय, प्रतीक पाण्डेय, प्रणव प्रकाश सिंह, अजय द्विवेदी, रवि , अमित दीक्षित,रिजवान अहमद मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह में निकाह की रस्म पूरी कराते मौलवी। अमृत विचार

हिंदू जोड़ों ने सामूहिक रूप से विवाह की रस्में निभाईं। अमृत विचार

जयमाला पहना एक दूजे के हुए 551 जोड़े

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 540 जोड़ों ने लिए 7 फेरे, 11 ने कुबूल किया निकाह

सामूहिक विवाह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को 551 जोड़े कए दूजे के हुए। इस दौरान सामाजिक सौहार्द, परंपरा और सामूहिक उल्लास रहा। आयोजन में 11 जोड़े ऐसे भी थे, जिन्होंने निकाह पढ़ा। 540 हिन्दू जोड़े रहे।

समारोह में पहले सभी जोड़ों का बॉयोमेट्रिक एवं फेस-अटेंडेंस से सत्यापन किया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में विशेष काउंटर लगाए गए। सत्यापन पूरा होने पर हर जोड़े को पहचान के लिए चिह्नांकन बैंड दिया गया। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की निराश्रित, जरूरतमंद, विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा महिलाओं को सम्मानजनक विवाह का अवसर देने वाली पहल मानी गई। बताया गया कि योजना के तहत हर जोड़े को एक लाख रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें कन्या के खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, उपयोगी वैवाहिक सामग्री तथा आयोजन व्यय शामिल होता है।

समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक सरोज कुरील, एमएलसी सलिल बिश्नोई, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व उप जिलाधिकारी सदर अनुभव, जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

किसी के हाथ से छूटी प्लेट कोई देखता ही रहा:अ विवाह समारोह में भोजन को लेकर अफरा-तफरी रही। हालात यह हुए कि कई लोगों की प्लेट तक हाथ से छूटकर गिर पड़ी। खासतौर पर भोजन करने आई महिलाएं और बच्चों को खासी परेशानी हुई।

भीड़ और अव्यवस्था देख कई महिलाएं अपने बच्चों को भोजन टेबल के पास तक न ले जा सकी। कल्याणपुर से आईं कविता पाल ने कहा कि वे अपने बच्चों को भोजन कराने आई थी। खाली प्लेट लेकर बैठी है।

भीड़ देखकर उनकी हिम्मत भोजन तक पहुंचने की नहीं है। इस अफरा-तफरी को संभालने के लिए एडीएम सिटी राजेश कुमार, जिला आपूर्ति अधिकारी राकेश सिंह और सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा संजय सिंह व्यवस्थाओं को नियंत्रित करते रहे।

सामूहिक विवाह में जोड़ों के साथ खचाखच भरा रहा पंडाल। अमृत विचार

मंगल गीतों के साथ खुशी से नाचे लोग

- कार्यक्रम के दौरान विवाह संस्कारों की मधुर ध्वनियां, दुआओं की गूंज, सजावट की गरिमा और परिवारों की प्रसन्नता मिलकर माहौल में उत्साह भर रहीं थी। विवाह क बाद वर-वधु जैसे ही अपने परिवारों के पास पहुंच रहे थे, वैसे ही मंगल गीतों के साथ उनका स्वागत किया जा रहा था। इस दौरान परिवारजनों ने इन क्षणों को अपने मोबाइल फोन पर भी कैद किया। फोटो और सेल्फी का सिलसिला लगातार जारी रहा। परिवार संग आए कई लोगों ने इस माहौल में नृत्य कर दूल्हा व दूल्हन के इन पलों को भव्य कर दिया।

नोएडा में नौकरी शहर में शादी

विवाह बंधन में बंधे शिवकांत नोएडा में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। उनका विवाह गुरुवार को सपना से हुआ। शिवकां ने बताया कि उनकी पत्नी सपना भी राजस्थान में नौकरी करती हैं। अब दोनो मिलकर काम कर अपना जीवन बेहतर बनाएंगे।

नौकरी, शादी और अब जिम्मेदारी

समारोह के दौरान नौरंगा के रवि ने भी घाटमपुर की नेहा से विवाह रचाया। विवाह के बाद रवि ने बताया कि वे नौकरी करते हैं। अब शादी के बाद वे अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे। नेहा ने कहा कि वे अपने घर को एक सपनों का घर बनाएंगी।

राजस्थानी थीम पर आज से महोत्सव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री राणी सती दादी परिवार मंगल समिति की ओर से 12 दिसंबर से तीन दिवसीय महोत्सव की शुरुआत होने जा रही है। इस महोत्सव के पहले दिन निकलने वाली यात्रा में इस बार भक्तों को राधकृष्ण व शिव तांडव जैसी झांकियां देखने को मिलेंगी। महोत्सव की थीम इस बार राजस्थान रखी गई है।

समिति के अध्यक्ष अखिल खेतान ने बताया कि अबकी बार अद्भुत श्रृंगार में श्री दादी जी राजस्थानी परिधान में आकर्षक महल में विराजित होंगी। पंडाल की साज-सज्जा राजस्थानी नाल, नारियल की डोरी एवं चुनरी के द्वारा की गई है। इसी तरह महामंत्री श्रीनाथ जालान ने बताया कि 13 दिसम्बर रात 7 बजे उत्सव स्थल में श्री दादी जी की भव्य अलौकिक झांकी, छप्पन भोग, अखण्ड ज्योति के प्रज्जवलन के साथ सुमधुर भजन संध्या की शुरुआत होगी। रात में 13 विशेष चुनड़ी को दादी जी को जय शंकर चौधरी कोलकाता, कुंवर तेजस राणा, अजमेर एवं अभिषेक शर्मा, कोलकाता के द्वारा संगीतमयी वातावरण में नृत्य करते झूमते हुए दादी जी को अर्पित की जायेगी। 14 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे से सूरत की सुरभि बिजुरका श्री दादी जी का मंगल पाठ करेंगी।शाम 6 बजे से भजन दोबारा शुरू होंगे। जिसमें कृष्ण कुमार तुलस्यान, शुभम रुपम, कोलकाता, पायल अग्रवाल दादी भजनों की अमृत वर्षा करेंगे।

राणी सती दादी परिवार मंगल समिति के पदाधिकारियों ने जानकारी दी। अमृत विचार

- राधा-कृष्ण और शिव तांडव की झांकी के साथ निकलेगी यात्रा

भाषण देने में विवि की दो छात्राओं ने जीते पुरस्कार

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर की छात्राओं ने प्रदेश स्तर पर परचम लहराया है। अटल बिहारी बाजपेई स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज की छात्रा समृद्धि तिवारी और स्कूल ऑफ आर्ट ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज की छात्रा अनुष्का शुक्ला ने यह उपलब्धि हासिल की है। दोनो छात्राओं ने महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में हुई राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में पहला और द्वितीय स्थान हासिल किया है। छात्राओं को मुख्यमंत्री से पुरस्कार हासिल हुआ है। इस भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर ने किया था। प्रतियोगिता का विषय '2047 का विकसित भारत : हमारी संकल्पना' पर छात्राओं ने विचार रखे थे। प्रथम विजेता को 15 हजार नकद, प्रमाण पत्र, द्वितीय विजेता को 12 हजार नकद व प्रमाण पत्र दिया गया।

- राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में विवि की दो छात्राओं ने मारी बाजी
- बीएएलएलबी की छात्रा समृद्धि तिवारी ने हासिल किया प्रथम स्थान

धर्म-अध्यात्म | शकुंतला शक्तिपीठ विकास नगर में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का पांचवां दिवस

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मेधा महायज्ञ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर में आयोजित लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के पंचम दिवस विद्यार्थियों के लिए मेधा महायज्ञ का आयोजन किया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कालेज के छात्रों ने मां सरस्वती की कृपा प्राप्ति एवं उत्तम स्मरण शक्ति के लिए यज्ञ में हिस्सा ले कर आहुतिया प्रदान कीं। इस दौरान पीठ के संस्थापक आचार्य डॉ. अमरेश मिश्र और डा. सुनीता मिश्रा ने उन्हें हनुमान चालीसा और कलम भेंट कर मंगलमय जीवन का आशीर्वाद दिया।

आचार्य डॉ. अमरेश मिश्र ने कहा कि यज्ञ का उद्देश्य मानव कल्याण है। राष्ट्र के उत्थान, मानव के कल्याण के लिए यज्ञ होना बहुत ही जरूरी है। यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है और नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है। इससे सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण से प्रेम करना चाहिए। जन्मदिन, शादी की सालगिरह, पुण्य तिथि आदि तिथियों पर पौधों का रोपण अवश्य करना चाहिए।

इस अवसर पर कर्नल आशीष मिश्रा ने उनका सम्मान किया और आचार्य डॉ. अमरेश मिश्र ने उन्हें आशीर्वाद दिया। महायज्ञ में 50 बालकों के यज्ञोपवीत संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार, विद्यारंभ संस्कार इत्यादि संपन्न कराए गए। श्रीमद्भावगत कथा में सदानंद जी महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने उस पूतना को भी सद्गति प्रदान की, जो अपने स्तन में विष का लेप करके उन्हें दूध पिला रही थी। पूतना का उद्देश्य तो प्रभु को मारना था, लेकिन प्रभु ने उसका भी कल्याण किया।

उन्होंने कहा कि अनजाने में ही सही, यदि आप प्रभु के नाम का स्मरण करते हैं तो आपका कल्याण निश्चित है।

आज आएंगे उप मुख्यमंत्री: उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शुक्रवार को यज्ञ में हिस्सा लेंगे और नगर के वरिष्ठ उद्योगपति, डाक्टर, अधिवक्ता तथा भारतीय सेना के सैनिकों को सम्मानित करेंगे। वह राष्ट्र के कल्याण के लिए यज्ञ में आहुति भी प्रदान करेंगे

महायज्ञ में शामिल होने पहुंचे पं.दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज के छात्र। अमृत विचार

जीएसवीएम में आज से होगी तरंग की धूम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में आज शुक्रवार से एमबीबीएस पैरा क्यू-2 (तृतीय वर्ष) के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक उत्सव तरंग-2025 और मेडिकल प्रदर्शनी प्रबोधनम् का आयोजन शुरू किया जाएगा, जिसका समापन 15 दिसंबर को होगा। इसके संबंध में गुरुवार को कॉलेज परिसर में तैयारियां और अभ्यास पूरे जोश के साथ जारी रही। मेडिकल प्रदर्शनी में कई शहरों के 15 स्कूलों से करीब 500 विद्यार्थी आमंत्रित किए गए हैं।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला के मुताबिक इस प्रदर्शनी का उद्देश्य स्कूली छात्रों को चिकित्सा शिक्षा, आधुनिक तकनीक और विभिन्न विभागों में होने वाले वैज्ञानिक कार्यों से रुबरु कराना है। छात्रों ने विभागों के विस्तृत मॉडल तैयार किए हैं। इन मॉडलों में मानव शरीर की संरचना, रोगों की प्रक्रिया, उपचार पद्धतियों और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहेगा। विद्यार्थियों ने समूह नृत्य, एकल गायन, बैंड परफॉर्मेंस, कविता-पाठ, नाटक, पोस्टर-मेकिंग, कार्टूनिंग और अन्य कई सांस्कृतिक विधाओं में भाग लिया।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री अनुपमा शर्मा से संबंध-विच्छेद कर अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, उसके कृत्य व लेनदेन का मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार न होगा। **भानुदत्त शर्मा पुत्र स्व. रघुवीरदत्त शर्मा निवासी- 2/332 साहबगंज नरायनदास, फर्रुखाबाद।**

सूचना

पहले मेरा नाम IBAD ASIF जो कि बदलकर IBAAD ASIF रख लिया है। अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **IBAAD ASIF S/O- ASIF IFTIKHAR शादाब कालोनी रहीम नगर महानगर लखनऊ।**

सूचना

मेरी पुत्री का नाम जन्म प्रमाण पत्र में प्रियांशी अंकित हो गया है, जबकि पुत्री के शैक्षिक प्रमाण पत्र में नाम प्रिशा पुत्री अतुल कुमार शर्मा है जो सही है। पुत्री को प्रिशा नाम से ही जाना व पहचाना जाए। **अतुल कुमार शर्मा, निवासी 4/ 108, नुनहाई स्ट्रीट, फर्रुखाबाद।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम मोहम्मद सुहैल था जिसे बदलकर मैंने सुहैल खान कर लिया है। मेरी जन्म तिथि 20.06.1984 है। अतः मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **सुहैल खान पुत्र अब्दुल गफ्फार, बंगला वार्ड अमेठी लखनऊ। मो0: 7905092885**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शपथी का नाम व जन्मतिथि पासपोर्ट में त्रुटिवश MOHAMMAD ZAFAR व जन्मतिथि-20.10.1986 अंकित हो गया है जबकि शपथी का वास्तविक नाम व जन्मतिथि जफर मो0 शेख (ZAFAR MOHD SHAIKH) व जन्मतिथि-01.01.1985 है। अबसे मैं सभी जगह कानूनी रुप से जफर मो0 शेख (ZAFAR MOHD SHAIKH) नाम का उपयोग करूंगा और इसी नाम से जाना जाऊँगा।

सूचना

त्रुटि वश मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम ओमकार नाथ दर्ज हो गया है जबकि मेरा सही नाम ओमकार नाथ चौरसिया है। मुझे ओमकार नाथ चौरसिया के नाम से लिखा-पढा एवं जाना पहचाना जाये। **ओमकार नाथ चौरसिया पुत्र-राधेश्याम चौरसिया पता- 568ख/442, गीता पल्ली आलमबाग, लखनऊ।**

सूचना

पहले मेरा नाम SAI KARRAR HUSAIN था से बदलकर SYED KARRAR HUSAIN रख लिया है। अब मुझे SYED KARRAR HUSAIN के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-SAI TAKBIR HUSAIN ADD - MOHALLA UPARI ASHRAF TOLA SANDILADIST-HARDOI -241204 (U.P)**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आशीष सिंह, RegtlNo -G/5036335X, 39 असम राइफल्स ग्रा. गोविन्दपुर, पो. व थाना सरेनी तह. लालगंज, जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरा पूर्व निवास स्थान चेक पोस्ट, भादरा पारा, बालकोनगर, थाना बालकोनगर तह. कोरबा, जिला कोरबा, छत्तीसगढ़ (495684) का निवासी था। जो कि वर्तमान पता ग्रा. गोविन्दपुर, पो. व थाना सरेनी तह. लालगंज, जिला रायबरेली उत्तरप्रदेश (229212) का निवासी हूँ। जिसे सभी दस्तावेजों में दर्ज किया जाए।

कार्यालय-जिलाधिकारी, कन्नौज

पत्रांक-1997/आठ-अ0जि0 (भू0अ0) कानपुर नगर — दिनांक: 10/12/2025

आवेदन पत्र का आमंत्रण

जनपद कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के सन्निकट विकसित किये जा रहे औद्योगिक गलियारा परियोजना हेतु ग्राम-अलीपुर अहाना तहसील तिर्वा जनपद कन्नौज, रकबा 45.2040हे0 भूमि का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है।

उक्त भूमि के अर्जन से पूर्व भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 एवं भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार (उ0प्र0) नियमावली-2016 के अनुसार सामाजिक समाघात आंकलन (Social Impact Assessment) एवं सामाजिक प्रबन्धन योजना (Social Impact Management) तैयार करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय / राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी / अन्य संस्थान / गैर सरकारी संस्थान /विश्वविद्यालयों आदि से, उक्त परियोजना हेतु प्रस्तावित भूमि के सम्बन्ध में अध्ययन करने के लिये तकनीकी एवं वित्तीय निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.- **पात्रता :-**

अ- सामाजिक समाघात आंकलन (Social Impact Assessment) एवं सामाजिक प्रवन्धन करने हेतु प्रतिष्ठित योजना (Social Impact Management) केन्द्रीय / राज्य सरकार / अर्द्ध सरकारी / अन्य संस्थान / गैर सरकारी संस्थान /विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन किया जा सकता है।

ब- इच्छुक गैर सरकारी संस्थान प्रश्नगत अधिनियम में कम्पनी/सोसायटी के रूप में पंजीकृत हो अथवा कम से कम पिछले पाँच वर्ष पूर्व से किसी अन्य सुसंगत अधिनियम में पंजीकृत हो।

स- संस्थान के पास पर्याप्त मानव संसाधन, जिसमें योग्य स्तर के प्रबन्धन के लिये उपयुक्त व्यक्ति, जो शीर्ष और मध्यम स्तर के प्रबंधन स्तर पर कुशल कार्य कर रहे हो।

द- संस्थान के पास पेशेवर प्रबन्धन, अर्थशास्त्री, समाज शास्त्री/ मानव वैज्ञानिक आदि होने चाहिये, जिसका विवरण आवेदन पत्र के साथ देना अनिवार्य होगा।

य- पूर्व में जिन्होने सामाजिक समाघात अध्ययन एवं सामाजिक प्रबन्धक योजना तैयार किया हो, ऐसे संस्थान को वरीयता दी जायेगी।

2.- आवेदन का प्रारूपः संस्थान द्वारा किये गये आवेदन में संस्थान की संरचना का विवरण शामिल होना चाहिए, जो सामाजिक प्रभाव अध्ययन मूल्यांकन करने के लिये जिम्मेदार होगा। आवेदन के साथ सामाजिक प्रभाव अध्ययन या इसी तरह से जुडे पूर्व में किये गये अध्ययनों का विवरण दिया जाये, जिसमें परियोजना के सम्बन्ध में अध्ययन किये जाने सम्बन्धी समय और स्वरूप का विवरण विस्तार से हो।

3.- पात्रता का चयनः प्राप्त कुल आवेदनों का मूल्यांकन संस्थान द्वारा दिये गये विवरण के आधार पर किया जायेगा। इस कार्य हेतु उपलब्ध स्टाफ, कार्यरत विशेषज्ञों तथा प्रस्तावित कार्यक्षेत्र अथवा अन्य प्रकार की परियोजनाओं हेतु किये गये पूर्व अध्ययन को शामिल किया जायेगा। अतः संस्था द्वारा विवरण अवश्य अंकित किया जाये।

4.- संस्थान के चयन को निरस्त के लिए किसी भी कारण का बताया जाना अनिवार्य नहीं होगा।

5-इच्छुक संस्थानों के आवेदन पूर्ण विवरण के साथ कार्यालय में अथवा पंजीकृत डाक से दिनांक 20.12.2025 तक निम्न पते पर स्वीकार किये जायेगें।

कार्यालय-अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) 37/17 वेस्टकाट बिल्डिंग माल रोड कानपुर नगर।

6-आवेदक द्वारा तकनीकी मूल्यांकन किया जायेगा। वित्तीय मूल्यांकन हेतु सामाजिक समाधात आकलन (Social Impact Assessment) अध्ययन किये जाने के लिये संस्थान द्वारा लिये जाने वाला शुल्क का विवरण (कर सहित) अलग सीलबन्द लिफाफे में दिया जाना होगा। इसके अभाव में आवेदन पर विचार नही किया जायेगा।

नोटः- प्रस्तावित भूमि का पूर्ण विवरण यथा खसरा / क्षेत्रफल / प्रभावित व्यक्ति / मानचित्र (ब्लू प्रिन्ट) आदि अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) कानपुर नगर के कार्यालय में किसी भी कार्यालय दिवस में देखा जा सकता है।

कलेक्टर
भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ
कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

कैंप में बिजली विभाग ने वसूला 1.91 लाख रुपये का राजस्व

शुक्लागंज। बिजली बिल बकायेदारों के लिए यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा चलाए जा रहे बिजली बिल राहत योजना के तहत नगर में कैंप लगाकर राजस्व वसूली की जा रही है। दिसंबर माह तक चलने वाले पहले चरण में उपभोक्ताओं को सरचार्ज पर 100 प्रतिशत और मूल धन पर 25 प्रतिशत छूट प्रदान की जा रही है। गुरुवार को पोनी रोड और बम-बम चौराहा पर उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में ओटीएस कैंप आयोजित किया गया। कैंप में जेई चांद बाबू, टीजी-2 पवन कुमार, महेंद्र, सतीश सहित लाइन स्टाफ ने घर-घर पहुंचकर बकायेदारों को योजना की जानकारी दी और पंजीकरण के लिए प्रेरित किया। सुबह से शाम तक कैंप में उपभोक्ताओं की निरंतर भीड़ बनी रही। उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि गुरुवार को 25 उपभोक्ताओं ने ओटीएस के तहत पंजीकरण कराया, जिससे विभाग को कुल 1 लाख 91 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की कि वे दिसंबर माह तक संचालित छूट योजना का लाभ समय रहते उठाएं, जिससे बिजली कटौती और अतिरिक्त सरचार्ज से राहत मिल सके।

शिक्षक संघ ने की चयन वेतनमान की मांग

उन्नाव। जूनियर शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधि मंडल जिला अध्यक्ष अनुपम मिश्र के नेतृत्व में गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय संजय यादव से मिला। बीएसए की अनुपस्थिति में संघ ने जनपद के शिक्षक-शिक्षिकाओं की विभिन्न समस्याओं को रखते हुए एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधियों ने चयन वेतनमान, अवरुद्ध वेतन, एरियर भुगतान और सेवानिवृत्ति से संबंधित मुद्दों के समाधान की मांग की। संघ ने बताया कि शिक्षकों का चयन वेतनमान काफी समय से लंबित है। जुलाई 2025 में कुछ चयन वेतनमान स्वीकृत किए गए थे, लेकिन कई पात्र शिक्षकों को सूची से बाहर कर दिया गया। संघ ने सभी पात्र शिक्षकों के चयन वेतनमान शीघ्र स्वीकृत कर आदेश जारी करने की मांग की। इसके अलावा जिन शिक्षकों का वेतन अवरुद्ध या वे निलंबित हैं, उनके मामलों पर सहानुभूतिपूर्ण विचार कर बहाली आदेश जारी करने की भी मांग की गई। महंगाई भत्ते का एरियर अभी तक शिक्षकों के खातों में न पहुंचने पर नाराजगी जताते हुए संघ ने अवरुद्ध वेतन के एरियर सहित सभी देयों के शीघ्र भुगतान की बात कही। साथ ही 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों की पेंशन पत्रावलियाँ जल्द तैयार कर लखनऊ पेंशन कार्यालय भेजने और भविष्य निधि सम्बन्धी प्रक्रिया समय पर पूर्ण करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हिंदू-मुस्लिम एकता की नजीर पेश कर रहा तकिया मेला

जिलाधिकारी गौरांग राठी, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश एवं क्षेत्रीय विधायक आशुतोष शुक्ला ने दीप जलाकर किया शुभारंभ

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक माना जाने वाला सहस्त्र लिंगेश्वर महादेव मंदिर एवं बाबा मोहम्मद शाह तकिया मेला गुरुवार को धूमधाम से शुरू हुआ। मेले का शुभारंभ जिलाधिकारी गौरांग राठी, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश एवं क्षेत्रीय विधायक आशुतोष शुक्ला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद बाबा मोहम्मद शाह की मजार पर चादरपोशी की गई। अधिकारियों ने सहस्त्र लिंगेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन और जलाभिषेक भी किया।

लिंगेश्वर महादेव मंदिर में पूजा करते विधायक, डीएम व एसपी। अमृत विचार

बाबा मोहम्मद शाह में ताजपोशी करते विधायक, डीएम व एसपी। अमृत विचार

मेले में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टाल भी आकर्षण का केंद्र बने रहे। जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों ने उद्यान, खाद्य, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन कर जनता को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात मंच पर माजिद कव्वाल हस्सानी ग्रुप मनकापुर, बीघापुर द्वारा प्रस्तुत हिंदू-मुस्लिम एकता, राष्ट्रप्रेम और भक्ति परक कव्वाली का आनंद लिया गया। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कहा कि तकिया मेला केवल सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है। यह मेला वर्षों से उन्नाव की

- 400 वर्षों से अधिक पुराने परंपरागत मेले का हुआ उद्घाटन

गंगा-जमुनी तहजीब और हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश पूरे प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश भर में देता आ रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न समुदायों के लोग दूर-दराज से आकर इस मेले का हिस्सा बनते हैं, जो स्वयं में एक मिसाल है। परंपरा के अनुसार मेला 15 दिनों तक आयोजित होगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़, उप जिलाधिकारी बीघापुर, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार सहित अनेक अधिकारी और मेला कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से वृद्धा की मौत

बांगरमऊ। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर मझगवां निवासी कमला (60) पत्नी रामनाथ गुरुवार की शाम में पैदल सड़क पार कर रही थी। तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे रौंद दिया। हादसे के बाद गांव का निवासी चालक संतोष ट्रैक्टर छोड़ कर भाग निकला। वृद्धा को गंभीर घायल हालात में परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मां की मौत से बेटे निरंजन , सुधांशु व चार बेटियां रो-रोकर बेहाल रही। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश पांडेय ने बताया कि शव को मोर्चरी भेजा गया है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर ट्रैक्टर सीज कर चालक पर कार्रवाई की जाएगी।

गोली मारकर की गई थी महिला की हत्या

अमृत विचार Follow UP

उन्नाव, अमृत विचार। अचलगंज के मन्ना खेड़ा में ट्यूबवेल आपरेटर की पत्नी की हत्या गोली मारकर की गई थी। हत्यारे ने बाई कनपटी से सटा गोली दागी जो भेजा चीरते हुए दाई ओर से पार हो गई। इसके अलावा उसके चेहरे व सिर पर भी 8 चोंट मिली है। सूत्र बताते है पूरी वारदात के पीछे किसी बेहद अपने का हाथ है। हालांकि पुलिस ने पति ने जिन लोगों पर शक जताया था उनसे भी पूछताछ कर रह रही है।

अचलगंज के मन्ना खेड़ा गांव निवासी राम खेलावन जल निगम में रायबरेली जिला के सलोंन तहसील के मियागंज रानीपारा में ट्यूबवेल आपरेटर है। उसके एक बेटा था। जिसकी मौत हो गई थी। गांव के बाहर वह खेत के पास अपना मकान बनाए था। वहां वह पत्नी नगीना (55) के रहता था। सप्ताह में एक दिन छुट्टी पर वह घर लौटता था। बुधवार सुबह गांव का एक युवक खेत में पानी लगाने के लिए जीन मांगने पहुंचा तो वहां नगीना रक्तरंजित शव मिला था।

मारपीट में युवक की गई जान

उन्नाव, अमृत विचार। अलाव के लिए रखी लकड़ी में टक्कर लगने से पड़ोसी युवकों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। इसमें एक युवक के सिर पर डंडे से आई चोटों से मौत हो गई। पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

नूरदी नगर मोहल्ला निवासी तुफैल (24) पुत्र मो. रईस गैराज में चार पहिया वाहनों की रिपेयरिंग का काम सीखता था। घर के बाहर अलाव जलाने को लेकर उसकी पड़ोसी युवक रहमत अली पुत्र सबीर से अंदरूनी खुन्नस चल रही थी। बुधवार की देर रात रहमत अलाव जलाए था। तभी तुफैल अपने चाचा के घर से लौट रहा था। इस दौरान उसका पैर लकड़ी से टकरा गया। इसमें दोनों के बीच कहासुनी के बाद गाली गलौज हुई। इसी में गुस्से में रहमत ने पास में रखे डंडे से उसके सिर में प्रहार कर दिया। इसी बीच बहन सैदीन व अन्य परिजन पहुंचे और सिर की चोट मामूली समझ कर घर में पट्टी बांध दी। आपसी विवाद मानकर उस समय परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस नहीं दी। लेकिन देर रात के बाद उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां से कानपुर रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर लौटे तो इकलौते बेटे का शव देख मां अनिशा बेहाल हो गई। जानकारी पर कोतवाली प्रभारी ने मौके पर पहुंच कर जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं युवक की मौत के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। तुफैल दो बहनों में अकेला भाई था। पिता सउदी अरब में मजदूरी करते है। गुरुवार को हुए पोस्टमार्टम में उसके सिर पर एक चोट मिली। जिससे आंतरिक ब्लीडिंग होने से उसकी जान चली गई। सीओ दीपक यादव ने जांच कर आरोपी युवक पर रिपोर्ट दर्ज की गई। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने गैर इरादतन हत्या में केस दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश में पुलिस टीमें लगाई गई है।

तुफैल (फाइल फोटो।

हैंगिंग से हुई थी युवती की मौत, पति पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार Follow UP

उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के सराय मलकादिम निवासी पप्पू सिंह की बेटी सीता (25) का शव बुधवार को घर के अंदर फंदे से लटका मिला था। छोटी बहन दिव्यांशी के मुताबिक बहन कि शादी 30 नवंबर-2025 को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में मौला बांकीपुर गांव निवासी पारस से हुई थी। इसके बाद से बहन मायके आई थी। बुधवार दोपहर उसका पति पारस उसे विदा कराने ससुराल आया था। लेकिन सीता ने जाने से मना कर दिया था। इस पर दोनों में विवाद हुआ। उसी के बाद सीता का शव उसके कमरे में फंदे पर लटका मिला था। बहन ने बताया कि पारस अपने साथ सीता के मोबाइल में पड़ा सिम भी ले गया है। मृतका के पिता पप्पू सिंह की तहरीर पर पुलिस ने पति पारस पर दहेज हत्या और मानसिक उत्पीड़न की धारा में प्राथमिकी दर्ज हुई है। कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि के पिता की तहरीर पर आरोपी पति पर रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

ट्रांस गंगासिटी के उपकेंद्र का निरीक्षण

- दिसंबर तक शेष कार्य पूरा करने के दिये निर्देश

शुक्लागंज, अमृत विचार। ट्रांस गंगासिटी परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन 220/33 केवी जीआईएस उपकेंद्र का निरीक्षण यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ किया। उन्होंने उपकेंद्र के निर्माण और लाइन कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए शेष कार्य को दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए।

करीब साढ़े दस बजे पहुंचे अध्यक्ष गोयल के साथ निदेशक (ऑपरेशन) पियूष गर्ग, कार्य एवं परियोजना निदेशक अमिताभ, पारेषण मध्य के मुख्य अभियंता अखिलेश श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता नरेन्द्र कुमार पांडेय, अधीक्षण अभियंता राज कुमार, अधिशासी अभियंता अनूप कुमार, अंकित पाठक (लखनऊ) और भरत गौतम मौजूद रहे। टीम ने उपकेंद्र का निरीक्षण कर भवन, उपकरण स्थापना और लाइन निर्माण कार्य की स्थिति जानी। निरीक्षण के दौरान यूपीपीसीएल अध्यक्ष ने परिसर में परिजात और अशोक का पौधा भी रोपित किया। उन्होंने बताया कि लगभग 85 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह जीआईएस उपकेंद्र ट्रांस गंगासिटी क्षेत्र के लिए 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति का आधार बनेगा। इससे कमर्शियल और घरेलू दोनों प्रकार के कनेक्शनों को गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। अध्यक्ष ने बताया कि उपकेंद्र में लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और केवल लाइन से जुड़ा करीब 5 प्रतिशत कार्य शेष है, जिसे दिसंबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

मिश्रा कॉलोनी की कटान रोकने के कार्य का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

शुक्लागंज। मिश्रा कॉलोनी के सामने गंगा कटान की बढ़ती आशंका को देखते हुए सिंचाई विभाग शारदा नहर खंड द्वारा बीते कई दिनों से पायलिंग का कार्य कराया जा रहा है। गुरुवार को इसी कार्य का निरीक्षण करने के लिए विभाग के एक्सईएन गगन कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने कटान रोधी उपायों की प्रगति को परखा और अधिकारियों को निर्धारित समय में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे कटान को रोकने के लिए विभाग की ओर से बल्लियां और झाड़ियां लगाकर पायलिंग की प्रक्रिया चलाई जा रही है। इससे कटान पर फिलहाल कुछ नियंत्रण हुआ है।

दुष्कर्म के दोषी को 21 साल की सजा

- कोर्ट ने लगाया 40 हजार रुपये का जुर्माना

उन्नाव, अमृत विचार। 11 साल की किशोरी से दुष्कर्म के दोषी युवक को कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए उसे 21 साल की सजा सुनाई है। साथ हो कोर्ट ने उस पर 40 हजार का जुर्माना भी लगाया।

फतेहपुर चौरासी के एक गांव में निवासी महिला ने 31 मार्च-2018 को गांव में रहने वाले कुंजीलाल व उसके दामाद बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र दारापुर निवासी तेजपाल पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला का आरोप था कि तेजपाल अपनी ससुराल आया था। घटना वाले दिन उसकी नाबालिग बेटी शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। तभी पहले घात लगाए बैठे तेजपाल से उसे दबोच कर झाड़ी में खींच ले गया। जहां उसने बेटी से दुष्कर्म किया था। इसकी शिकायत लेकर वह कुंजीलाल के घर गई। जहां उसने झूठा आरोप लगाने की बात कहकर डंडों से पिटाई कर दी। पुलिस ने किशोरी का मेडिकल करा न्यायालय में कलमबंद बयान दर्ज कराए। जिसमें उसने बताया कि तेजपाल ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। 1 अप्रैल-2018 को पुलिस ने तेजपाल को पकड़ कर जेल भेजा था। आईओ ने 22 अप्रैल-2018 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। तभी से केस एडीजे-12 कोर्ट में विचाराधीन था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद शासकीय अधिवक्ता प्रदीप श्रीवास्तव की दलीलों व प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश शैलेंद्र सिंह यादव ने तेजपाल को दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में 21 साल की सजा सुनाई। मुकदमें में आरोपी ससुर कुंजीलाल के खिलाफ मारपीट में पर्याप्त साक्ष्य न मिलने पर उसे दोषमुक्त करार दिया।

सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी हैं भाषाएं: दीपेश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत गुरुवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय भानपुर, हसनगंज में भाषा रंगमंच का आकर्षक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भारतीय भाषाओं की समृद्ध विरासत को एक परिवार के रूप में मंच पर जीवंत किया। समापन दिवस पर बच्चों ने विभिन्न भाषाओं में निहित एकता, इतिहास और सांस्कृतिक वैभव को रोचक प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया।

खंड शिक्षा अधिकारी हसनगंज दीपेश के नेतृत्व में विकास खंड के कई विद्यालयों में विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। भानपुर विद्यालय में विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा परिवार की प्रस्तुति देते हुए संस्कृत से लेकर आधुनिक भारतीय भाषाओं तक की विकास यात्रा को सरल और प्रभावी शैली में समझाया। इसके बाद आयोजित भाषा परिवार प्रस्तुति में बच्चों ने बताया कि किस प्रकार हिंदी, बंगला, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, असमिया, पंजाबी, कश्मीरी सहित अन्य भारतीय भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक जड़ों से गहराई से जुड़ी हैं। कार्यक्रम विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका एवं स्टेट रिसोर्स ग्रुप सदस्य मसर्रत फातमा के निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसमें इंचार्ज शिक्षक रामकांत वर्मा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में भाषा परिवार की भूमिकाएँ निभाने वाले विद्यार्थियों अलीशा, रिया, जितेंद्र, गुफरान, जतिन, मनीषा, नैन्सी और आकांक्षा की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

विद्यालय रंगमंच पर विभिन्न भाषाओं का एक परिवार दिखाते छात्र। अमृत विचार

मिल-जुल कर रहने का दिया संदेश

उन्नाव, अमृत विचार। भारतीय भाषा उत्सव के अंतिम दिन विकास खंड सफीपुर के कम्पोजिट स्कूल रनियाँमऊ में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने अलग-अलग विषयों पर छोटे-छोटे नाटक प्रस्तुत कर शिक्षकों और अभिभावकों का मन मोह लिया। नाटक प्रस्तुत करने वालों में कोमल, छाया, आंशिका, कामिनी, रागिनी, राधा सहित कई बच्चों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी, पंजाबी, उर्दू और अवधी भाषाओं में एक प्रेरक नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें सभी धर्मों के लोगों को आपसी मेल-जोल और सौहार्द के साथ रहने का संदेश दिया गया। बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों को प्रभावित किया और सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण पेश किया। शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ और सैकड़ों बोलियाँ हैं। हर भाषा अपनी विशिष्ट संस्कृति और इतिहास समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि भाषाओं की विविधता हमें अलग नहीं करती, बल्कि एक सूत्र में बांधती है। यही भारत की असली शक्ति विविधता में एकता है। उन्होंने बताया कि नाटक का उद्देश्य भी यही संदेश देना था। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, भाषाई अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक समझ विकसित होती है। कार्यक्रम में अमित तिवारी, देवेंद्र त्रिपाठी, अनूप साहू, संतोषी देवी, सरोजनी देवी, राधा देवी सहित कई अभिभावक उपस्थित रहे।

नाटक प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

प्रतियोगिताओं में अंबिका की छात्राओं ने बढ़ाया मान

विद्यालय में छात्राओं को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को उन्नाव सहोदया द्वारा आयोजित इंटर स्कूल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय की अर्पिता शुक्ला ने हिंदी भाषण वाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। वहीं रिद्धि बाजपेई ने अंग्रेज़ी भाषण वाचन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल करते हुए अपना कौशल प्रदर्शित किया। विद्यालय प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने कहा कि विद्यालय की छात्राएं मेहनत और समर्पण से निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं, जिस पर संस्थान को गर्व है। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने दोनों छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि अनुशासन, अभ्यास और आत्मविश्वास सफलता की मूल कुंजी हैं और अर्पिता व रिद्धि ने इसे सिद्ध किया है।

आयोजन | राजधानी मार्ग स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में हुई परेड

धूमधाम से मना 77वां पीआरडी स्थापना दिवस

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। गुरुवार को युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वावधान में 77वां पीआरडी स्थापना दिवस राजधानी मार्ग सरैया स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में 88 पीआरडी स्वयंसेवकों ने सात बाय तीन फॉर्मेशन में आकर्षक परेड प्रदर्शन किया, जिसमें एक महिला टुकड़ी भी शामिल रही। जिला युवा कल्याण एवं प्रा.वि.द. अधिकारी अनिल कुमार तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन कराया।

मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज ने परेड का शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और पीआरडी स्वयंसेवकों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों ने जो उत्साह और अनुशासन का परिचय दिया है, वह सराहनीय है और सभी को अपनी ड्यूटी इसी निष्ठा के साथ निभाते रहना चाहिए। किसी भी समस्या के समाधान हेतु सीडीओ ने सहायता का आश्वासन भी दिया। परेड निरीक्षण में परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला खेल अधिकारी तथा एनसीसी निदेशक भी उपस्थित रहे। मूल्यांकन में टोली संख्या 1 प्रथम, टोली 2 द्वितीय तथा टोली 3 तृतीय स्थान पर रही। विजयी टुकड़ियों को सीडीओ द्वारा मेडल, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रथम कमांडर अर्जुन गौतम, सुलोचना, सुषेन्द्र कुमार, नीतू, कपेन्द्र बहादुर सिंह, ममता रानी और अरविंद कुमार का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम प्रभारी आदर्श कुमार त्रिवेदी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समापन पर व्यायाम प्रशिक्षक अरुणेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी सचिन सिंह, विजेता तिवारी, चांदनी सोनी, शिवा तिवारी सहित कई पीआरडी जवान व लोग उपस्थित रहे।

जवान को प्रमाण पत्र देतीं सीडीओ कृतिराज। अमृत विचार

शिशु मंदिर में शैक्षिक निरीक्षण पूर्ण

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगा नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में 9, 10 और 11 दिसंबर को आयोजित त्रिदिवसीय वार्षिक प्रांतीय शैक्षिक निरीक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रांतीय निरीक्षक एवं प्रांतीय परीक्षा प्रमुख अवधेश मिश्र, सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर के प्रधानाचार्य मुनेन्द्र शुक्ल तथा तुलसी नगर अयोध्या के प्रधानाचार्य ऋषभ बाजपेई उपस्थित रहे।

प्रथम दिवस पर अवधेश मिश्र ने 'पारसमणि' की बोध कथा के माध्यम से सेवा, धैर्य और ईश्वर भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला तथा निरीक्षण को सूक्ष्म सुधार की प्रक्रिया बताया। ऋषभ बाजपेई ने 'मूर्तिकार' प्रसंग से छात्रों में जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया, जबकि मुनेन्द्र शुक्ल ने मित्रता पर आधारित प्रेरक कथा प्रस्तुत की। निरीक्षण के दौरान शिक्षण पद्धति, उत्तरपुस्तिकाओं की समीक्षा, भाषा कौशल विकास और पंचपदी शिक्षण के प्रभावी उपयोग पर सुझाव दिए गए। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण के दौरान बैठे शिशु मंदिर के छात्र। अमृत विचार

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती वसीमा जहाँ पत्नी जाहिद खां निवासी ग्राम हरपुरा परगना कछ्छदऊ तहसील बिलग्राम जिला हरदोई ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 01–12–2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायाप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थिनी ने मोहल्ला नगवा /हबीबनगर बाँगरमऊ का एक किता प्लाट पूरब से पश्चिम 40 फिट उत्तर से दक्षिण 20 फिट कुल क्षेत्रफल 800 वर्गफीट या 74.35 वर्गमीटर प्लाट विक्रेता श्री चौ०ज्योति कुमार सिंह पुत्र० चौ० राजेन्द्र सिंह मुख्तार आम प्रेमकुमारी पत्नी स्व० चौ० राजेन्द्र सिंह निवासी मोहल्ला चौधराना बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 23–08–2013 को क्रय कर भवन का निर्माण करवा लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब–रास्ता कच्चा चौड़ा 15 फिट पश्चिम– प्लाट भूमि मालिकान उत्तर– प्लाट मोहम्मद हुसैन आदि दक्षिण– रास्ता कच्चा चौड़ा 12 फिट प्रार्थिनी ने अपने उपरोक्त भवन को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा। तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बाँगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार

शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

आदमी या तो आदमी है, वरना आदमी नहीं है, गधा है, मकान है, मेज है या और कोई चीज है।
–सआदत हसन मंटो, उर्दू कहानीकार

सख्ती और समाधान

भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाले इंडिगो संकट पर सरकार और अदालत द्वारा उठाए गए सख्त कदम सराहनीय हैं, क्योंकि यह पहली बार है, जब किसी एयरलाइन के परिचालन संकट को केवल तकनीकी या प्रबंधन त्रुटि न मानकर उपभोक्ता अधिकारों और बाजार अनुशासन की दृष्टि से देखा गया। इन हस्तक्षेपों से विमानन परिदृश्य में सुधार की उम्मीद बढ़ी है, परंतु यह बदलाव कितना स्थायी होगा, यह व्यवस्था की पारदर्शिता, नियामकीय सख्ती और राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगा।

इस मामले में कोर्ट द्वारा जांच समिति की रिपोर्ट को 'सीलबंद लिफाफे' में मांगना यह संकेत देता है कि न्यायालय बाहरी दबावों या लॉबिइंग से बचना चाहता है, हालांकि विमानन क्षेत्र से जुड़ा यह संकट न केवल लाखों यात्रियों बल्कि व्यापक आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करता है, इसलिए इसका सार्वजनिक होना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पारदर्शिता न होने पर यह आशंका बनी रहेगी कि कहीं गंभीर चूक की जानकारी दब न जाए। फिलहाल डीजीसीए के नए नियम देरी, कैंसिलेशन और यात्री सुरक्षा को मजबूती देंगे, बशर्ते उनका कड़ाई से पालन हो। इंडिगो मुख्यालय में डीजीसीए अधिकारियों की तैनाती एक तरह का 'माइक्रो-रेगुलेशन' है, जिससे परिचालन की निगरानी बेहतर होगी और कंपनी को नियामकों से दूरी की सुविधा अब नहीं मिलेगी। यदि कॉम्पिटिशन कमीशन एंटीट्रस्ट जांच शुरू करता है, तो एयरलाइन को बाजार शक्ति के दुरुपयोग, प्रतिस्पर्धा घटाने और उपभोक्ता शोषण के आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। इससे उद्योग में अनुशासन स्थापित होगा और अन्य कंपनियों को साफ संदेश जाएगा कि बाजार एकाधिकार का गलत इस्तेमाल नहीं हो सकता। यह संकट छोटा नहीं था, पांच हजार से अधिक उड़ानें रद्द, दस लाख टिकट कैंसिल, पर्यटन–व्यापार को बड़ा झटका और हजारों करोड़ का आर्थिक नुकसान, इसलिए स्वतंत्र न्यायिक जांच आवश्यक है, ताकि समस्या की जड़ें सामने आएं और भविष्य में इसके पुनरावृत्ति की संभावना समाप्त हो। अब जब सरकार कारण खोजने और जवाबदेही तय करने की बात कर रही है, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि संकट प्रबंधन में किस स्तर पर विफलता हुई- कंपनी, नियामक या मंत्रालय।

सरकार से पूछना जरूरी है कि टिकटों की कीमतें कुछ ही दिनों में 4–5 हजार से बढ़कर 30 हजार तक कैसे पहुंच गईं? क्या नियामक तंत्र सोया हुआ था? महज सख्त रवैये से सरकार इस जवाबदेही से बच नहीं सकती, क्योंकि संकट रोकना नियामकों की जिम्मेदारी थी। यात्रियों के लिए अनिवार्य मुआवजे का 'पैसेंजर रिलीफ फंड', विमान सेवा को 'राइट टू सर्विस' के दायरे में लाना और हर्जाने के स्पष्ट स्लैब बनाना- ये सब उपभोक्ता अधिकारों को मजबूत करने के व्यावहारिक सुझाव हैं। स्पष्ट बहुमत की सरकार चाहे तो कुछ ही महीनों में इस दिशा में ठोस कानून ला सकती है। भविष्य में इस बाबत कानून और ट्रिब्यूनल बनाकर एयरलाइन एकाधिकार पर अंकुश भी समाधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। नए नियम और सख्त रवैया आश्वस्त तो करता है, पर यह मान लेना कि अब ऐसी समस्या दोबारा नहीं आएगी, जल्दबाजी होगी।

प्रसंगवश

इंद्रप्रस्थ से दिल्ली तक राजधानी का सफर

आज 12 दिसंबर को कलकत्ता की जगह दिल्ली को देश की राजधानी बनाया गया था। यमुना तट पर बसी दिल्ली केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का जीवंत दस्तावेज है। पौराणिक इंद्रप्रस्थ से लेकर आज की आधुनिक राजधानी तक का यह सफर लगभग पांच हजार वर्षों का है। इस अवधि में दिल्ली सात बार उजड़ी और सात बार नए रूप में खड़ी हुई।

दिल्ली का नाम मूलतः प्राचीन संस्कृत-पाली नाम 'ढिल्लिका' या 'ढिल्ली' से निकला है, जिसका उल्लेख पहली शताब्दी के लौह-स्तंभ शिलालेख से लेकर महाभारत काल तक के ग्रंथों में मिलता है। यही समय के साथ छोटा होकर 'दिल्ली' बन गया। मध्यकाल में जब तुर्क और अफगान शासक आए तो उन्होंने फारसी शब्द 'देहलीज' (प्रवेश द्वार) से इसे 'देहली' कहा, क्योंकि यह हिंदुस्तान में आने का मुख्य द्वार थी। 'देहली' 'दिल्ली' बन गई।

जयदेव राठी
अधिवक्ता

साथ ही लोक-कथाओं में यह भी प्रचलित हुआ कि तोमर राजा अनंगपाल के समय किसी राजा 'दिलु' या 'दिल्लू' के नाम पर शहर का नाम दिल्ली पड़ा, जबकि एक जनश्रुति यह भी है कि पृथ्वीराज के जमाने में यहां ढीले-खोटे सिक्के चलते थे, इसलिए जगह को 'ढिल्ली' कहा जाने लगा। इस तरह प्राचीन 'ढिल्लिका', फारसी 'देहलीज', किंवदंती के 'राजा दिलु' और लोक व्युत्पत्ति- सब मिलकर आज के 'दिल्ली' नाम तक पहुंचे।

महाभारत के अनुसार पांडवों ने खांडवप्रस्थ के वीरान वन को विकसित कर इंद्रप्रस्थ की स्थापना की थी। पुराना किला के आसपास 1954-55 और 2013-14 में हुए उत्खनन में पेंटेड ग्रे वेयर के अवशेष मिले हैं, जो लगभग 1000 ईसा पूर्व के हैं। यह पौराणिक विरासत दिल्ली की पहचान का अभिन्न अंग है। मध्यकाल में दिल्ली ने अपना असली स्वरूप पाया। 1060 ईस्वी में तोमर राजपूत अनंगपाल द्वितीय ने लाल कोट की स्थापना की। इसके बाद पृथ्वीराज चौहान ने किला राय पिथौरा बनाया। 1192 में मुहम्मद गौरी की विजय के बाद दिल्ली सल्तनत की राजधानी बनी और यहां से भारतीय इतिहास का एक नया अध्याय शुरू हुआ।

दिल्ली सल्तनत के विभिन्न शासकों ने अपने-अपने शहर बसाए। अलाउद्दीन खिलजी ने 1303 में सीरी, गयासुद्दीन तुगलक ने 1321 में तुगलकाबाद, मुहम्मद बिन तुगलक ने जहांपनाह और फिरोज शाह तुगलक ने 1354 में फिरोजाबाद बसाया। हर शहर अपने समय की वास्तुकला और शासन व्यवस्था का प्रतीक था, लेकिन दिल्ली का सबसे वैभवशाली रूप सामने आया जब मुगल बादशाह शाहजहां ने 1639 में शाहजहानाबाद की नींव रखी। 1648 में पूर्ण हुआ यह शहर मुगल साम्राज्य की शक्ति और समृद्धि का प्रतीक था। लाल किला, जामा मस्जिद और 1650 मीटर लंबा चांदनी चौक इसी शाहजहानाबाद की देन है। फ्रांसीसी यात्री फ्रांस्वा बर्नियर ने इसे एशिया का सबसे शानदार शहर बताया था।

1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने शाहजहानाबाद में व्यापक विध्वंस किया और मुगल साम्राज्य का अंत हो गया। उस समय ब्रिटिश भारत की राजधानी कलकत्ता थी, लेकिन 12 दिसंबर 1911 को किंग जॉर्ज पंचम ने राजधानी को दिल्ली स्थानांतरित करने की ऐतिहासिक घोषणा की। इस निर्णय के पीछे कई रणनीतिक कारण थे। दिल्ली भारत के केंद्र में स्थित थी और उत्तर-पश्चिम सीमा के करीब थी। बंगाल में बढ़ते राष्ट्रवादी आंदोलन के कारण कलकत्ता में ब्रिटिश विरोधी भावना तीव्र हो गई थी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि दिल्ली सदियों से भारत की राजधानी रही थी और इस पर शासन करना ब्रिटिश शक्ति का प्रतीक था।

भारत में जुर्म करके भागते अपराधी

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

गोवा के मशहूर रोमियो लेन में स्थित 'बर्क बाय रोमियो' क्लब में आग लगने के महज कुछ घंटे बाद ही क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा सात दिसंबर 2025 को फ्लाइट पकड़कर थाईलैंड के फुकेट भाग गए। अलबत्ता खबर है कि वहां उन्हें हिरासत में लिया गया है। इस हादसे में में दो दर्जन से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस घटना ने फिर से साबित कर दिया कि भारत में 'अपराध करो, विदेश भागो' वाला फॉर्मूला आज भी ज़िंदा और कारगर है। दाऊद से नीरव मोदी तक, विजय माल्या से मेहुल चोकसी तक— यह सिलसिला दशकों पुराना है। बस अब अपराध का स्केल और भागने की तकनीक दोनों बदल गए हैं।

ये सच है कि इन शातिर अपराधियों को भागने में मदद करने में कुछ शक्तिशाली सरकारी अफसरों की भी भी भूमिका रहती है। बेशक, भारत में अपराध कर विदेश भागना कोई नया घटनाक्रम नहीं है, लेकिन बदलते समय के साथ आर्थिक, संगठित और अंतर्राष्ट्रीय अपराधों का दायरा बहुत बढ़ चुका है। बेशक, भगोड़ों की बात होगी तो पहला नाम दाऊद इब्राहिम का ही सबसे पहले लेना होगा। उसने 1970–80 के दशक में क्राइम की दुनिया में कदम रखा, बाद में अपना गैंग बना लिया, जिसने सोना तस्करी, ड्रग–तस्करी तथा वसूली जैसे कई प्रकार के अपराध किए। मुंबई बम कांड के बाद वह भारत छोड़कर दुबई भाग गया। फिर वहां से कराची चला गया।

इस प्रकार दाऊद का नाम उन अपराधियों में आता है, जिसने भारत से भागकर विदेश में अपनी गतिविधियां जारी रखीं। उसी की तरह इकबाल मिर्ची भी था। वो भी दाऊद का आदमी था। उसे अक्सर ड्रग–बारन कहा जाता था, क्योंकि उसके द्वारा एशिया, अफ्रीका और यूरोप में नशीली दवाओं की तस्करी की जाती थी। जब भारत में उस पर दबाव बढ़ा, तब उसने भारत छोड़ दिया— वो पहले दुबई, फिर लंदन में बस गया। भारत द्वारा गिरफ्तारी के प्रयास और प्रत्यर्पण की मांग के बावजूद, ब्रिटेन में उसकी कानूनी लड़ाई और सबूतों की कमी के चलते, उसने कई साल विदेश में गुजारे। छोटा राजन भी भगोड़ा रहा है।

अब बात करते हैं रवि पुजारी की। वो जाना-माना गुंडा और वसूली एवं हत्या के मामलों में आरोपी रहा है। उसने अपने असली नाम के बजाय कई फर्जी पहचान–नाम और पासपोर्ट जैसे पहचान पत्र का इस्तेमाल किया। उसे 2019 में, पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल में गिरफ्तार किया गया, फिर 2020 में उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया।

भारत में आर्थिक अपराधों के बढ़ने के साथ कई कारोबारी भी बड़े वित्तीय घोटालों के बाद विदेश भाग गए। ये मामले न सिर्फ बैंकिंग व्यवस्था के लिए चुनौती बने, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनी प्रणाली की कठिनाइयों को भी उजागर करते हैं। यूबी ग्रुप और किंगफिशर एयरलाइंस के मालिक विजय माल्या पर भारतीय बैंकों का लगभग 9000 करोड़ रुपये बकाया होने का आरोप है। 2016 में वह भारत छोड़कर यूके चला गया। इस बीच, हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर PNB बैंक घोटाले (लगभग 13,000 करोड़) का आरोप है। वो 2018 में अमेरिका और फिर ब्रिटेन चला गया। मेहुल चोकसी भी पीएनबी घोटाले में आरोपी है। वो 2018 में भारत छोड़कर एंटीगुआ चला गया, जहां उसने नागरिकता भी प्राप्त कर ली। 1993 मुंबई धमाकों का प्रमुख आरोपी टाइगर मेमन भी भारत से भागकर पाकिस्तान चला गया।

इन बड़े गिरोह के सरगनाओं पर कानून का शिकंजा कसता है, तो ये पहले दुबई या दूसरे मध्य-पूर्वी देशों की ओर भागते हैं। वहां से वे फिर अपनी गतिविधियां ड्रग्स, तस्करी, वसूली या आतंकवादी षड्यंत्रों का संचालन करने लगते हैं। कुछ अपराधी फर्जी पहचान, नकली पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हैं। यह उन्हें कई देशों में घूमने और नया जीवन शुरू करने में मदद करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन नेटवर्क, जैसे इंटरपोल और प्रत्यर्पण संधियां बहुत अहम होती हैं। इनकी मदद से भारत कई भगोड़ों को वापस लाता रहा है।

हाल के सालों में सीबीआई और अन्य एजेंसियों ने कई भगोड़ों को विदेशों से भारत वापस लाने की कोशिश तेज की है। उदाहरण के लिए, 2023 तक की रिपोर्ट के अनुसार, 184 भगोड़ों की लोकेशन पता लग चुकी है। 2020–2025 की अवधि में लगभग 134 भगोड़ों को विदेशों से भारत लाया गया है। यह पिछले दशक की तुलना में दोगुनी दर बताता है। फिर भी, प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जटिल होती है। कई देशों के कानूनी ढांचे, पासपोर्ट धोखाधड़ी, प्रमाण जुटाने में कठिनाई और राजनीतिक/कूटनीतिक समझौतों की वजह से अपराधियों को पकड़ना मुश्किल हो जाता है।

भगोड़ों को पकड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता जरूरी होती है। जैसे कि रवि पुजारी का मामला दिखाता है। उसे सेनेगल और दक्षिण अफ्रीका में संयुक्त प्रयासों के बाद पकड़ा गया। अगर देशों के बीच सहयोग नहीं होगा, तो भगोड़े कई सालों तक सुरक्षित रह सकते हैं।

भारत से भागकर विदेश में शरण लेने वाले अपराधियों की कहानी लंबी, जटिल और खतरनाक रही है। चाहे वो ड्रग्स-तस्करी हो, वसूली, गिरोह, या आतंकवाद— अपराधियों ने सीमाएं पार की हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, कानूनी प्रक्रिया, प्रत्यर्पण समझौतों और एनफोर्समेंट एजेंसियों की कोशिशों की वजह से कई भगोड़े वापस भारत लौटाए गए हैं। यह दिखाता है कि यदि पड़ोसी देशों और अंतर्राष्ट्रीय पक्षों के साथ सहयोग मजबूत हो, तो अपराधियों को बचने का रास्ता मुश्किल हो जाता है। अब सवाल उठता है कि क्या गौरव और सौरभ लूथरा अपने आप भारत वापस जाते हैं या उन्हें लाने के लिए लंबी कवायद करनी होगी?

गोवा क्लब में आग लगने के बाद क्लब के मालिक गिरफ्तारी से बचने के लिए थाईलैंड भाग गए। इन भगोड़े अपराधियों को फिर से देश लाना कितना आसान है? ये कैसे देश से भाग जाते हैं?

आमने

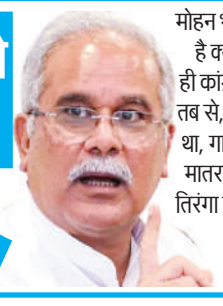

मोहन भागवत को वंदे मातरम गाना आता है क्या? वंदे मातरम गाने की शुरुआत ही कांग्रेस अधिवेशन से हुई। हम निरंतर तब से, जब रविंद्र नाथ टैगौर ने इसे गाया था, गा रहे हैं, लेकिन बीजेपी के लोग वंदे मातरम गीत कब गाते हैं? जिन्होंने कभी तिरंगा नहीं फहराया, वह हमको राष्ट्रवाद सिखाएंगे।
–भूपेश बघेल, कांग्रेस नेता

सामने

भूपेश बघेल संघ गीत गा रहे हैं, यह अच्छी बात है। मोहन भागवत से वंदे मातरम सुनना है, तो उनके पास जाएं। संघ की शाखा में जाकर प्रार्थना सीखना चाहिए। वंदे मातरम के पदों को काटने का काम तो कांग्रेस ने किया। कांग्रेस को इसके लिए देश से माफी मांगना चाहिए।
–श्याम बिहारी जायसवाल
स्वास्थ्य मंत्री, छत्तीसगढ़

सीमा पर बढ़ती चीन की दखलअंदाजी

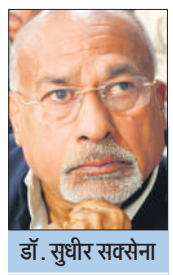

डॉ. सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

खतरे की घंटियां लगातार घनघना रही हैं और उनमें कंपन पैदा किया है ड्रेगन यानी चीन ने। पाकिस्तान तक सीधा कारीडोर तलाशने के बाद से बीजिंग सुनियोजित और चरणबद्ध तरीके से भारत के लिए अकल्पनीय मुसीबतें खड़ी करने की मुहीम में लिप्त है। 'दुनिया के छज्जे' पर तेजगति की रेल पातें बिछाई जा रही हैं और विश्व की विशालतम नदियों में शुमार ब्रह्मपुत्र का पानी बांधा जा रहा है। ये दोनों निर्माण चीन को सामरिक और आर्थिक दृष्टि से शक्तिशाली और सुदृढ़ पायदान पर खड़ा कर देंगे। दक्षिण पूर्व तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर पांच पनबिजली संयंत्रों को समेटे इस विशालतम बांध की बस कल्पना ही की जा सकती है। यह यांग्त्सी पर बने अब तक के विशालतम बांध श्री गर्जेस से कई गुना बड़ा है।

तिब्बत में 2015 में जल विद्युत परियोजना 1.5 अरब डॉलर की थी। यारलुंग जांग्बो परियोजना की लागत 167.7 अरब डॉलर है। 1.2 ट्रिलियन युआन की यह परियोजना ब्रह्मपुत्र नदी घाटी का हुलिया बदल देगी। ब्रह्मपुत्र नदी बड़ा यू-टर्न लेकर बरास्ते अरुणाचल बांग्लादेश में प्रवेश करते हुए विश्व की सबसे गहरी घाटी का निर्माण करती है। वहां बांध बनने का अर्थ है ब्रह्मपुत्र के जल प्रवाह पर नियंत्रण। इससे हर साल 300 बिलियन किलोवाट बिजली उत्पन्न होगी। विश्व की छत रूपी तिब्बती पठार टेक्टोनिक प्लेटों पर स्थित होने से अत्यंत संवेदनशील और भूकंप-संवेद है। भीमकाय बांध के निर्माण का सीधा अर्थ है भूगर्भ से छेड़छाड़। जाहिर है कि पर्यावरण प्रभावित होगा और पारिस्थितिकी भी।

इस हाहाकारी बांध के निर्माण को गत वर्ष दिसंबर में मंजूरी मिली। अरुणाचल से अनति दूर चीनी सीमा में निंगची में समारोह हुआ, जिसमें चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शिरकत की। भारत और अन्य पड़ोसी राष्ट्रों की चिंताओं को खारिज कर द्रुत गति से निर्माण शुरू हो गया। मीकांग नदी से चीन के सलूक के नतीजे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की स्मृति में है। ब्रह्मपुत्र पर बांध से भारत में अरुणाचल और बांग्लादेश-त्रिकूट (डेल्टा) सर्वाधिक प्रभावित होगा। असर लाओस, म्यांमार, वियतनाम, कंबोडिया और थाईलैंड जैसे अधोप्रवाही देशों पर भी पड़ेगा।

बांग्लादेश की तबाही का खतरा सबसे ज्यादा है। 16 करोड़ की आबादी के बांग्लादेश की जल सुरक्षा, आर्थिकी, पर्यावरण और मृदा-उर्वरता पर इससे प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उसकी कृषि-समृद्धि की चूलें हिल सकती हैं। धान उत्पादन में मिलियनों टन की कमी आएगी, लेकिन मैत्री के बावजूद बीजिंग ने ढाका का नामचार की सूचनाएं दीं। उसने 'नो-निगेटिव इंपैक्ट' का ढोल पीटा और 'बिल्ड फर्स्ट, निगोशियेट लेटर' की नीति अपनाई।

ऐसा नहीं है कि भारत सशंक और सचेत नहीं है। दिसंबर 24 में अजीत डोभाल की चीन के विदेश मंत्री वांग ची से वार्ता में यह मुद्दा उठा। मगर भारत की चिंता को सबसे मुखर अभिव्यक्ति दी अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने। उन्होंने ब्रह्मपुत्र पर चीनी बांध को 'वाटर बम' बताते हुए जीवन, भूमि और संसाधनों की तबाही की आशंका व्यक्त की और कहा कि प्रवाह पर नियंत्रण से चीन जब चाहे तब भारी मात्रा में पानी छोड़कर अरुणाचल में बाढ़ की विभीषिका उत्पन्न कर सकता है।

यह तो हुई ब्रह्मपुत्र के पानी को बांधने की बात। अब आएं तिब्बत में रेलपोत पर। तिब्बत सन 1950 तक दुर्गम क्षेत्र रहा है, लेकिन चीनी आधिपत्य के बाद वहां चीनियों का बड़े पैमान पर आव्रजन हुआ और अब वह चीन के कठोर नियंत्रण में है। अब चीन किंघाई से ल्होसा तक दुनिया की सबसे ऊंची और तीव्र रेल पांत बिछा रहा है। 960 किमी लंबी यह पांत 13123 फुट ऊंचाई पर होगी। इससे शिनिंग से ल्हासा पहुंचने में फकत 22 घंटे लगेंगे। करीब 90 फीसद रेल पांत 300 मीटर ऊंचाई पर होगी। सन 2018 में चेंगदू यआन और जून 2021 में न्यिंग्ची-ल्हासा के उपरांत यआन-न्यिंग्ची ट्रैक सन 2030 तक पूरा होगा। इससे तांगगुला को 5068 मीटर ऊंचा होने से विश्व के सर्वोच्च रेलवे स्टेशन का दर्जा मिल जाएगा।

प्रारंभिक सिंचुआन, जहां 300 मीटर ऊंचाई पर है, वहीं टर्मिनस सागर तल से 3000 मीटर ऊंचा ट्रेन यार्लुंग-त्सांग्पो घाटी से 16 बार गुजरेगी, जिसमें 47 बोगदे और 121 पुल निर्धारित हैं। यह रेल ट्रैक सबसे लंबी 42.5 किमी लंबी सुरंग को समेटेगा। 10 किमी लंबी मिलिन सुरंग को कठिनतम बोगदा माना जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर 320 बिलियन युआन की लागत आएगी। इसे रेलपांत पर ट्रेन की गति होगी 100 किमी। इसके पूर्ण हाने पर चीन के लिए तिब्बत पर नियंत्रण नागरिकों की आवाजाही, सैनिकों और आयुधों की तैनाती और फौजी ठिकानों की स्थापना आसान हो जाएगी।

तिब्बत पर चीन का निरंकुश शासन और दृढ़ होगा तथा भारत के लिए खतरा और ज्यादा होगा। चीन के पाकिस्तान का सबसे बड़ा और शक्तिशाली हितैषी होने से बांध और रेल पांत भारत की सुरक्षा और सार्वभौमिकता के लिए बड़ा खतरा हैं। बांध को लेकर दिल्ली को ढाका का सहयोग और विश्वास लेना चाहिए। जरूरी है कि अंतर्देशीय जल बंटवारे और प्रबंधन पर भारत और चीन के मध्य ठोस और सार्थक बातचीत हो।

बीजिंग सुनियोजित और चरणबद्ध तरीके से भारत के लिए मुसीबतें खड़ी करने की मुहिम में लिप्त है। 'दुनिया के छज्जे' पर तेजगति की रेल पातें बिछाई जा रही हैं और ब्रह्मपुत्र का पानी बांधा जा रहा है।

सोशल फोरम

सूफ़ी परंपरा और प्रेम का राग-अनुराग

सूफ़ी परंपरा में प्यार कोई भावनात्मक शौक नहीं है, यह तो पूरे अस्तित्व की धुरी है, सूफ़ी नज़र से दुनिया को देखो तो हर चीज़ के पीछे एक ही सरगर्म सच्चाई दिखाई देती है कि रब ने इस

मुकेश तिवारी
ब्लॉगर

कायनात को इज़हार-ए-इश्क़ के लिए पैदा किया, यानी सृजन खुद एक प्रेम पत्र है, जो ख़ालिक़ ने अपनी मख़्लूक़ को लिखा है और इंसान उसका होशमंद पाठक है, जो कभी समझ लेता है और ज़्यादातर भूल जाता है।

सूफ़ियों के यहां प्यार दो दर्जे बताए हैं, एक है इश्क़-ए-मजाज़ी, यानी इंसानी मोहब्बत, जिसमें दो जिस्म हैं, दो नाम हैं, दो अहं हैं, दूसरा है इश्क़-ए-हक़ीक़ी, यानी वह प्रेम जिसमें सारा ज़ोर अहं को गलाने पर होता है। जहां महबूब कोई एक शख़्स नहीं रह जाता, बल्कि वह वजूद बन जाता है जो हर दिशा में फैला है, सूफ़ी कहता है कि इंसानी प्यार भी बेकार नहीं है, यह तो एक मदरसा है, जहां दिल पहली बार सीखता है कि किसी और को अपने से ज़्यादा अहमियत देना क्या होता है। यही सीख, यही झुकना, यही तड़प आगे चलकर उसे रब के दर तक ले जाती है।

सूफ़ी परंपरा में इश्क़ कमज़ोरी नहीं है, सबसे बड़ी ताक़त है, क्योंकि प्यार ही वह आग है, जिसमें नफ़्स जलता है। घमंड पिघलता है। जब आदमी सचमुच किसी से प्रेम करता है, तो उसकी सबसे बड़ी दीवानगी यही होती है कि मैं इसको तकलीफ़ न दूं। इसकी हिफ़ाज़त करूं। इसको खुश देखूं। सूफ़ी कहता है कि इस भाव को और फैलाते जाओ, सिर्फ एक इंसान तक मत रोको। इसे हर ज़िंदा दिल तक, हर मज़लूम तक, हर गिरे हुए तक फैला दो। यही करुणा, यही रहम, यही इंसाफ़ इश्क़ का अमली रूप है।

इश्क़ के बिना सूफ़ी के लिए इबादत भी अधूरी है। सूफ़ी जब सजदा करता है तो डर से नहीं करता कि सज़ा मिलेगी। इनाम मिलेगा, जन्नत मिलेगी, वह सजदा इसलिए करता है कि उसके दिल का साक़ी, उसका महबूब, उसकी रूह की रोशनी उसे पुकार रही होती है। वह कहता है कि मैं तेरे सिवा किसको पूजूं, तेरे सिवा किससे शिकवा करूं, तेरे सिवा किससे गिला करूं, यही हालत उसे क़ुनूत से निकाले बिना बग़ावत में भी नहीं धकेलती, बल्कि एक सूझबूझ वाला प्रेमी बनाती है जो ज़ुल्म के आगे झुकता नहीं, लेकिन नफ़रत की भाषा भी नहीं सीखता है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

टूटते रिश्ते और बिखरता सामाजिक ताना-बाना

उत्तर प्रदेश में बरेली के पारिवारिक न्यायालय के अपर प्रधान न्यायाधीश ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने हाल ही में तलाक के एक केस की सुनवाई के दौरान जो टिप्पणी की है, वह समाज में बदलते पारिवारिक परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है। न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि यदि कोई लड़की शादी के बाद एकाकी जीवन चाहती है, तो उसे शादी के बायोडाटा में साफ लिख देना चाहिए कि उसे ऐसा पति चाहिए जो माता-पिता और परिवार की जिम्मेदारियों से मुक्त हो। यह मामला बदायूं के एक युवक और फरीदपुर की युवती से जुड़ा है। दोनों की शादी 2019 में हुई, लेकिन युवती सास-ससुर के साथ नहीं रहना चाहती थी। लिहाजा, 2020 से अलग रहने लगी।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

न्यायाधीश ने कहा कि आज कई लोग वृद्धाश्रमों और बंद फ्लैटों में अकेले रह रहे हैं, जबकि संयुक्त परिवार अकेलेपन को दूर करता है। अदालत ने पति का तलाक दावा स्वीकार करते हुए दोनों को अलग रहने की अनुमति दे दी और कहा कि जो लड़कियां शादी के बाद संयुक्त परिवार को बोझ समझती हैं, वह पहले ही अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करें, क्योंकि यह सोच सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा सकती है।

एक जज की यह टिप्पणी हमारे घरों के हालात को प्रकट कर रही है। यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं है, बल्कि इससे पता चलता है कि हमारे घरों के भीतर क्या बदल रहा है और रिश्तों में कैसी नकारात्मकता पैदा हो रही है। रिश्ते, खासकर ससुराल में, किस प्रकार दरक रहे हैं। एक जमाने में पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक बहुत सामान्य बात हुआ करती थी, मगर आज हालत यह हैं कि घर में छोटी-मोटी बात पर हुई बहस भी अब अदालत की दहलीज तक पहुंचने लगी है।

पति-पत्नी की खट-पट को पहले घर के बड़े-बुजुर्ग ही सुलझा दिया करते थे, वह अब अदालतों से भी नहीं सुलझ पा रही है। पारिवारिक न्यायालयों में जज के समझाने के बावजूद जोड़े तलाक से कम पर मानते ही नहीं हैं। जाहिर कि समाज एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां रिश्तों को संभालने की कला कमजोर पड़ रही है। हमारे संयुक्त परिवारों वाले पारंपरिक देश और समाज में यह स्थिति दुःखी करती है।

पहले हमारे यहां दीवारें कम और अपनापन अधिक था, लेकिन एकल परिवारों की चाह और चलन ने सब कुछ बदल कर रख दिया है। नौकरी, कामकाज के सिलसिले में एकल परिवार समझ में आते हैं, पर बिना वजह अलग रहने की जिद समझ से बाहर है। इसी जिद के कारण न केवल दादा-पौत्र, बुआ-भतीजे, चाचा-चाची, ताऊ-ताई जैसे रिश्ते खत्म हो रहे हैं, बल्कि दांपत्य संबंध भी दरक रहे हैं। रिश्तों में जो धैर्य की भावना थी, वह तो कहीं खो गई लगती है।

आज पति-पत्नी अपने लिए जगह चाहते हैं, तो बुजुर्ग अपनी पुरानी जगह बचाए रखने के ख्वाहिशमंद हैं। दोनों की इच्छाएं ठीक हैं, लेकिन टकराव तब शुरू होता है, जब कोई भी अपनी जगह से एक कदम पीछे नहीं हटना चाहता। इसी से परिवारों में खाई पैदा हो रही है। बरेली कोर्ट के सामने आया यह मामला असल में उसी अदृश्य खाई का उदाहरण है। पत्नी को लगता है कि पति उसके साथ नहीं खड़ा है। पति को लगता है कि पत्नी उसके परिवार को नीचा दिखाना चाहती है। सास-ससुर को लगता है कि बहू उनके घर पर आधिपत्य जमाना चाहती है। ऐसी भावनाएं आना स्वाभाविक है, पर जब इस बारे में बात नहीं होती, परस्पर संवाद खो जाता है तो ये आक्रोश के रूप में फूटती है। नतीजा, परिवार के बिखराव के रूप में सामने आता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

साइबर हमले का नया हथियार
जीपीएस स्पूफिंग

सब कुछ बेहद चौंकाने वाला काफी हद तक डराने वाला भी था। नई दिल्ली के आसमान पर उड़ रहे विमानों की कॉकपिट में बैठे पायलटों को विमान की पोजीशन समझना मुश्किल हो रहा था। स्क्रीन पर मिल रहे संकेत अचरज में डालने वाले थे। विमान की पोजीशन लगातार बदलने के साथ ऊंचाई के आंकड़े भी बदल रहे थे। कुछ ऐसा लग रहा था कि जैसे सब कुछ कोई अज्ञात शक्ति संचालित कर रही हो। पायलटों को इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे की जगह खेत दिखाई दे रहे थे। यह भयावह स्थिति थी, जरा सी असावधानी किसी बड़े हादसे को दावत दे सकती थी। ऐसे में पायलटों को तुरंत जीपीएस आधारित ऑटो सिस्टम बंद करके विमान का मैनुअल कंट्रोल संभालना पड़ा। तब जाकर जान में जान आई। बीते दिनों देश की राजधानी में सर्वाधिक सुरक्षित और सतर्क निगरानी वाले हवाई क्षेत्र इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 800 से ज्यादा उड़ानों के अचानक बाधित होने के पीछे कुछ ऐसा ही घटा, लेकिन यह सब कुछ किसी तकनीकी खामी के कारण नहीं हुआ। पता चला कि एक अत्याधुनिक साइबर हमला अंजाम दिया गया था। इसके लिए जीपीएस स्पूफिंग का इस्तेमाल करके ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम यानी जीपीएस के सिग्नलों से छेड़छाड़ की गई थी।

– मनोज त्रिपाठी, कानपुर

दिल्ली के बाद ऐसी ही कुछ कारस्तानी मुंबई में भी सामने आई। इसके बाद मुंबई के पास एयर रूट्स में जीपीएस सिग्नल गड़बड़ी या सिग्नल खोने की चेतावनी जारी करनी पड़ी। पायलटों को विमान के नेविगेशन सिस्टम को गुमराह करने वाली स्थिति को लेकर सतर्क किया गया। जीपीएस स्पूफिंग के इस बड़े मामले की अब गहनता से जांच चल रही है। 'स्पूफिंग' शब्द का अर्थ होता है जालसाजी। जीपीएस स्पूफिंग में, वास्तविक जानकारी को ओवरराइड करके रिसीवर को नकली जानकारी भेजकर भ्रमित किया जाता है। जीपीएस स्पूफिंग एक धोखा देने वाली तकनीक है। इसमें नकली सैटेलाइट सिग्नल भेजे जाते हैं। ये सिग्नल जीपीएस रिसीवर को गलत स्थान, दिशा और समय की जानकारी देते हैं। इससे हवाई जहाज का नेविगेशन सिस्टम गड़बड़ हो जाता है। यह तकनीक जैमिंग में सिग्नल को पूरी तरह ब्लॉक किए जाने से अलग है। इसमें सिर्फ गलत जानकारी डाली जाती है, जिससे पायलट को लगता है कि उसका जहाज कहीं और उड़ रहा है। इस तरह यह तकनीक विमान को रनवे से दूर किसी खुले मैदान में ले जा सकती है, उसे निश्चित संचालित मार्ग से हटाकर खतरे की ओर धकेल सकती है। यही नहीं, जीपीएस स्पूफिंग का इस्तेमाल करके मिसाइल को भी गलत लक्ष्य पर भेजा जा सकता है। ड्रोन को गलत जगह पर गिराया जा सकता है। यहां तक कि पूरे एयरस्पेस की दिशा ही बदली जा सकती है। यही कारण है कि आज की दुनिया में जीपीएस स्पूफिंग को साइबर युद्ध के खतरनाक हथियारों में गिना जा रहा है।

देश की सीमा और विमानन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

जीपीएस स्पूफिंग भारत की विमानन सुरक्षा, सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा है, क्योंकि इस तकनीक के इस्तेमाल में कम लागत लगती है और यह बेहद प्रभावी भी है। देश के सीमावर्ती इलाकों में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पाकिस्तान और म्यांमार से लगती देश की सीमाओं के पास जीपीएस स्पूफिंग की घटनाएं देखी जाती रही हैं। इसी वर्ष सरकार ने संसद में जानकारी दी थी कि नवंबर 2023 से फरवरी 2025 के बीच देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में 465 जीपीएस हस्तक्षेप की घटनाएं दर्ज की गई थीं। समस्या जटिल है, लेकिन इससे पार पाना असंभव नहीं है। तकनीकी नवाचार, सतर्कता, राजनयिक समन्वय और रणनीतिक प्रतिरोध के जरिए भारत इस उभरते इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षेत्र में न सिर्फ अपने हवाई क्षेत्र, बल्कि सीमा को सुरक्षित कर सकता है।

स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' दुनिया में सबसे सुरक्षित व उन्नत

जीपीएस दुनियाभर में इस्तेमाल होने वाली वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट प्रणालियों (जीएनएसएस) में से एक है। स्थान की जानकारी देने के अलावा इसका उपयोग सटीक समय बताने के लिए भी किया जाता है। दुनिया के कई देश अब अत्याधुनिक एन्क्रिप्टेड जीपीएस सिस्टम विकसित कर रहे हैं। अमेरिका ने तो अपने नागरिक जीपीएस को भी 'चिमेरा' नामक नए एन्क्रिप्टेड सिग्नल से लैस करना शुरू कर दिया है ताकि स्पूफिंग के हमलों को रोका जा सके, लेकिन भारत के पास दुनिया का सबसे सुरक्षित और उन्नत स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' है, जो जीपीएस की तुलना में काफी सटीक और सुरक्षित माना जाता है। नाविक के सिग्नल एन्क्रिप्टेड हैं और इन्हें स्पूफ करना लगभग असंभव जैसा है। भारतीय वैज्ञानिकों ने नाविक को इस तरह विकसित किया है कि यह पूरे भारतीय क्षेत्र में जीपीएस से कहीं अधिक विश्वसनीय है। माना जा रहा कि यदि नाविक आधारित एग्रोच सिस्टम दिल्ली एयरपोर्ट पर लागू होता, तो स्पूफिंग की घटनाएं नहीं होतीं।

कुछ इस तरह काम करती है तकनीक

जीपीएस स्पूफिंग एक प्रकार का साइबर हमला है। इसे अंजाम देने के लिए लक्ष्य के पास एक रेडियो ट्रांसमीटर लगाया जाता है, जो प्रसारित हो रहे वास्तविक जीपीएस सिग्नल में बाधा डालता है। हजारों मील दूर उपग्रहों के माध्यम से आने वाले जीपीएस सिग्नल अक्सर कमजोर होते हैं, ऐसे में एक मजबूत रेडियो ट्रांसमीटर का उपयोग करके कमजोर सिग्नलों को ओवरराइड कर दिया जाता है। इसके बाद एक नकली जीपीएस सिग्नल बनाया जाता है, जो असली सिग्नल की नकल करता है या उससे कहीं अधिक शक्तिशाली होता है। इसके माध्यम से जीपीएस रिसीवर को नकली या झूठे जीपीएस सिग्नल भेजे जाते हैं, जिससे रिसीवर इन नकली सिग्नलों को वास्तविक मान बैठता है और यह मानने के लिए मजबूर हो जाता है कि वह किसी गलत स्थान पर है या समय गलत है। रिसीवर को आमतौर पर इस हेराफेरी का जल्दी पता भी नहीं चल पाता है। हाल के दिनों में आसमान में उड़ान भरते पायलट्स को जीपीएस स्पूफिंग की इसी बड़ी मुसीबत से दो-चार होना पड़ा है।

कहां किया जा सकता है इस्तेमाल

- विमानों, जलपोतों या ड्रोन के नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित करना।
- संवेदनशील जानकारी तक पहुंच प्राप्त करना या निगरानी प्रणाली को धोखा देना।
- कीमती कार्गो शिपमेंट चोरी करने के लिए परिवहन के दौरान उनकी ट्रैकिंग जानकारी को बदलना।
- आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल करके महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे या सैन्य अभियानों को बाधित करना।
- स्मार्टफोन ऐप्स और स्थान डेटा में हस्तक्षेप करना, नेटवर्क सिस्टम और जीपीएस डेटा पर निर्भर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले करना।

आखिर क्या हुआ था दिल्ली के आसमान पर

दिल्ली के ऊपर से उड़ान भरने वाले विमानों ने स्पूफिंग की घटनाओं की सूचना दी थी। एयर इंडिया के एक पायलट ने मीडिया को बताया कि नवंबर के पहले सप्ताह में दिल्ली से आने और जाने वाले सभी छह दिनों में उन्हें स्पूफिंग का सामना करना पड़ा। एक अन्य पायलट ने कहा कि उनके कॉकपिट सिस्टम ने एक गलत इलाके की चेतावनी जारी की, जो आगे बाधाओं का सुझाव देती थी, जहां कोई भी मौजूद नहीं था। कई अन्य पायलटों को भी एयरपोर्ट से उड़ान भरते समय ऐसी ही चेतावनियों का सामना करना पड़ा। ये घटनाएं दिल्ली के 60 समुद्री मील के भीतर के विमानों द्वारा रिपोर्ट की गईं।

मौसम का हाल बताते हैं पशु-पक्षियों के व्यवहार

हाल ही में राजस्थान के जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग ने एक अध्ययन में यह साबित किया कि पक्षियों के घोंसले बनाने के तरीके से लेकर जानवरों के व्यवहार तक, मौसम के संकेतों को समझा जा सकता है। यह शोध इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल साइंस में प्रकाशित हुआ है। इसमें बताया गया है कि जानवरों के व्यवहार में 80 प्रतिशत तक सटीकता देखी जाती है। यह शोध सिद्ध करता है कि पुराने समय से चली आ रही यह पारंपरिक जानकारी, जो ग्रामीणों द्वारा इस्तेमाल की जाती रही है, अब वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो चुकी है। उदाहरण के लिए मोर का नृत्य या कूजन मानसून की शुरुआत का संकेत देता है। इसी प्रकार चींटियों का भोजन इकट्ठा करना सूखा पड़ने का संकेत है। विभाग के एचओडी डॉ. गेमाराम परिहार और उनके शोध दल का कहना है कि प्रकृति के संकेत आज भी कारगर हैं। पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम का पूर्वानुमान लग जाता है। उनका दावा है कि वैज्ञानिक शोध में इन बातों और तथ्यों की पुष्टि हो चुकी है। उनके शोध में पुरानी प्रथाओं के वैज्ञानिक प्रमाण साबित हुए हैं। शोध का निष्कर्ष है कि पशु-पक्षियों का व्यवहार आज भी मौसम के संकेत बताने में पूरी तरह सक्षम है। शोध में बताया गया है कि पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम के संकेत सटीक मिलते हैं। यह बात करीब 80 प्रतिशत तक सही साबित हुई है।

राजस्थान के जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय हुए शोध में यह बात समाने आई है कि कैसे पुराने समय में लोग पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों के व्यवहार से मौसम की भविष्यवाणी करते थे। लोमड़ी, सियार और अन्य जानवरों का व्यवहार भी इस प्रणाली का हिस्सा था। उदाहरण के लिए लोमड़ी खेतों में चूहों की संख्या को नियंत्रित करती है, जो कृषि के लिए अच्छा संकेत है। शोध के अनुसार, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे भील, मीणा और बंजारा समुदायों के लोग अभी भी पशु-पक्षियों के संकेतों का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए लाल चींटियां जब अपने अंडे इधर-उधर ले जाती हैं, तो यह बारिश के करीब आने का संकेत होता है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के इन जानवरों की सूझबूझ को दर्शाता है, जो मौसम की सटीक जानकारी देते हैं। यह पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राचीन समय से चली आ रही यह पद्धतियां अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से और अधिक प्रमाणित हो रही हैं।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

मौसम के सूचक

कुछ प्राचीन और ग्रामीण परंपराएं पक्षियों के घोंसले बनाने की जगह को भी मौसम का सूचक मानती हैं। जब पक्षी जमीन के करीब उड़ते हैं, तो यह बारिश का संकेत माना जाता है। मोर का नाचना, उल्लू का चीखना और गौरैया का धूल में लोटना बारिश का संकेत माना जाता है। यदि कौवे कांटेदार पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं, तो बारिश कम होने की संभावना है। वहीं आम या करंज जैसे पेड़ों पर घोंसला बनाना अच्छी बारिश का संकेत है। लाल चींटियों का अपने अंडों को इधर-उधर ले जाना भी बारिश के आने का संकेत है। इसी तरह पक्षियों का आसमान में ऊंची उड़ान भरना अच्छे मौसम का संकेत होता है। वहीं जोड़े में उड़ने वाले कौवे अच्छे मौसम का संकेत देते हैं। इसी तरह तूफान से पहले पक्षी वसा जमा करने के लिए अधिक सक्रिय हो जाते हैं और खूब खाना खाते हैं। बारिश आने पर मुर्गियां बेचैन हो जाती हैं या धूल में रगड़ती हैं। हंस की छाती की हड्डी का लाल या गहरे रंग का होना ठंडी और तूफानी सर्दी का संकेत हो सकता है। यदि सारस आकाश में गोलाकार परावलय बनाकर उड़ते हैं, तो यह शीघ्र वर्षा का संकेत है। पेड़ों पर दीमक का तेजी से घर बनाना अच्छी वर्षा का संकेत है। जब पक्षी एक साथ इकट्ठा होते हैं और अपने पंख फड़फड़ाते हैं, तो मौसम में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। वहीं चातक को बारिश का पक्षी माना जाता है। इसका आगमन मानसून के मौसम का संकेत है। इस तरह पशु और पक्षियों की हरकतों को देखकर मौसम का काफी हद तक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। असल में यह हमारा पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान है, जिसे हमारे पूर्वजों ने पूरा मान और सम्मान दिया है। पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान कई प्रकार का है। यह जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। अगर केवल पर्यावरण की बात करें, तो पक्षियों का अध्ययन (पक्षी विज्ञान) पारिस्थितिकी संतुलन को समझने में मदद करता है, क्योंकि वे कीट नियंत्रण, परागण और बीज प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षी पर्यावरण में हो रहे बदलाव के शुरुआती संकेत देते हैं। उनकी आबादी में गिरावट आवासों के क्षरण या जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकती है। पक्षी कीटों को नियंत्रित करते हैं, बीज फैलाते हैं और परागण में मदद करते हैं, जो मानव द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई पौधों के लिए महत्वपूर्ण है। पक्षी मृत जीवों और कचरे को साफ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षियों का वैज्ञानिक अध्ययन पक्षियों के व्यवहार, प्रवास, प्रजनन और शारीरिक विशेषताओं को समझने में इंसान की पूरी तरह से मदद करता है। हमें केवल इस ज्ञान की समझ होने और इसके वैज्ञानिक प्रयोगों को पहचानने की जरूरत है।

जंगल की दुनिया

भारतीय पैंगोलिन : वन्य संपदा का अनमोल प्रहरी

भारतीय पैंगोलिन भारत उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला एक दुर्लभ एवं अत्यंत विशिष्ट स्तनधारी जीव है। यह अपने पूरे शरीर पर मौजूद कठोर, overlapping शल्कों के कारण अन्य जीवों से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। ये शल्क केराटिन से बने होते हैं, वही पदार्थ, जिससे मानव के नाखून बनते हैं। खतरा महसूस होने पर पैंगोलिन स्वयं को एक गोल गेंद की तरह समेट लेता है, जिससे शिकारी उसके नाजुक अंगों तक नहीं पहुंच पाते। रात में सक्रिय रहने वाला यह जीव अत्यंत शर्मीला और एकांतप्रिय होता है। इसका मुख्य आहार चींटियां और दीमक हैं। लंबी, पतली और अत्यधिक चिपचिपी जीभ इसे आसानी से भोजन पकड़ने में सहायता करती है। भूमिगत बिलों में रहना इसकी विशेषता है, जिन्हें यह अपने मजबूत पंजों की मदद से आसानी से खोद लेता है। भारतीय पैंगोलिन जंगलों, झाड़ियों, कृषि भूमि और कभी-कभी ग्रामीण बस्तियों के पास भी देखा जा सकता है।

पारिस्थितिकी दृष्टि से पैंगोलिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह कीटभक्षी होने के कारण चींटियों और दीमक की संख्या को नियंत्रित करता है, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता और कृषि भूमि सुरक्षित रहती है। परंतु इसके बावजूद यह जीव आज गंभीर संकट में है। IUCN ने इसे "Endangered" श्रेणी में रखा है। अवैध शिकार और तस्करी इसका सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि इसके शल्कों और मांस की अवैध बाजार में अत्यधिक मांग है।

भारतीय पैंगोलिन को संरक्षण की सख्त आवश्यकता है। जन-जागरूकता, कड़े कानून, वन विभाग की सक्रियता और स्थानीय समुदायों की भागीदारी से ही इस अद्वितीय प्राणी को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। यह सिर्फ एक जीव नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण संतुलन का महत्वपूर्ण प्रहरी है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,818.13	25,898.55
गिरावट	426.86	140.55
प्रतिशत में	0.51	0.55

सोना 1,32,490 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,94,400 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

पीआरपीएल को एचसीसी ने दिया 2,854 करोड़ रुपये का ऋण

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी एचसीसी ने शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजित करने के के लिए प्रोलिफिक रेजोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड (पीआरपीएल) को 2,854 करोड़ का कर्ज देने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इससे पीआरपीएल की ऋण सुविधाओं के संबंध में जारी की गई कॉरपोरेट गारंटी से उत्पन्न ऋण में उल्लेखनीय कमी आई है। ऋणदाताओं के साथ अपनी योजना के तहत, एचसीसी ने पीआरपीएल को 2,854 करोड़ का कुल ऋण और 6,508 करोड़ की प्रतिबद्धताएं एवं दावे हस्तांतरित किए हैं जबकि इकाई में 49 प्रतिशत शेयर हिस्सेदारी बरकरार रखी है।

कोका-कोला ने ब्रौन को सीईओ बनाया

वॉशिंगटन। कोका-कोला ने अपने मुख्य परिचालन अधिकारी हेनरिक ब्रौन को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की जानकारी दी। अटलांटा स्थित पेय पदार्थ कंपनी ने घोषणा की कि उसके निदेशक मंडल ने 31 मार्च से सीईओ का पदभार संभालने के लिए हेनरिक ब्रौन का चयन किया है। कोका-कालो के वर्तमान चेयरमैन एवं सीईओ जेम्स क्विन्सी अब कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन का पदभार संभालेंगे। ब्रौन (57) कोका-कोला में तीन दशकों से कार्यरत हैं। इस वर्ष की शुरुआत में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) का पदभार संभालने से पहले उन्होंने ब्राजील, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चाइना तथा दक्षिण कोरिया में परिचालन का नेतृत्व किया।

केएसएच का आईपीओ 16 को

नई दिल्ली। मैग्नेट वाइंडिंग वायर बनाने वाली कंपनी केएसएच इंटरनेशनल आईपीओ के जरिए 710 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है। यह 16 दिसंबर को खुलेगा। इस निर्गम का मूल्य दायरा 365-384 रुपये प्रति शेयर है। इसके लिए एंकर यानी बड़े निवेशक 15 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। पुणे की कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 420 करोड़ के ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 290 करोड़ के शेयरों के बिक्री पेशकश शामिल है।

एफटीए वार्ता : कुछ मुद्दे पर सहमति बननी बाकी

केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा- यूरोपीय संघ के साथ एफटीए को अंतिम रूप देने में आ रही बाधाएं कर लेंगे दूर

मुंबई, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने में आने वाली बाधाओं को दूर करने का गुरुवार को भरोसा जताया। गोयल ने समझौते पर हस्ताक्षर होने की कोई संभावित समयसीमा न बताते हुए कहा कि इटली जैसे देश भारत को अपनी शराब एवं मोटर वाहन निर्यात कर सकेंगे और इसके बदले में भारत 27 देशों के इस समूह को व्हिस्की, वस्त्र एवं मोटर वाहन कलपुर्जे निर्यात कर सकेगा।

गोयल ने इस सप्ताह की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों के साथ हुई अपनी चर्चाओं का हवाला देते हुए कहा कि हमें भरोसा है। कुछ मुद्दे हैं जिन पर हमें अब भी सहमति बनानी है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। साथ ही वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों के वार्ताकार दल एक अच्छा समझौता कराने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं और कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इटली-इंडिया बिजनेस फोरम के दौरान केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी।

गोयल ने इटली-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि भारत-यूरोपीय संघ एफटीए एक निष्पक्ष, न्यायसंगत एवं संतुलित दस्तावेज होगा जो सभी देशों के लिए लाभकारी होगा। इस अवसर पर इटली के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी भी उपस्थित रहे। गोयल और ताजानी दोनों ने वैश्विक बाजार में कच्चे माल की सुचारू आपूर्ति के लिए लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग की जरूरत पर बल दिया। ताजानी ने कहा कि उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल की कीमतों को तय करने में कोई एक देश 'किंगमेकर' की भूमिका नहीं निभा सकता। इटली के उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मामले पर इटली, यूरोप, भारत, जापान और अमेरिका के बीच एक 'राजनीतिक समझौते' की आवश्यकता है। गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों को देखते हुए भारत-इटली संबंध 21वीं सदी के निर्णायक संबंधों में से एक होंगे।

ओमान ने भारत से व्यापार समझौते को दी मंजूरी

नई दिल्ली। ओमान के निचले सदन 'शूरा परिषद' ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मंजूरी दे दी है। इसको देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल शुक्रवार को इस समझौते पर विचार कर सकती है। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस पर बातचीत नवंबर 2023 में शुरू हुई थी जो इस वर्ष संपन्न हुई। समझौते में दो साझेदार वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी हद तक कम या समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए नियमों में ढील भी देते हैं। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओमान भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का पहले से ही जीसीसी के एक अन्य सदस्य देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ इसी तरह का समझौता है जो मई 2022 में लागू हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया था कि प्रासंगिक प्राधिकारी की मंजूरी के बाद, हस्ताक्षर और पुष्टि के लिए कैबिनेट नोट का मसौदा संबंधित मंत्रालयों को भेज दिया गया है। दोनों पक्ष अब आंतरिक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। भारत में मुक्त व्यापार समझौतों को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी जाती है। 'शूरा परिषद' या मजलिस अ 'शूरा ने सीईपीए के मसौदे पर अपनी चर्चा बुधवार को पूरी कर ली।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल आज इस समझौते पर कर सकती है विचार

इक्विटी एमएफ में निवेश 21% बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में नवंबर में निवेश मासिक आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। उद्योग निकाय एम्फी ने गुरुवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए। निवेश में यह वृद्धि तीन महीनों की गिरावट के बाद आई जो निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देती है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के अनुसार, इक्विटी प्रवाह में सकारात्मक गति ने व्यापक उद्योग के परिसंपत्ति आधार को भी बढ़ावा दिया। इससे प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) अक्टूबर के 79.87 लाख करोड़ रुपये से नवंबर में बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये हो गई। व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की भागीदारी में मामूली गिरावट देखी गई। एसआईपी में जमा राशि अक्टूबर के 29,631 करोड़ की तुलना में घटकर नवंबर में 29,445 करोड़ रुपये रह गई।

- तीन महीनों की गिरावट के बाद निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण से आई बढ़ोत्तरी

आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी एमएफ में शुद्ध निवेश नवंबर में बढ़कर 29,911 करोड़ हो गया जो अक्टूबर में 24,690 करोड़ रुपये था। सितंबर में इक्विटी में निवेश 30,421 करोड़ और अगस्त में 33,430 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन माह के दौरान लाभांश और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) फंड के अलावा उप-श्रेणियों में सकारात्मक रुझान रह। फ्लेक्सी-कैप फंड में सबसे अधिक 8,135 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया।

रुपया 39 पैसे टूटकर निचले स्तर 90.33 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, एजेंसी

रुपया गुरुवार को 39 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 90.33 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच स्थानीय मुद्रा दबाव में रही।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपये में गिरावट जारी रहने की आशंका है क्योंकि भारत एवं अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में देरी से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हो रहा है। बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने भी रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 89.95 पर खुला। फिर कारोबार के दौरान सबसे निचले स्तर 90.48 पर आ गया। कारोबार के अंत में रुपया 90.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे कम है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 89.87 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन के भारत-अमेरिका समझौते के अगले साल मार्च तक संपन्न होने की संभावना के बाद रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

- भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता से स्थानीय मुद्रा दबाव में रही

फेड ने की ब्याज दरों में 0.25% की कटौती

वॉशिंगटन। फेडरल रिजर्व ने अपनी प्रमुख ब्याज दर में लगातार तीसरी बार बुधवार को एक चौथाई अंक 0.25 प्रतिशत की कटौती की लेकिन संकेत दिया कि वह आने वाले महीनों में दरों को यथावत रख सकता है। फेडरल रिजर्व बुधवार को ब्याज दर में कटौती के बाद यह घटकर करीब 3.6 प्रतिशत हो गई, जो पिछले लगभग तीन वर्ष में सबसे कम है।

ब्याज दरों में कटौती से उधार लेने की लागत कम हो सकती है, हालांकि बाजार की ताकतें भी इन दरों को प्रभावित कर सकती हैं। फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने संकेत दिया कि अर्थव्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के बाद, आगामी महीनों में वह ब्याज दरों में और कटौती नहीं करेगा। पॉवेल ने कहा कि आप देख रहे हैं कि कुछ लोगों का मानना है कि हमें यहीं रुक जाना चाहिए।

बैंकों की भर्ती परीक्षाओं व नतीजों की घोषणा के नए प्रावधान लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्त मंत्रालय ने कहा - एसबीआई, राष्ट्रीयकृत बैंकों व आरआरबी की भर्ती प्रक्रिया पर नए नियम होंगे लागू

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं और उनके परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि ये सुधार भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), राष्ट्रीयकृत बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की भर्ती प्रक्रिया पर समान रूप से लागू होंगे।

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) ने कहा कि वर्तमान में इन सभी श्रेणियों के बैंकों में भर्ती आईबीपीएस (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सानेल सेलेक्शन) के माध्यम से की जाती है। सामान्यतः आरआरबी की परीक्षाएं पहले आयोजित होती हैं और राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं एसबीआई की परीक्षाएं उसके बाद होती हैं। परिणाम भी इसी क्रम में घोषित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति सामने आई है कि आरआरबी में चयनित कई उम्मीदवार राष्ट्रीयकृत बैंकों और वहां से एसबीआई में चले जाते हैं। संबंधित बैंकों में नौकरी छोड़ने का उच्च स्तर देखने को मिलता है और कामकाज के संचालन में दिक्कतें होती हैं।

डीएफएस ने समीक्षा के बाद आईबीए को बदलाव की दी सलाह

डीएफएस ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए बैंकों की भर्ती प्रक्रिया और परिणाम घोषित करने के मौजूदा चलन की समीक्षा की। इसके बाद भारतीय बैंक संघ (आईबीए) को सलाह दी गई कि सभी श्रेणी के बैंकों में भर्ती परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा एकसमान और तार्किक क्रम में की जाए, ताकि उम्मीदवारों की प्राथमिकता स्पष्ट हो सके और बैंकों की मानव संसाधन योजना अधिक प्रभावी बन सके। नए ढांचे के तहत अब सबसे पहले एसबीआई की भर्ती परीक्षाओं के परिणाम जारी होंगे। इसके बाद राष्ट्रीयकृत बैंकों और अंत में आरआरबी के परिणाम घोषित होंगे। अधिकारी स्तर की परीक्षाओं के परिणाम पहले और क्लर्क के परिणाम उसके बाद इसी क्रम में जारी होंगे।

चावल और गेहूं मजबूत दालों, खाद्य तेल नरम

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ गेहूं भी मजबूत हुआ। वहीं, चीनी, दालों और खाद्य तेलों में नरमी देखी गई।

औसत दर्जे के चावल की कीमत तीन रुपये बढ़कर 3,854.01 रुपये और गेहूं दो रुपये बढ़कर 2,852.57 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत सात रुपये टूट गई। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल औसतन 24 रुपये और तुअर दाल 18 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल और मूंग दाल 17-17 रुपये टूट गयी। मसूर दाल 12 रुपये प्रति क्विंटल कमजोर हुई। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा एक रिंगिट चढ़कर 4,064 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.63 प्रतिशत गिरकर में 50.77 डॉलर के भाव बोला गया।

राष्ट्रीय

कांग्रेस तो 20 साल में भी एसआईआर के लिए तैयार नहीं हुई

चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में सुधांशु त्रिवेदी बोले- चुनावी प्रक्रिया में कई समस्याएं आईं, लेकिन चीजें बदलती गईं

- पूर्ववर्ती कांग्रेस और संप्रग सरकार के दौरान सत्ता पक्ष ने जरूरत के अनुसार नियम बार-बार बदले

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्ष पर लोकतंत्र को अब तक नहीं समझ पाने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने वाली कांग्रेस तो बीस साल में भी इसके लिए तैयार नहीं हुई। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया आजादी के बाद शुरू हुई और कई तरह की समस्याएं आईं लेकिन समय के साथ चीजें बदलती गईं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के समय और फिर संप्रग सरकार के दौरान सत्ता पक्ष ने अपनी जरूरत के अनुसार नियमों में बार-बार बदलाव किया। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के समय लाभ के पद के मुद्दे पर नियम बदले गए थे। त्रिवेदी ने कहा कि दूसरों पर आरोप लगाने वालों को पहले यह देखना चाहिए कि उन्होंने सत्ता में रहते हुए कब-कब क्या-क्या किया था? उन्होंने दावा किया कि चुनावी बॉण्ड के रूप में राजग सरकार ने चुनावी चंदे को लेकर पारदर्शी व्यवस्था बनाई। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों को बहुमत तब मिलता था जब मतपत्रों की पेटियां लूटी जाती थीं, बूथ 'कैप्चरिंग' होती थी और गोलियां चलती थीं।

उन्होंने कहा कि आज सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होती है, ईवीएम का उपयोग होता है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस आज आपत्ति उठा रही है, लेकिन बाबा साहेब आंबेडकर ने 18 दिसंबर 1950 को यह पुनरीक्षण हर छह महीने में करने की जरूरत रेखांकित की थी लेकिन व्यवहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा था कि एक साल में यह होना चाहिए।

सरकार अपने लाभ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का कर रही इस्तेमाल : अजय माकन

कांग्रेस ने राज्यसभा में आरोप लगाया कि सरकार की कथनी एवं करनी में अंतर है तथा वह अपने लाभ के लिए संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल कर रही है। चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सदस्य अजय माकन ने कहा कि जीवंत लोकतंत्र में तीन बुनियादी शर्तें.... सबके लिए समान अवसर, पारदर्शिता और विश्वसनीयता महत्वपूर्ण होती हैं। उन्होंने दावा किया कि तीनों बातों के संदर्भ में राजग सरकार मानकों पर खरी नहीं उतरती। माकन ने कहा कि वह कांग्रेस के कोषाध्यक्ष भी हैं और पिछले दो-तीन साल से कांग्रेस का हिसाब यानी आय-व्यय का ब्योरा वह देते हैं तथा दूसरे दलों का हिसाब भी निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर देखते हैं। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस और भाजपा के आय-व्यय के ब्यौरे का अनुपात 60:40 का था, लेकिन 2019 में यह अनुपात चौंकाते हुए पूरी तरह बदल गया। अनुपात 8:92 हो गया और भाजपा की आय में 11 फीसदी की वृद्धि हुई तथा यह सिलसिला आगे भी जारी है।

कांग्रेस तो बीस साल में भी मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण नहीं करना चाहती। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस लोकतंत्र को अब तक समझ नहीं पाई है। त्रिवेदी ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है और यहां का लोकतंत्र जीवंत है। इस जीवंत लोकतंत्र का आधार उसकी विविधतापूर्ण संस्कृति है। लेकिन हमारे ही देश के कुछ लोग दूसरे देशों में जा कर गुहार लगाते हैं कि देश में लोकतंत्र को बचाना है।

लोस : टीएमसी सांसद के ई-सिगरेट पीने की अनुराग ने की शिकायत

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा में टीएसी सांसद पर ई-सिगरेट पीने का आरोप लगाया, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्रवाई की बात कही। ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने के दौरान कहा कि देशभर में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध है। सदन में क्या ई-सिगरेट पीने की अनुमति है? जब लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने नहीं में जवाब दिया तो ठाकुर ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य कई दिन से सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। भाजपा सांसद ने किसी सदस्य का नाम नहीं लिया। उन्होंने इस मामले में आसन से तत्काल जांच कराकर कार्रवाई की मांग की। उनके साथ निशिकांत दुबे, जगदंबिका पाल समेत अन्य भाजपा सदस्य भी खड़े होकर कार्रवाई की मांग करते देखे गए। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी खड़े थे। हंगामे के बीच बिरला ने संसदीय नियमों का पालन करने का अनुरोध किया।

संसद में शाह नर्वस थे, चुनौती का जवाब नहीं दिया : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि लोकसभा में बुधवार को अपनी बात रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह बहुत नर्वस नजर आए तथा उन्होंने बहस की चुनौती पर कोई जवाब नहीं दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह पूरे देश ने देखा कि अमित शाह मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में कहा कि अमित शाह कल संसद में बड़े नर्वस थे। उनके हाथ कांप रहे थे, उन्होंने गलत भाषा का इस्तेमाल किया। अमित शाह मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं, जो कल पूरे देश ने देखा। मैंने वोट चोरी से जुड़ी जो बातें कहीं, उसका गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने अमित शाह को मेरे संवाददाता सम्मेलनों पर बहस करने के लिए सीधी चुनौती दी, जिसका भी कोई जवाब नहीं आया। राहुल गांधी का कहना था कि सभी जानते हैं कि सच क्या है। कांग्रेस नेता ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी थी कि वह 'वोट चोरी' से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों को लेकर उनसे बहस कर लें। दरअसल निचले सदन में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए गृह मंत्री ने राहुल गांधी के हालिया तीन संवाददाता सम्मेलनों का उल्लेख करते हुए उनके तथ्यों को असत्य करार दिया जिनमें नेता प्रतिपक्ष ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाये थे।

- कांग्रेस नेता बोले- वोट चोरी से जुड़ी बातों का गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया

इस पर राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह, मैं आपको चुनौती देता हूं कि मेरे तीनों संवाददाता सम्मेलनों पर बहस कर लेते हैं।

किसी व्यक्ति के अधिकार हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति के अधिकार हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं और इस बात पर जोर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए अधिकारों की हमेशा रक्षा की जानी चाहिए, लेकिन ऐसे मामलों में जहां देश की सुरक्षा या अखंडता का सवाल उठता है, वह जमानत देने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता।

न्यायमूर्ति संजय करोल और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने ये टिप्पणियां सीबीआई द्वारा पश्चिम बंगाल के पश्चिम मिदनापुर जिले में 2010 में ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के मामले में कुछ आरोपियों को मिली जमानत के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई करते हुए कीं। मुंबई जा रही ट्रेन झारग्राम के पास पटरी से उतर गई थी और फिर सामने से आ रही एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे 148 यात्रियों की मौत हो गई। 28 मई, 2010 को हुई दुर्घटना माओवादियों की साजिश का परिणाम थी।

दिव्यांगजन कानून में संशोधन करे केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम में संशोधन करने पर विचार करने को कहा ताकि अपराधियों के तेजाब हमले के पीड़ितों को दिव्यांगजन की श्रेणी में शामिल कर सके और उन्हें कल्याणकारी उपायों का लाभ मिल सके। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक की याचिका में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है। इससे पहले पीठ ने चार दिसंबर को सभी उच्च न्यायालयों की रजिस्ट्रियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में लंबित तेजाब हमलों के मामलों का ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया था।

सोपोर में प्रतिबंधित तहरीक-ए-हुर्रियत के ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर इलाके में पुलिस ने गुरुवार को प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत के सदस्यों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। पुलिस ने बताया कि यूएपीए के तहत जांच के रूप में यह समन्वित छापेमारी की गयी।

जाफर इस्लाम उर्फ यदुल्ला पीर, लतीफ अहमद कालू और मोहम्मद अशरफ मलिक के घरों व परिसरों पर छापेमारी की गयी। अधिकारी ने बताया कि सोपोर स्थित यूएपीए अदालत के विशेष न्यायाधीश से वैध छापेमारी वारंट प्राप्त करने के बाद एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में यह कार्रवाई की गई। छापेमारी में बरामद चीजों की जांच जारी है।

थाईलैंड में लूथरा बंधु पुलिस हिरासत में

नाइट क्लब अग्निकांड

पणजी, एजेंसी

गोवा में नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के बाद भारत से भागे सौरभ और गौरव लूथरा को थाईलैंड पुलिस ने हिरासत में लिया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हादसे के बाद लूथरा बंधु थाईलैंड के फुकेट भाग गए थे। नाइटक्लब के सह-मालिकों गौरव और सौरभ को भारत सरकार के अनुरोध पर हिरासत में लिया गया है। दोनों के खिलाफ इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी हुआ था।

वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दोनों को थाईलैंड के फुकेट में हिरासत में लिया गया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया जारी है। जैसे ही लूथरा बंधुओं की गिरफ्तारी की खबर सामने आई, हथकड़ी पहने उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगीं। उत्तरी गोवा के अरपोरा स्थित नाइट क्लब 'बर्च बाय रोमियो लेन' में लगी भीषण आग के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए एक घंटे में दोनों ने छह-सात दिसंबर की रात फुकेट के लिए टिकटें बुक की थीं।

अजय को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

गोवा की अदालत ने गुरुवार को नाइट क्लब के सह-मालिक अजय गुप्ता को सात दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। गुप्ता को पूछताछ के लिए बुधवार रात दिल्ली से गोवा ट्रांजिट रिमांड पर लाया गया था। उन्हें विस्तृत जांच के लिए अंजुना पुलिस थाने ले जाया गया। इससे पहले गुप्ता के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया गया था। गोवा पुलिस ने नाइट क्लब में आग लगने के मामले में पांच प्रबंधकों और कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया है।

उत्तरी गोवा में कृषि भूमि पर बना नाइट क्लब सील

अग्निकांड के बाद अवैध नाइट क्लब पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने उत्तरी गोवा के वागाटोर स्थित 'गोया द नाइट क्लब' को सील कर दिया। यह क्लब कृषि भूमि पर था। यह कार्रवाई बरदेज तालुका के राजस्व अधिकारी के आदेश पर की गई।

आईएसआईएस से जुड़े मामले में चार राज्यों में छापा

मुंबई। ईडी ने वैश्विक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के घोर कट्टरपंथी मॉड्यूल के खिलाफ आतंकवाद वित्तपोषण से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कई राज्यों में छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि सुबह से शुरू हुई छापेमारी में महाराष्ट्र में ठाणे जिले के पडघा-बोरीवली क्षेत्र के गांवों, रत्नागिरी जिले, दिल्ली, कोलकाता और उत्तर प्रदेश सहित 40 स्थानों पर तलाशी ली गई।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ईडी की टीमों को राज्य के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा सुरक्षा दी गई जबकि अन्य राज्यों में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने सुरक्षा प्रदान की।

वर्ल्ड ब्रीफ

कनाडा के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

टोरंटो। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त ने हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संसदीय संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ साझा लोकतांत्रिक मूल्यों एवं भविष्य के सहयोग पर चर्चा की। जनवरी में भारत, राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) में कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष फ्रांसिस स्कार्पालेगिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी करेगा। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत-कनाडा संसदीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष फ्रांसिस स्कार्पालेगिया से मुलाकात की। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और भविष्य के सहयोग पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

अमेरिका में बुजुर्गों से धोखाधड़ी पर भारतीय को 90 महीने की सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में बुजुर्गों समेत अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में एक भारतीय नागरिक को दोषी करार देते हुए उसे 90 महीने की सजा सुनाई गई है। न्याय विभाग ने बुधवार को एक बयान में कहा कि लिग्नेश कुमार एच. पटेल (38) को वायर फ्रॉड और वित्तीय संस्थान धोखाधड़ी करने की साजिश रचने के मामले में दोषी पाया गया। पटेल ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश ने उसे मुआवजे के तौर पर 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया। पटेल ने अमेरिका के पांच प्रांतों के बुजुर्ग लोगों सहित 11 लोगों को ठगी का शिकार बनाया।

अमेरिका: सैनिकों का वेतन बढ़ाने को निचले सदन में विधेयक पारित

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने एक व्यापक रक्षा नीति विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सैनिकों का वेतन बढ़ाना और रक्षा विभाग की हथियार खरीद प्रक्रिया में आमूलचूल परिवर्तन शामिल है। यह विधेयक ऐसे समय में पारित हुआ है जब रिपब्लिकन बहुमत वाली संसद और ट्रंप के प्रशासन के बीच सेना से संबंधित मामलों को लेकर तनाव बढ़ रहा है। इस विधेयक में सैनिकों के वेतन में 3.8 प्रतिशत वृद्धि और सैन्य ठिकानों पर आवास व सुविधाओं में सुधार का भी प्रस्ताव है। इस विधेयक को राजनीतिक दलों के बीच समझौते के तौर पर भी देखा जा रहा है, जिसके तहत ट्रंप के एजेंडे के अनुरूप जलवायु और विविधता प्रयासों में कटौती की जाएगी।

पाकिस्तान: पूर्व आईएसआई प्रमुख को 14 साल की सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी

● सेना के कानूनों के उल्लंघन का आरोप है फैज हमीद पर

पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को सेना के कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में 14 साल की सजा सुनाई। सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार लेफ्टिनेंट जनरल रह चुके हमीद के खिलाफ 12 अगस्त, 2024 को पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

हमीद पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने, राज्य की सुरक्षा व हितों के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने, अधिकारों व सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग करने से संबंधित आरोप लगाए गए थे। यह पहली बार है, जब आईएसआई के किसी पूर्व प्रमुख को दोषी ठहराया गया है। हमीद ने 2019 से 2021 तक आईएसआई के महानिदेशक के रूप में कार्य किया। हमीद ने 10 दिसंबर, 2022 को समयपूर्व सेवानिवृत्ति ले ली थी और इससे पहले उन्होंने एक कोर के कमांडर के रूप में भी सेवाएं दी थी।

क्यों राजनीतिक मुद्दा बनी हुई है

ब्रिटिश इतिहासकार और राजनीतिज्ञ थॉमस बबिंगटन मैकाले ने 2 फरवरी 1835 को 'भारतीय शिक्षा पर कार्यवृत' प्रस्तुत किया। तत्कालीन गवर्नर जनरल विलियम बेंटिक की ओर से 7 मार्च 1835 को मंजूरी दिए जाने के बाद यह नीति ब्रिटिश-भारतीय शैक्षिक नीति की आधारशिला बन गई। भारत में इस शिक्षा प्रणाली को लागू करने का उद्देश्य भारतीयों के लिए पश्चिमी आधारित अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रणाली शुरू करना था। कहा जाता है कि इस ने पारंपरिक भारतीय शिक्षण प्रणालियों की उपेक्षा करते हुए एक ऐसे वर्ग का निर्माण का लक्ष्य रखा जो ब्रिटिश प्रशासन का मददगार हो। भारत में मैकाले की शिक्षा प्रणाली बार-बार मुद्दा बनती है क्योंकि इसे ब्रिटिश औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक माना जाता है, यह बहस भारत की पहचान, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिकता के बीच गहरे अंतर्द्वंद्व को दर्शाती है।

मैकाले की शिक्षा प्रणाली

क्या खास है इस प्रणाली में

- मैकाले ने तर्क दिया था कि अंग्रेजी को शिक्षा का मुख्य माध्यम होना चाहिए, इस वजह से कई स्थानीय भारतीय भाषाएं दरकिनार हो गईं।
- सरकारी धन का उपयोग केवल पश्चिमी विज्ञान, साहित्य और दर्शन को बढ़ावा देने के लिए किया जाना था, न कि पूर्वी शिक्षा के लिए।
- डाउनवर्ड फिल्ट्रेशन थ्योरी के तहत शिक्षा एक छोटे उच्च वर्ग को दी जानी थी, उसी से जनसामान्य तक ज्ञान पहुंचने की अवधारणा थी।

राजनीतिक मुद्दा बनने के कारण

- इस प्रणाली को एक औपनिवेशिक उपकरण के रूप में देखा जाता है, जिसने भारतीयों में अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के प्रति हीनता की भावना पैदा की।
- तर्क दिया जाता है कि इस नीति ने अंग्रेजी शिक्षित अभिजात वर्ग और बहुसंख्यक स्थानीय आबादी के बीच एक बड़ा सामाजिक और भाषाई अंतर पैदा कर दिया।
- शिक्षा प्रणाली को विऔपनिवेशिक करने और भारतीय लोकाचार में फिर स्थापित करने की बात की जाती है जिससे यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श में बना रहता है।

क्या हुए परिणाम

- मुख्य उद्देश्य भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार करना था जो स्वाद, राय, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हो ताकि ब्रिटिश हितों पर असर न पड़े।
- गुरुकुल और मदरसों जैसे पारंपरिक भारतीय शिक्षण संस्थान धीरे-धीरे सरकारी समर्थन और धन से वंचित हो गए, इससे उनका पतन हुआ।
- इस प्रणाली ने भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा और आधुनिक भारतीय शिक्षा प्रणाली की नींव पड़ी।

समाज पर दुष्प्रभाव

- स्वदेशी शिक्षण विधियां हाशिए पर चली गईं। आयुर्वेद, खगोल विज्ञान और दर्शन जैसे स्वदेशी ज्ञान क्षेत्रों को नुकसान।
- भारतीयों के एक वर्ग को अपनी विरासत से अलग कर दिया, पश्चिमी विचारों और जीवन शैली को श्रेष्ठ माना जाने लगा।
- अंग्रेजी माध्यम शिक्षा ने संस्कृत, फारसी समेत स्थानीय भाषाओं का महत्व कम हो गया, समाज में भाषाई खाई बन गई।

मैकाले प्रणाली के ये लाभ भी

- मैकाले शिक्षा प्रणाली ने भारतीयों को पश्चिमी विज्ञान, साहित्य और आधुनिक प्रशासनिक ज्ञान से परिचित कराया, जो भारत के आधुनिकीकरण में सहायक हुआ।
- अंग्रेजी शिक्षा ने ऐसे शिक्षित वर्ग का निर्माण किया, जिसने आधुनिक राजनीतिक विचारों को समझा और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया।
- इस प्रणाली ने देश में एक समान आपराधिक कानून और योग्यता आधारित प्रशासन की नींव रखी, जिसने जाति आधारित और भेदभावपूर्ण संरचनाओं को चुनौती दी।

ट्रंप ने नोबल पुरस्कार के लिए भारत से शत्रुता ठान ली, यह हास्यास्पद

अमेरिकी सांसद ने कहा- राष्ट्रपति की नीतियां अपनी ही नाक काटने जैसी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद सिडनी कैमलेजर डॉव ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के प्रति नीतियां रणनीतिक भरोसे और पारस्परिक समझ को वास्तविक व स्थायी नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को हुए नुकसान को कम करने के लिए वॉशिंगटन को अविश्वसनीय तत्परता के साथ कदम उठाने होंगे और अगर ट्रंप अपनी नीति में बदलाव नहीं किया तो वह भारत को खो देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति बन जाएंगे।

डॉव ने कहा, ज्यादा साफतौर पर कहा जाए तो ट्रंप ने भारत को दूर कर रूसी साम्राज्य को सशक्त किया। उन्होंने ट्रांसअटलांटिक गठबंधन को तोड़ा है और लातिन अमेरिका को खतरे में डाला है। जब इतिहास की किताबें लिखी जाएंगी और बताया जाएगा कि भारत के प्रति ट्रंप की शत्रुता कहां से शुरू हुई तो वे ऐसी चीज की ओर इशारा करेंगी जिसका हमारे दीर्घकालिक रणनीतिक हितों से कोई लेनादेना नहीं है। यह है उनका नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर व्यक्तिगत जुनून। यह भले ही हास्यास्पद हो, लेकिन इसका जो नुकसान होगा, उसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

कैमलेजर डॉव संसद की दक्षिण और मध्य एशिया विदेश मामलों की उप समिति की बैठक में 'यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिपः सिक्योरिंग अ फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' विषय पर बोल रही थीं। कैमलेजर डॉव ने ट्रंप की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ट्रंप की नीतियों को 'अपनी ही नाक काटने' के तौर पर वर्णित किया जा सकता है।

मोदी-पुतिन की तस्वीर दिखाकर कहा- दुश्मन की बांहों में धकेल दिया अपने रणनीतिक साझेदार को

कैमलेजर डॉव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तस्वीर दिखाते हुए कहा, स्पष्ट तौर पर कहूं तो दबाव बनाने वाला साथी होने की अपनी कीमत होती है और यह पोस्टर हजार शब्दों के बराबर है। इस तस्वीर में दोनों नेता नई दिल्ली में एक कार में साथ दिख रहे हैं। ये तस्वीर पुतिन के दिल्ली आगमन पर पालम हवाई अड्डे पर मोदी की ओर से उनका स्वागत करने के बाद की थी। कैमलेजर डॉव ने कहा, आप अमेरिकी रणनीतिक साझेदारों को हमारे दुश्मनों की बाहों में धकेलकर नोबेल शांति पुरस्कार नहीं जीत सकते।

पानी फेर दिया अमेरिका के वर्षों के प्रयासों पर

कैमलेजर डॉव ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि उसने भारत-अमेरिकी साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए किए गए वर्षों के प्रयासों पर पानी फेर दिया। उन्होंने कहा, रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के शासनकाल में भारत-अमेरिका के बीच विश्वास बरकरार रखने और सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के लिए वर्षों तक कठिन परिश्रम किया गया। जब ट्रंप ने इस साल की शुरुआत में पद संभाला तब द्विपक्षीय संबंध चरम पर थे। क्वॉड सक्रिय था, उभरती रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी कायम थी और एक विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला भागीदारी बनी हुई थी। उन्होंने कहा, ये कड़ी मेहनत से हासिल की गईं उपलब्धियां थीं, और फिर क्या हुआ। दशकों में अमेरिका द्वारा संचित पूंजी को सिर्फ ट्रंप की व्यक्तिगत शिकायतों की खातिर और हमारे राष्ट्रीय हितों की कीमत पर टॉयलेट में बहा दिया गया।

अर्थव्यवस्था और आव्रजन के मुद्दे पर ट्रंप की लोकप्रियता में भारी गिरावट

वाशिंगटन। अर्थव्यवस्था और आव्रजन को लेकर ट्रंप की लोकप्रियता में इस साल भारी गिरावट आई है। यह ताजा संकेत है कि जिन दो मुद्दों के आधार पर ट्रंप एक साल पहले चुनाव जीते थे, वे अब उनके लिए परेशानी बन सकते हैं। उनकी पार्टी 2026 के मध्यावधि चुनावों की तैयारी शुरू कर रही है। द एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के सर्वेक्षण में पाया गया है कि अब सिर्फ 31 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क ही ट्रंप के अर्थव्यवस्था संभालने के तरीके से सहमत हैं। मार्च में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत था। यह ट्रंप के पहले या दूसरे कार्यकाल में सर्वेक्षण में दर्ज की गई सबसे कम रेटिंग है।

वीजा उल्लंघनः चीनी नागरिक हिरासत में कश्मीर से दिल्ली भेजा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अनधिकृत यात्रा के आरोप में हिरासत में लिए गए 29 वर्षीय चीनी नागरिक को बुधवार शाम वापस नई दिल्ली भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया चीनी नागरिक न सिर्फ अनधिकृत रूप से कश्मीर गया और होटल में रुका बल्कि उसने भारतीय सिम भी हासिल किया।

चीन के शेनजेन गुआंगडेंग के रहने वाले इस व्यक्ति की पहचान लुकाल्फो बेहु उर्फ हू कोंगताई के रूप में हुई है। वह 19 नवंबर को पर्यटक वीजा पर नई दिल्ली आया था। उसे सिर्फ वाराणसी, आगरा, नई दिल्ली, जयपुर, सारनाथ, गया और कुशीनगर जाने की इजाजत थी। मगर वह एक दिसंबर को कश्मीर गया, जिसके बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने वीजा उल्लंघन के लिए उससे पूछताछ की। चीनी नागरिक को बडगाम जिले के हुमहामा में फ्रेंड्स एन्क्लेव स्थित होमस्टे हाउस रोज कॉटेज से हिरासत में लिया गया और उसका मोबाइल फोन जांच के लिए जब्त कर लिया गया जो कश्मीर से वापस भेजने से पहले उसे लौटा दिया गया।

पाकिस्तान को एफ- 16 लड़ाकू विमान की उन्नत तकनीक बेचेगा अमेरिका

इस्लामाबाद, एजेंसी

● अनुमानित मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर के सौदे को दी मंजूरी

अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत तकनीक और सहायता बेचने को मंजूरी दे दी है, जिसका मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर है। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) की ओर से सोमवार को संसद को भेजे गए एक पत्र में इस बिक्री को मंजूरी दी है।

इस पैकेज में लिंक-16 सिस्टम, क्रिप्टोग्राफिक उपकरण, एवियोनिक्स अपडेट, प्रशिक्षण और व्यापक साजोसामान संबंधी सहायता शामिल है। डीएससीए के पत्र में इस बिक्री का कारण स्पष्ट किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह कदम अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी अभियानों और भविष्य की आकस्मिक परिस्थितियों की तैयारी में अमेरिकी और साझेदार बलों के साथ अंतर-परिचालन बनाए रखने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित बिक्री का उद्देश्य पाकिस्तान के एफ-16 बेड़े का आधुनिकीकरण करना और परिचालन सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान करना भी है। क्षेत्रीय संतुलन को लेकर चिंताओं पर भी पत्र में कहा गया है कि उपकरणों की प्रस्तावित बिक्री और समर्थन क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन को नहीं बदलेगा। इस बिक्री का कुल अनुमानित मूल्य 68.6 करोड़ डॉलर है, जिसमें 3.7 करोड़ डॉलर मूल्य का प्रमुख रक्षा उपकरण और 64.9 करोड़ डॉलर मूल्य की अन्य सामग्री शामिल है।

अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव भेजेगा यूक्रेनः जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन बुधवार को अपना नया शांति प्रस्ताव अमेरिकी वार्ताकारों को सौंपने वाला है।

यह कदम लगभग 30 देशों के नेताओं के साथ होने वाली उनकी अहम बैठक से एक दिन पहले उठाया जा रहा है, जो रूस के साथ युद्ध को स्वीकार्य शर्तों पर समाप्त करने के प्रयास में कीव का समर्थन करते हैं।

इस बीच, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर चर्चा की। यूरोपीय नेताओं ने बयानों में कहा कि वार्ताएं एक निर्णायक मोड़ पर हैं। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की को वास्तविकता समझनी होगी और यूरोपीय नेता इस सप्ताहांत अमेरिका तथा यूक्रेन के साथ एक बैठक चाहते हैं।

साइबर दासता का गढ़ बन गया है म्यांमार

नई दिल्ली, एजेंसी

● सीबीआई ने डिजिटल अरेस्ट पर दाखिल किया आरोप पत्र

सीबीआई ने दक्षिणपूर्व एशियाई देशों में स्थित सरगनाओं द्वारा नियंत्रित साइबर धोखाधड़ी घोटालों के आरोप में 13 व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। एजेंसी ने दक्षिणपूर्व एशिया में साइबर-दासता और संगठित डिजिटल शोषण नेटवर्क की समानांतर जांच भी की, जिसमें म्यांमार और पड़ोसी क्षेत्रों में कुछ इलाके शामिल हैं, जो इस तरह की धोखाधड़ी के केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।

सीबीआई ने एक विशेष अदालत में दायर आरोपपत्र में कहा कि घोटाले के नेटवर्क से जुड़े 15,000 'आईपी एड्रेस' के तकनीकी विश्लेषण से पता चला है कि पीड़ितों से धन लेने और उसे अन्यत्र भेजने के लिए इस्तेमाल किए गए कई प्रमुख बैंक खातों को विदेश से नियंत्रित किया जा रहा था। एजेंसी ने बताया कि ये खाते कंबोडिया, हांगकांग और चीन स्थित सरगनाओं द्वारा नियंत्रित किए जा रहे थे। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, महत्वपूर्ण रूप से, अब कई तरह के साक्ष्य यह संकेत देते हैं कि म्यांमार और पड़ोस के इलाकों से संचालित होने वाले ''स्लेव कंपाउंड'' डिजिटल अरेस्ट घोटाले के बड़े केंद्र के रूप में उभर रहे हैं, जहां मानव तस्करी कर ले जाए गए भारतीय नागरिकों को साइबर अपराध के लिए मजबूर किया जाता है।

उन्होंने कहा, ये निष्कर्ष दक्षिण-पूर्व एशिया में साइबर-गुलामी और संगठित डिजिटल शोषण नेटवर्क पर सीबीआई द्वारा की गई समानांतर जांच के दौरान जुटाई गई खुफिया जानकारी के अनुरूप हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए 15,000 'आईपी एड्रेस' खंगाले, जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष अक्टूबर में तीन अहम संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई।

बांग्लादेशः 12 फरवरी को होंगे आम चुनाव

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव कराए जायेंगे। अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद यह पहले चुनाव होंगे।

सीईसी एएमएम नासिर उद्दीन ने बृहस्पतिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, मतदान 12 फरवरी, को सुबह साढ़े सात से शाम साढ़े चार बजे तक होगा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय सहमति आयोग के सुधार प्रस्तावों पर जनता की राय जानने के लिए मतदान के दिन, 12 फरवरी को एक साथ जनमत संग्रह भी कराया जाएगा।

भारत तालिबान के साथ व्यवहारिक संबंधों का पक्षधर

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● सुरक्षा परिषद में भारत का तर्क उचित नहीं रहेंगे दंडात्मक कदम

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया है कि वह तालिबान के साथ व्यावहारिक संबंध कायम करने का पक्षधर है, क्योंकि केवल दंडात्मक कदमों पर ध्यान केंद्रित करने से पुराने दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा। अफगानिस्तान की स्थिति पर बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करता है कि वह ऐसे नीतिगत कदम उठाए, जिनसे अफगानिस्तान के लोगों को स्थाई लाभ पाने में मदद मिले।

उन्होंने अफगानिस्तान के लोगों की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। हरीश ने कहा कि काबुल में दिल्ली के तकनीकी मिशन का दूतावास का दर्जा बहाल करने का भारत सरकार का हालिया निर्णय इस संकल्प को मजबूती से दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम सभी संबंधित पक्षों के साथ अपने संबंध बनाए रखेंगे ताकि अफगानिस्तान के समग्र विकास, मानवीय सहायता और दक्षता विकास पहल में अपना योगदान बढ़ा सकें।

अक्टूबर में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी नई दिल्ली आए थे। इस दौरान दिल्ली के तकनीकी मिशन को काबुल में दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की गई और अफगानिस्तान में विकास कार्यों को फिर शुरू करने का संकल्प लिया गया। भारत ने अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद अपने दूतावास से अधिकारियों को बुला लिया था। जून 2022 में, भारत ने काबुल में एक तकनीकी टीम को तैनात कर अपनी कूटनीतिक उपस्थिति फिर से स्थापित की। हरिश ने कहा कि भारत अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर रखता है।

उन्होंने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित संगठनों जैसे आईएसआईएल, अलकायदा और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद समेत उनके सहयोगियों तथा लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ सामूहिक प्रयासों को समन्वित करना चाहिए, ताकि वे सीमा पार आतंकवाद में लिप्त न हों।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 12 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 14.56 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

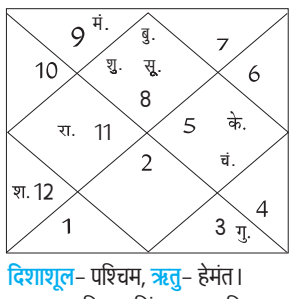

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराफाल्गुनी 13 दिसंबर 05.50 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष आज जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर अवश्य करें। यदि स्वास्थ्य में कुछ समस्या हो तो चिकित्सक से शीघ्र संपर्क करें। व्यापार में बड़ी व स्थायी पार्टनरशिप हो सकती है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ने वाली है।

वृष आज छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें। अपनी प्रतिभा को निखारने का प्रयास करेंगे। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रेम संबंधों को लेकर कड़वाहट हो सकती है। संपत्ति की खरीदी में परेशानियों का सामना कर पड़ सकता है।

मिथुन आज यात्रा के दौरान असुविधा होने की संभावना है। इसीलिए यदि बहुत आवश्यक न हो, तो यात्रा से बचें। परिजनों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। बेरोजगार लोग नौकरी को लेकर थोड़े चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

कर्क आज कार्यक्षेत्र में जोखिम लेना चाह रहे हैं, तो दिन अत्यंत शुभ है। व्यापारिक डील के लिए समय बहुत अच्छा है। आपकी तार्किक क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी कारणवश दूसरे शहर की यात्रा कर सकते हैं। बुद्धिमान लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। आप अपने वचनों में नियंत्रण रखें। मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। भोजन में शुद्धता और पौष्टिकता का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या आज कारोबार में नया प्रयोग करने के लिए दिन उत्तम है। विवादित मामलों के सुलझने के योग बन रहे हैं। परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। भोग-विलास में आप धन खर्च करेंगे। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

तुला आज आर्थिक स्थिति को लेकर थोड़ा तनाव रहेगा, लेकिन आपको गलत मार्गों का चयन करने से बचना चाहिए। नजदीकी लोग आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं। इसीलिए गंभीर विषयों पर चर्चा करने से बचें।

वृश्चिक आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए विशेष रूप से शुभ है आपके व्यवहार से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे। आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय से बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। जोड़ों में दर्द और गठिया से पीड़ित जातकों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

धनु आज व्यावसायिक अनुबंधों के लिए दिन अत्यंत शुभ है। मध्यस्थता से कई अटके हुए मामलों का समाधान कर लेंगे। आपकी तर्कशक्ति दूसरों की समस्याओं का भी समाधान करने में सहायता करेगी। पुराने मित्रों से अचानक मुलाकात हो सकती है।

मकर आज दूसरों के साथ अपनी तुलना न करें। धार्मिक कार्यों में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। अपनी अधूरी इच्छाओं को पूरा करने का अवसर प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे।

कुंभ आज गूढ़ ज्ञान-विज्ञान को लेकर अत्यधिक जिज्ञासु रहने वाले हैं। अधिक सोच-विचार करने के कारण तनाव में आ सकते हैं। प्रेमी जोड़ों को परिवार के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों के विश्वास पर अपने कार्य न छोड़ें।

मीन आज काम को आगे बढ़ाने के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। व्यवसाय में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। अनेक दिनों से रुका हुआ काम पूरा होने से आपका मन शांत रहेगा। अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सुडोकू-188

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1							
2								
		1						
						2	3	
				4				
			5		1			
	9							
		2						

सुडोकू - 187 का हल

9	4	5	8	7	1	2	6	3
2	3	8	4	9	6	5	7	1
6	1	7	3	2	5	4	8	9
3	8	4	1	6	2	7	9	5
7	2	6	9	5	3	8	1	4
1	5	9	7	8	4	6	3	2
5	9	2	6	1	7	3	4	8
8	7	3	2	4	9	1	5	6
4	6	1	5	3	8	9	2	7

मुझे बस क्रिकेट पसंद है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दो गेंदों का क्रिकेट हो या 100 गेंदों का या 100 ओवर का। क्रिकेट तो क्रिकेट है। गोल्फ तो गोल्फ है, आप कोई भी प्रारूप खेलें। आखिर में आप गोल्फ का मजा लेते हैं।

-कपिल देव

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

करणदीप ने दुबई में पहला आईजीपीएल खिताब जीता

दुबई। करणदीप कोच्चर ने बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल आमंत्रण यूएई गोल्फ टूर्नामेंट में लगातार तीसरे दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से अपना पहला आईजीपीएल खिताब जीता। कोच्चर का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने युवा वीर गणपति और पुखराज सिंह को पछाड़ा। आईजीपीएल आमंत्रण कोलकाता में उप विजेता रहे कोच्चर ने आईजीपीएल के पहले सत्र में 10वें टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत दर्ज की। गणपति अंतिम दौर में पार 72 के स्कोर से कोच्चर से एक शॉट पीछे रहे। पुखराज भी उनके साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। दोनों का कुल स्कोर आठ अंडर रहा। आईजीपीएल मुंबई में खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली प्रणवी उर्स (71) कुल सात अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहीं।

बीसीसीआई की बैठक 22 दिसंबर को

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 22 दिसंबर को एपेक्स काउंसिल की वर्चुअल बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच एजेंडों पर चर्चा करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस में बदलाव करने की योजना बना रहा है। महिला टीम की शानदार एकदिवसीय विश्व कप जीत के बाद मैच फीस में बदलाव की उम्मीद थी और बीसीसीआई ने इस मुद्दे पर बैठक में चर्चा करने का फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिलाओं के बीच सैलरी में समानता है, घरेलू प्रतियोगिताओं में असमानताएं बनी हुई हैं।

सिंधु और लक्ष्य राष्ट्रीय टीम में

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी को तीन से आठ फरवरी तक चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत इस प्रतियोगिता के महिला वर्ग में गत चैंपियन है जबकि पुरुष टीम ने अतीत में दो कांस्य पदक जीते हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने एक बयान में कहा रैंकिंग, प्रदर्शन और अनुभव के आधार पर चुनी गई महिला टीम की अगुवाई एक बार फिर पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु करेंगी। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे जबकि किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, अमेरिकी ओपन विजेता आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली को भी जगह मिली है।

एशियाई युवा पैरा खेलों में इंदौरी को दो स्वर्ण

दुबई। भारतीय तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने यहां एशियाई युवा पैरा खेलों के पहले दिन 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इंदौरी ने बेहतरीन खेल और अपने इरादे से पूल में दबदबा बनाया। इस प्रदर्शन से वह बुधवार को दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे। एशियाई युवा पैरा खेलों का उद्घाटन समारोह भी बुधवार को बड़े उत्साह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अलग-अलग एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा पैरा खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में दो खिलाड़ी भारतीय मूल के

मेलबर्न। भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे सीरीज में भारत के खिलाफ खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में बराबरी की

दूसरे टी-20 में भारत को 51 रनों से हराया, क्विंटन डिकॉक ने खेली 90 रनों की तेज तर्रार पारी

90 रन
46 गेंद
05 चौके
07 छक्के
क्विंटन डिकॉक।

मुल्लांपुर (चंडीगढ़),एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बृहस्पतिवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। अब तीसरा टी20 मुकाबला 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा। पहले मैच में महज 74 रन पर आउट होने वाली दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 213 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया जिसमें डिकॉक की 46 गेंद की पारी में सात छक्के और पांच चौके जड़े थे।

डिकॉक ने कप्तान एडन मार्करम (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 83 रन की भागीदारी निभाई। डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। भारत ने पारी में 16 वाइड गेंद डाली और 22 अंतिरिक्त रन दिए जबकि दक्षिण अफ्रीका ने केवल पांच अतिरिक्त रन दिए। इस तरह भारत ने अंतिम 10 ओवर में 123 रन लुटाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत काफी खराब रही जिससे टीम उबर नहीं सकी और तिलक वर्मा (62 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 27 रन, अक्षर पटेल ने 21 रन और हार्दिक पंड्या ने 20 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए आटेनील बार्टमैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर चार विकेट झटके जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यान्सेन और लुथे सिपमाला को दो दो विकेट मिले। भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। इस तरह खेल के इस प्रारूप में उनकी फॉर्म पर चिंता बरकरार है। एनगिडी की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश में वह पहली स्लिप में खड़े हेंड्रिक्स को कैच दे बैठे। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दो छक्के से आठ गेंद में 17 रन बनाकर तेज शुरुआत की लेकिन यानसन की गेंद पर आउट हो गए। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर डिकॉक के हाथों में समां गई। चौथे ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के आउट होने से स्कोर तीन विकेट पर 32 रन हो गया। दिलचस्प है कि यानसन की गेंद सूर्यकुमार के बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। मार्करम ने क्षेत्ररक्षकों से पूछने के बाद रिव्यू लेने का फैसला जबकि दो सेकेंड ही बचे थे। और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और निराश सूर्यकुमार के पवेलियन लौटते हुए मैदान पर खामोशी छा गई। तिलक वर्मा ने पांचवें ओवर में सिपमाला पर एक चौका और एक छक्का जमाया।

इससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 51 रन था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारे गए अक्षर पटेल (21 गेंद में 21 रन) ने जैसे ही तेज खेलना शुरू किया, वह बार्टमैन की गेंद पर हेंड्रिक्स के हाथों कैच आउट हो गए। पहले मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत को 101 रन से जीत दिलाने वाले पंड्या अगली गेंद पर डीप मिडविकेट पर आसान कैच थमाकर सिपमाला का पहला शिकार बने। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे और तिलक के आउट होने से भारतीय पारी खत्म हुई।

उम्मीद के मुताबिक भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। डिकॉक पहले ओवर में तीसरी गेंद पर रन आउट होने से बचे। उन्होंने अगली गेंद पर दो रन बनाकर खाता खोलने के बाद अर्शदीप (चार ओवर में 54 रन) की पांचवीं गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर पर छक्के के लिए भेज दिया। फिर तीसरे ओवर में इसी गेंदबाज पर एक छक्का और एक चौका लगाया। रीजा हेंड्रिक्स (08) और डिकॉक ने अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह (चार ओवर में 45 रन) पर एक एक छक्का लगाया।

अर्शदीप पर दबाव साफ दिख रहा था जिसका नतीजा यह रहा है कि उन्होंने टीम के 11वें ओवर में सात वाइड से 13 गेंद डाली जिसमें 18 रन बने।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते तिलक वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

213/4 (20 ओवर)

- क्विंटन डिकॉक रन आउट 90
- रीजा हेंड्रिक्स बो वरुण चक्रवर्ती 08
- मार्करम का पटेल बो वरुण चक्रवर्ती 29
- ब्रेविस का तिलक वर्मा बो पटेल 14
- डोनोवन फरेरा नाबाद 30
- डेविड मिलर नाबाद 20

अतिरिक्त : 22

गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 4-0-54-0, जसप्रीत बुमराह 4-0-45-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-29-2, अक्षर पटेल 3-0-27-1, हार्दिक पंड्या 3-0-34-0, शिवम दुबे 2-0-18-0

13 गेंदें अर्शदीप ने 11वें ओवर में डाली, जिसमें 7 वाइड थीं। वह पहले भारतीय हैं, जिन्होंने टी20 अंतर्राष्ट्रीय में इतना बड़ा ओवर फेंका है।

भारत

162/10 (19.1 ओवर)

- अभिषेक का डिकॉक बो यानसन 17
- शुभमन का हेंड्रिक्स बो एनगिडी 00
- अक्षर पटेल का हेंड्रिक्स बो बार्टमैन 21
- सूर्यकुमार का डिकॉक बो यानसन 05
- तिलक का मारक्रम बो एनगिडी 62
- हार्दिक का ब्रेविस बो सिपमाला 20
- जितेश का बार्टमैन बो सिपमाला 27
- शिवम दुबे बो बार्टमैन 01
- अर्शदीप का मिलर बो बार्टमैन 04
- वरुण का मारक्रम बो बार्टमैन 00
- जसप्रीत बुमराह नाबाद 00

अतिरिक्त : 05

गेंदबाजी : लुंगी एनगिडी 3.1-0-26-2, मार्को यानसन 4-0-25-2, लुथो सिपमाला 4-0-46-2, डोनोवन फरेरा 1-0-14-0, ओटनील बार्टमैन 4-0-24-4, जॉर्ज लिंडे 3-0-23-0

अंडर-19 एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी होंगे आकर्षण का केंद्र

दुबई, एजेंसी

- यूएई के खिलाफ भारत आज शुरू करेगा अभियान, रविवार को पाकिस्तान से होगा मुकाबला

टीम

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश सिंह, युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलन ए पटेल, नमन पुष्पक, डी दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन व आरोन जॉर्ज।

भारत के एशिया कप अंडर-19 अभियान की अगुवाई युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे करेंगे, लेकिन सभी का ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इन युवा खिलाड़ियों को अपने पाकिस्तानी समकक्षों से हाथ मिलाने की इजाजत देगा या नहीं।

मुंबई और चेन्नई सुपरकिंग्स के आक्रामक सलामी बल्लेबाज म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय अंडर-19 टीम शुक्रवार को यूएई के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी तो वहीं रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला मैच निश्चित रूप से जूनियर महाद्वीपीय चैंपियनशिप में सबसे अधिक सुर्खियां बटोरेगा जिसे अगले साल की शुरुआत में होने वाले विश्व कप के लिए ड्रेस रिहर्सल के तौर पर देखा जा रहा है। भारतीय खिलाड़ियों ने भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाते सीनियर पुरुषों के एशिया कप, उसके बाद महिला एकदिवसीय विश्व कप और राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। हालांकि जब अंडर-19 क्रिकेटर्स की बात आती है तो माना जाता है कि आईसीसी भी चाहता है कि राजनीति को इससे दूर रखा जाए और खेल भावना के सामान्य नियमों का पालन किया जाए। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बतायालड़कों को कुछ नहीं कहा गया है लेकिन जाहिर है कि बीसीसीआई ने अपने मैनेजर आनंद दातार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। अब अगर भारतीय लड़के पाकिस्तान टीम से हाथ नहीं मिलाते हैं तो मैच रेफरी को पहले से सूचित करना होगा।

भारत स्क्वैश वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में

चेन्नई। भारत ने गुरुवार को पूल बी के अपने दूसरे मैच में ब्राजील को 4-0 से हराकर स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आज यहां खेले गये मुकाबले में वेलवन सेंथिलकुमार ने दुनिया के नंबर 183 पेड्रो मोमेटो को हराकर मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दी।

भारत के नेशनल चैंपियन, जो पुरुषों की स्क्वैश रैंकिंग में 45वें स्थान पर हैं, शायद ही कभी मुश्किल में दिखे, क्योंकि उन्होंने शुरुआती मैच 3-0 (7-5, 7-2, 7-2) से जीत लिया। भारत की 17 साल की अनाहत सिंह टूर्नामेंट की सबसे कम उम्र की स्क्वैश खिलाड़ी ने दूसरे मैच में शांत प्रदर्शन किया। दुनिया की नंबर 28 भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी, जो अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रही हैं, ने लॉरा सिल्वा को 3-0 (7-4, 7-0, 7-2) से आसानी से हरा दिया। भारत के अभय सिंह ने डिएगो गोब्बी को 3-0 (7-3, 7-1, 7-1) से हराया।

टी-20 विश्व कप 2026 के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

मुंबई, एजेंसी

- भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होगा टूर्नामेंट

टी-20 विश्व कप 2026 के टिकटों की बिक्री बृहस्पतिवार से शुरू हो गई है जिसमें कुछ जगहों के लिए पहले चरण में कीमत 100 रुपये या 1000 श्रीलंकाई रुपये जितनी कम रखी गई है। भारत और श्रीलंका सात फरवरी से आठ मार्च तक मिलकर टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने प्लेटफॉर्म पर टी20 विश्व कप के 10वें चरण के टिकटों की बिक्री की घोषणा की जिसमें 20 टीम का टूर्नामेंट आठ जगहों पर खेला जाएगा। भारत में विश्व कप के लिए अहमदाबाद, चेन्नई, नयी दिल्ली, मुंबई और कोलकाता मेजबान शहर होंगे जबकि श्रीलंका में कोलंबो (दो जगह) और कैंडी दो स्थान होंगे। गत चैंपियन भारत टूर्नामेंट के पहले दिन तीन मैचों में से एक में अमेरिका से भिड़ेगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा टिकट बिक्री का पहला चरण अब तक के सबसे सुलभ और वैश्विक आईसीसी टूर्नामेंट को आयोजित करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए हमारा नजरिया स्पष्ट है कि हर प्रशंसक को विश्व स्तरीय क्रिकेट का स्टेडियम में अनुभव करने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा सिर्फ 100 रुपये और 1000 श्रीलंकाई रुपये से शुरू होने वाले टिकटों के साथ हम अपनी रणनीति के केंद्र में किफायतीपन को रख रहे हैं। यह लाखों लोगों को क्रिकेट के जश्न का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करने के बारे में है। 20 टीम और 55 मैच वाला 2026 चरण इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी और समावेशी टी20 विश्व कप होगा।

चैंपियंस लीग : मैनचेस्टर सिटी से हारा रियल मैड्रिड

मैनचेस्टर (इंग्लैंड), एजेंसी

रियल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सिटी से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसके कोच जाबी अलोंसो के भविष्य को लेकर सवाल उठने लग गए हैं। आर्सेनल ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-0 की जीत से अपना अजेय अभियान जारी रखा और वह अंक तालिका में तीन अंकों की बढ़त बनाए हुए है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रॉ खेला।

रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच बुधवार को हुआ मुकाबला इस राउंड का सबसे चर्चित मैच था। इस सप्ताह के शुरू में खबरें आई थी कि अलोंसो का पद खतरे में है और अब एक और हार के बाद उनकी स्थिति को लेकर अटकलें और तेज होने की संभावना है। रियल मैड्रिड ने अब तक आठ मैचों में सिर्फ दो में जीत हासिल की है। रोड्रिगो ने 28वें मिनट में रियाल मैड्रिड को बढ़त दिलाई थी, लेकिन हाफ टाइम से पहले निको ओरेली और एर्लिंग हालैंड के गोल ने मैनचेस्टर सिटी की जीत सुनिश्चित कर दी। रिकॉर्ड 15 बार का यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड तालिका में सातवें स्थान पर है। केवल शीर्ष आठ टीमें ही सीधे राउंड ऑफ 16 में प्रवेश करेंगी। इस बीच आर्सेनल का शानदार प्रदर्शन बरकरार है। उसकी तरफ से नोनी मैडुके ने दो जबकि गैब्रियल मार्टिनेली ने एक गोल किया। पीएसजी का बिलबाओ के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने का सपना पूरा नहीं हो पाया।

साक्षात्कार जूनियर हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा छह गोल करने वाले दिलराज की किट के लिए मां ने बेचे थे गहने

हॉकी के मैदान पर याद आता है मां का संघर्ष : दिलराज

चेन्नई, एजेंसी

पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी का दामन थामने वाले दिलराज सिंह के दिल को तब ठेस पहुंची जब उन्हें पता चला कि उन्हें गोलकीपिंग किट दिलाने के लिए उनकी मां को अपने गहने बेचने पड़े थे और तभी से उन्होंने ठान ली थी कि खेल के मैदान पर नाम कमाकर परिवार को अच्छे दिन दिखाना है।

यहां जूनियर हॉकी विश्व कप में नौ साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छह गोल करने वाले दिलराज अपने जन्मदिन पर मिली जीत के बाद भावुक हो गए और कहा जीत के बाद सबसे पहले मैंने मां (रूपिंदर कौर) से बात की और वह काफी भावुक हो गई थी। वह मेरा मैच नहीं देखती क्योंकि उनको डर लगता है। वह उतने समय अरदास करती रहती हैं। शुरुआती दिनों में गोलकीपर के तौर पर खेलने वाले पंजाब के इस खिलाड़ी ने बताया कि उनके पिता ठीक नहीं रहते थे और मां ने काफी कठिनाइयां झेलकर उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

पहली कमाई सौंपी थी मां के हाथों में

दिलराज ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा खुशी क्लब के लिए खेलते हुए पहली कमाई मिलने पर हुई थी जो उन्होंने अपनी मां को सौंपी थी। उन्होंने कहा सबसे पहले मुझे लखनऊ में चीमा अकादमी की ओर से खेलते हुए एक टूर्नामेंट में पांच या छह हजार रूपये मिले थे और मैने सारे पैसे मां को दे दिये थे और इतनी खुशी हुई कि बता नहीं सकता। जूनियर विश्व कप से मिली सीख के बारे में पूछने पर दिलराज ने कहा कि इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और दबाव में खेलने का हुनर मजबूत हुआ है। इस टूर्नामेंट से यह सीखा कि जीत के साथ हार भी जुड़ी होती है। दबाव का सामना कैसे करना है और अब लगता है कि अपेक्षाओं का दबाव झेलकर खेल सकता हूं। अभी आगे बहुत कुछ हासिल करना है।

उन्होंने कहा मैने जब पहली गोलकीपिंग किट ली थी तो मेरी मां को अपने गहने बेचने पड़े थे। उनके और मेरे अलावा किसी को यह नहीं पता था। मुझे फिर बहुत दुख हुआ और मैं बहुत संजीदगी से खेलने लगा क्योंकि मैं जब भी मैदान पर उतरता था तो मेरी मां की कुर्बानियां याद आती थी। मेरे पापा ठीक नहीं रहते थे तो सब कुछ मां पर ही निर्भर था और उनकी वजह से ही मैं यहां तक पहुंचा। उन्होंने कहा हालात इतने खराब थे कि कई बार मेरे पास टूर्नामेंट में जाने के लिए भी पैसा नहीं होता था। किसी टूर्नामेंट में ईनाम मिल जाता तो काम चल जाता था।

पिछले साल जोहोर कप (तीन गोल) में कांस्य और जूनियर एशिया कप (सात गोल) में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे दिलराज ने कहा कि विश्व कप में मिला पदक इसलिए भी बहुत मायने रखता है क्योंकि इससे भविष्य में उन्हें नौकरी मिलने का मौका बनेगा। उन्होंने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा मेरे लिये यह पदक बहुत अहम है क्योंकि इससे मुझे नौकरी मिलने का मौका बन सकता है। इसके साथ ही सीनियर टीम में जाने के दरवाजे भी खुलेंगे। घर के हालात ऐसे ही हैं लिहाजा नौकरी मिल जाने से अच्छा होगा। बीस साल के इस फारवर्ड ने बताया कि बचपन में उनकी शरारतों से परेशान होकर उन्हें हॉकी अकादमी में डाला गया जिसे वह छोड़कर भी आ गए थे। उन्होंने कहा मेरा पढ़ाई में उतना मन नहीं लगता था तो घर वालों ने बटाला, पंजाब में चीमा हॉकी अकादमी में डाल दिया। मेरे तायाजी का लड़का खेलता था। उसको देखकर मैं भी अकादमी चला गया था और रोता रहता था।

उन्होंने कहा मैं गोलकीपर के तौर पर वहां गया था लेकिन फिर छोड़कर आ गया क्योंकि बीच में (मिडफील्ड) खेलना चाहता था, गोलकीपर नहीं बनना था। फिर मैं फॉरवर्ड खेलने लगा और घुमन कलां पिंड में कोच कुलविंदर सिंह के साथ खेलना शुरू किया और फिर सुरजीत हॉकी अकादमी में चयन हो गया।